{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
मंगलवार 02 जून 2026
ज्येष्ठ कृष्ण 02 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 248
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

PMG हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	74,267.34
निफ्टी	-	23,382.60
सोना	-	1,56,220
चांदी	-	2,80,000
डॉलर	-	95.20

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

कमर्शियल गैस सिलेंडर में इस साल लगातार 7वीं बार इजाफा हुआ, 5 किलो के एलपीजी में भी इजाफा

6 माह में 97 प्रतिशत महंगा हुआ 19 किलो का सिलेंडर

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट की टेंशन और होमुर्ज स्ट्रेट बंद होने की वजह से लगातार फ्यूल और एलपीजी की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। यही कारण है कि 19 किलो के सिलेंडर के दाम में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। मौजूदा साल में लगातार 7वीं बार इजाफा देखने को मिला है। खास बात तो ये है कि 19 किलो के सिलेंडर के दाम में 6 महीने में 97 फीसदी महंगा हो चुका है।

खास बात तो ये है कि मई के महीने में 993 रुपए की बढ़ोतरी देखने को मिली थी। जिसकी वजह से 19 किलो के एलपीजी के दाम 3000 रुपए के लेवल को पार कर गए थे। वहीं दूसरी ओर छोटू सिलेंडर के दाम में भी बढ़ोतरी देखी गई है। वहीं घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव देखने को नहीं मिला है, जोकि मिडिल क्लास को एक बड़ी राहत है।

लगातार 7वीं बार बढ़ोतरी

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर यानी 19 किलोग्राम वाले सिलेंडर के दाम में देश की राजधानी दिल्ली में 6 महीनों में लगातार 7वीं बार इजाफा देखने को मिला है। आंकड़ों को देखें तो जून के महीने में 19 किलोग्राम के सिलेंडर के दाम में दिल्ली में 42 रुपए की बढ़ोतरी देखने को मिली है। जिसके बाद दाम 3,113.50 रुपए हो गए हैं। जबकि कोलकाता में 19 किलो के एलपीजी के दाम में 53.50 रुपए की बढ़ोतरी देखी गई थी। जिसके बाद यहां पर कीमतें 3,255.50 रुपए प्रति गैस सिलेंडर हो गई है। खास बात तो ये है कि दिल्ली में इन 6 महीनों में कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में 1,533 रुपए यानी 97 फीसदी का इजाफा देखने को मिल चुका है। जोकि इससे पहले कभी नहीं देखा गया है।

घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं

एएनआई के एक्स पर किए पोस्ट के अनुसार घरेलू गैस सिलेंडर होल्डर्स को बड़ी राहत मिली है। रिपोर्ट के अनुसार घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। जिसकी वजह से देश की राजधानी दिल्ली में घरेलू एलपीजी की कीमत 913 रुपए, कोलकाता में 939 रुपए, मुंबई में 912.50 रुपए और चेन्नई में 928.50 रुपए हैं। घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में आखिरी बार 7 मार्च को बदलाव किया गया था। तब देश में घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में 60 रुपए का इजाफा हुआ था।

छोटू सिलेंडर भी हुआ महंगा

वहीं दूसरी ओर छोटू सिलेंडर यानी 5 किलो वाले सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिली है। एएनआई के एक्स पर किए पोस्ट के अनुसार दिल्ली में छोटू सिलेंडर के दाम में 11 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। जिसके बाद यहां पर छोटू सिलेंडर की कीमत यानी फ्री ट्रेड एलपीजी के दाम 821.50 रुपए हो गए हैं। ये कीमतें 1 जून यानी आज से लागू हो गई हैं।

खास खबर

सीजेपी के संस्थापक 6 को आएंगे भारत

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके 6 जून को भारत लौटेंगे। इसके बाद वे दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करेंगे। इस प्रदर्शन में वे शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग करेंगे। दिपके ने इसकी जानकारी अपने एक्स अकाउंट 'कॉकरोच इज बैक' पर दी है। कॉकरोच जनता पार्टी एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म है, जो भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत की हालिया कॉकरोच टिप्पणी के बाद सामने आया। सीजेपी के इंस्टाग्राम पर 2 करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। 30 साल के अभिजीत दिपके महाराष्ट्र के संभाजी नगर के रहने वाले डिजिटल मीडिया स्ट्रैटेजिस्ट हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अभिजीत ने पुणे से पत्रकारिता की पढ़ाई की है। फिलहाल वो अमेरिका की बोस्टन यूनिवर्सिटी में पब्लिक रिलेशन से मास्टर्स की पढ़ाई कर रहे हैं।

गूगल को हाईकोर्ट से बड़ा झटका

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सर्च इंजन दिग्गज गूगल को विज्ञापन प्रणाली में एक अहम फैसले के तहत बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि गूगल अपने विज्ञापन प्लेटफॉर्म पर किसी एक कंपनी के पंजीकृत ट्रेडमार्क का इस्तेमाल किसी दूसरी प्रतिस्पर्धी कंपनी के विज्ञापनों को बढ़ावा देने के लिए नहीं कर सकता है। इस ऐतिहासिक फैसले से मशहूर सैनिटरीवेयर कंपनी हिंदवेयर को बड़ी राहत मिली है। अदालत ने ट्रेडमार्क के दुरुपयोग मामले में गूगल पर 30 लाख रुपये का भारी जुर्माना भी लगाया है। जस्टिस मिनी पुष्कर्णा की एकल पीठ ने स्पष्ट किया कि विज्ञापनों के मामले में गूगल की भूमिका केवल एक मध्यस्थ या प्लेटफॉर्म प्रदान करने तक सीमित नहीं है। गूगल विज्ञापनदाताओं को कीवर्ड सुझाने और विज्ञापनों की रैंकिंग तय करने में सक्रिय भूमिका निभाता है। अदालत ने कहा कि यदि कोई कंपनी किसी अन्य कंपनी के रजिस्टर्ड ट्रेडमार्क को की-वर्ड के रूप में खरीदती है ताकि सर्च इंजन में उसके विज्ञापन सबसे ऊपर दिखें, तो यह ट्रेडमार्क अधिनियम की धारा 29 (6) का उल्लंघन है।

जेईई एडवांस में बिहार के शुभम टॉपर

कोटा। जॉइंट एंट्रेंस एग्जाम यानी जेईई-एडवांस का रिजल्ट रविवार देर रात जारी हुआ। इसमें बिहार के शुभम कुमार टॉपर रहे। दूसरे नंबर पर दिल्ली के कबीर छिल्लर और तीसरे नंबर पर झुंझुनूं (राजस्थान) के जतिन चाहर रहे। टॉप-10 में रहे 6 स्टूडेंट्स ने राजस्थान के कोचिंग संस्थानों में पढ़ाई की। एजुकेशन एक्सपर्ट के मुताबिक परीक्षा में बैठने वाले कैंडिडेट्स में 31.65 प्रतिशत पास हुए। जेईई एडवांस में 1 लाख 79 हजार 694 स्टूडेंट्स शामिल हुए थे।

कुछ ना कहना

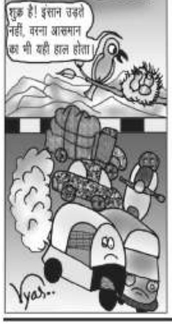

27 राज्यसभा सीटों और विधान परिषद चुनावों की अधिसूचना जारी

-18 जून को होगा मतदान, उसी दिन शाम को मतगणना

-नामांकन की अंतिम तिथि 8 जून

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने 27 राज्यसभा सीटों तथा तीन राज्यों की विधान परिषद सीटों के लिए चुनाव कार्यक्रम घोषित कर दिया है। आयोग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार सभी सीटों के लिए मतदान 18 जून को सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक होगा, जबकि मतगणना उसी दिन शाम 5 बजे से शुरू की जाएगी।

निर्वाचन आयोग के कार्यक्रम के मुताबिक नामांकन प्रक्रिया 1 जून से शुरू हो चुकी है। उम्मीदवार 8 जून तक अपने नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 9 जून को होगी, जबकि उम्मीदवार 11 जून तक अपना नाम वापस ले सकेंगे। तय कार्यक्रम अनुसार मतदान 18 जून सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक होगा और इसी दिन शाम बजे से मतगणना की जाएगी। आयोग के अनुसार, 10 राज्यों की 24 राज्यसभा सीटों पर द्विवार्षिक चुनाव कराए जाएंगे। इसके अलावा महाराष्ट्र, तमिलनाडु और उड़ीसा में राज्यसभा की रिक्त सीटों के लिए उपचुनाव भी होंगे। वहीं, बिहार में विधान परिषद की नौ सीटों के लिए द्विवार्षिक चुनाव और एक सीट के लिए उपचुनाव कराया जाएगा। इसके अलावा कर्नाटक में चार राज्यसभा और सात विधान परिषद सीटों पर भी मतदान होगा।

कर्नाटक में राज्यसभा की जिन चार सीटों पर चुनाव हो रहे हैं, उनमें भाजपा के इराना कडाड़ी और नारायण कोरगाप्पा, कांग्रेस के मल्लिकार्जुन खड़गे तथा जद(एस) के एचडी देवगोड़ा का कार्यकाल 25 जून को समाप्त हो रहा है। इसी तरह कर्नाटक विधान परिषद के सात सदस्यों का कार्यकाल 30 जून को पूरा हो रहा है, जिसके चलते इन सीटों पर भी चुनाव कराए जा रहे हैं।

झूठे मुकदमों पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता

पॉक्सो एक्ट का दुरुपयोग बर्दाश्त नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शादी और दूसरे व्यक्तिगत विवाद के मामले में यौन अपराध से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत दायर किए जा रहे झूठे और निराधार मामलों की बढ़ती संख्या पर चिंता जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट ने चेतावनी दी है कि आपराधिक कानून का ऐसा दुरुपयोग निर्दोष लोगों को बहुत कष्ट पहुंचाता है और न्याय की व्यवस्था पर बोझ भी डालता है। एक फैसले में कोर्ट ने पाया कि विवाह से जुड़े विवादों में पीओसीएसओ अधिनियम के तहत पति, विशेषकर बेटियों के पिता के खिलाफ आरोप लगाए जाने की संख्या बढ़ रही है।

सुप्रीम कोर्ट के अनुसार, ऐसी

शिकायतों का इस्तेमाल कभी-कभी वैवाहिक मुकदमों में फायदा लेने से ज्यादा आर्थिक मुआवजा हासिल करने के लिए किया जाता है। कई मामलों में तो विरोधी पक्ष को परेशान करने की भी मंशा होती है।

10 से ज्यादा मामले कोर्ट ने किए रद्द

जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुयान की पीठ ने पीओसीएसओ अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के रेप प्रावधानों के तहत पति और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ दायर 10 से ज्यादा आपराधिक मामलों को रद्द करते हुए ये टिप्पणियां कीं। पत्नी की शिकायत पर दायर किए गए मामलों में से एक में आरोप लगाया गया था कि उसकी 14 साल की बेटी का उसके पति और देवर ने रेप किया। पति के परिवार के दूसरे सदस्यों ने उसके साथ मारपीट की। कोर्ट ने इन मामलों को निराधार, मनगढ़ंत और भ्रामक पाया है। इसे खारिज करते हुए कोर्ट ने वैवाहिक मुकदमों में यौन उत्पीड़न के आरोप जोड़ने की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता जाहिर की।

राहुल गांधी के खिलाफ याचिका पर फैसला सुरक्षित

वाराणसी। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ दायर याचिका पर वाराणसी की एमपी-एमएलए अदालत ने सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रख लिया है। सोमवार को मामले की सुनवाई विशेष न्यायाधीश (एमपी-एमएलए) यजुर्वेद विक्रम सिंह की अदालत में हुई।

दरअसल याचिकाकर्ता अधिवक्ता हरीशंकर पाण्डेय ने आरोप लगाया है कि राहुल गांधी ने अमेरिका यात्रा के दौरान एक शैक्षणिक कार्यक्रम में भगवान राम को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।

फर्जी हस्ताक्षर मामले में टीएमसी का बड़ा एक्शन, दो विधायक निलंबित

निलंबित विधायक ने अभिषेक बनर्जी पर लगाए गंभीर आरोप

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने नेता प्रतिपक्ष के चुनाव से संबंधित प्रस्ताव में फर्जी हस्ताक्षरों के मामले में अपने दो विधायकों, ऋतोब्रत बनर्जी और संदीपन साहा को पार्टी से निलंबित किया है। यह फैसला प्रस्ताव में गड़बड़ी मिलने के बाद लिया गया है। बनर्जी उलुबेरिया पूर्व से और साहा एंटाली से टीएमसी के विधायक हैं। इस कार्रवाई के बाद साहा ने पार्टी के भीतर हुई कथित गड़बड़ियों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों की बैठक में मौजूदगी नहीं थी, उनके हस्ताक्षर प्रस्ताव में शामिल किए गए थे। उनके अनुसार, यह एक बड़ी गलती है और इस मामले की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। इतना ही नहीं निलंबित विधायक साहा ने पूरे विवाद में पार्टी के महासचिव और ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी का नाम घसीटते हुए कहा कि विधायकों की सूची पर उनके हस्ताक्षर थे, जिसमें कई गलतियां थीं। साहा ने कहा कि सूची की जांच और सत्यापन की जिम्मेदारी अभिषेक बनर्जी की थी, जिसमें वे सफल नहीं रहे। इस बीच, सुवेंदु अधिकारी ने दावा किया था कि टीएमसी विधायक साहा और ऋतोब्रत बनर्जी ने विधानसभा अध्यक्ष से शिकायत की थी कि नेता प्रतिपक्ष के चुनाव से संबंधित टीएमसी के प्रस्ताव में कई अनियमितताएं और गड़बड़ियां थीं। मौजूदा वक्त में बंगाल की राजनीति में उथल-पुथल मची हुई है। हाल ही में अभिषेक बनर्जी पर हमले के ठीक एक दिन बाद टीएमसी नेता कल्याण बनर्जी पर भी हमला हुआ था।

सुमन कल्याणपुर के निधन पर राष्ट्रपति ने जताया शोक

नई दिल्ली,। भारतीय संगीत जगत की प्रख्यात पार्श्व गायिका सुमन कल्याणपुर के निधन पर राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने गहरा शोक व्यक्त किया है। राष्ट्रपति ने कहा कि सुमन कल्याणपुर का निधन भारतीय कला और संगीत जगत के लिए अपूरणीय क्षति है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी अपने संदेश में कहा कि सुमन कल्याणपुर ने अपने मधुर और भावपूर्ण गायन से भारतीय संगीत को समृद्ध किया। उन्होंने हिंदी, मराठी सहित अनेक भारतीय भाषाओं में गीत गाकर श्रोताओं के दिलों में विशेष स्थान बनाया।

री-इवैल्यूएशन फीस पर सवाल उठाते हुए राहुल गांधी ने कहा

सीबीएसई के जेबकतरों से सावधान, उनकी गलती की कीमत छात्र चुका रहे

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को सीबीएसई की आंसरशीट जांच और री-इवैल्यूएशन प्रोसेस को लेकर केंद्र सरकार और बोर्ड पर सवाल खड़े किए। उन्होंने एक्स पोस्ट पर लिखा कि छात्रों को अपनी ही कॉपी की सही जांच कराने के लिए अतिरिक्त पैसे देने पड़ रहे हैं। अगर सीबीएसई की गलती से किसी छात्र के नंबर गलत आ जाते हैं तो उसका बोझ छात्रों और उनके परिवारों पर क्यों डाला जाता है।

उन्होंने लिखा कि डिजिटल स्कैन कॉपी पाने के लिए 100 प्रति विषय, री-टोटलिंग के लिए 100 प्रति पेपर और री-इवैल्यूएशन के लिए 25 प्रति सवाल शुल्क देना पड़ता है। अपनी ही आंसर सीट की सही जांच के लिए एक छात्र को 2000 तक खर्च करने पड़ सकते हैं। जब करीब चार लाख छात्रों ने ऐसे आवेदन दिए हैं, तब यह सवाल उठता है कि सीबीएसई इस प्रक्रिया से कितनी कमाई कर रहा है।

गलत मार्किंग की संभावना बढ़ जातीं

राहुल ने देश की शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए लिखा कि जब शिक्षा को सेवा की जगह कारोबार बना दिया जाता है, तब गलतियां सुधारी नहीं जातीं बल्कि बढ़ती जाती हैं। इसकी सबसे बड़ी कीमत बच्चों को अपने समय, आत्मविश्वास और भविष्य के रूप में चुकानी पड़ रही है।

ममता के गढ़ और रसूखदार नेताओं को हराने वालों को मिली सुवेंदु कैबिनेट में जगह

कोलकाता। सोमवार को पश्चिम बंगाल की सियासत में एक नया और बेहद महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ गया, जब मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने अपनी कैबिनेट का पहला विस्तार किया। कोलकाता के राजभवन में आयोजित भव्य शपथ ग्रहण समारोह में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के 35 विधायकों ने मंत्री पद की गोपनीयता की शपथ ली। राज्यपाल आर.एन. रवि ने सभी नए मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस विस्तार के साथ, सीएम सुवेंदु अधिकारी ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के गढ़ों को भेदने वाले अपने सबसे भरोसेमंद और आक्रामक चेहरों को सरकार की कमान सौंपी है, जो एक स्पष्ट संदेश है कि नई सरकार विकासोन्मुखी और मुखर रहेगी।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 164(1ए) के तहत, किसी भी राज्य में मुख्यमंत्री सहित मंत्रियों की कुल संख्या विधानसभा की कुल सदस्य संख्या के 15 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकती। इस संवैधानिक प्रावधान के अनुसार, पश्चिम बंगाल में अधिकतम 44 मंत्री हो सकते हैं। सोमवार को

35 मंत्रियों के शपथ ग्रहण के बाद, सुवेंदु कैबिनेट ने अब अपना महत्वपूर्ण आकार ले लिया है, जिसमें वरिष्ठ नेताओं के साथ-साथ युवा और स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्रियों (एमओएस) को भी प्राथमिकता दी गई है, जिसमें राजेश महता, इंद्रनील खान और मालती रावा रॉय जैसे नाम शामिल हैं। सुवेंदु कैबिनेट विस्तार की एक प्रमुख विशेषता यह है कि इसमें उन चेहरों को पुरस्कृत किया गया है जिन्होंने हाल के चुनावों में ममता की तृणमूल कांग्रेस के बड़े किलों और रसूखदार नेताओं को भारी अंतर से परास्त किया था। अर्जुन सिंह, तापस रॉय, स्वपन दासगुप्ता, शंकर घोष और पूर्व क्रिकेटर अशोक डिंडा जैसे कद्दावर नेताओं को कैबिनेट में जगह देकर मुख्यमंत्री सुवेंदु ने स्पष्ट किया है कि उनकी सरकार आक्रामक और लोक-केंद्रित एजेंडा पर चलेगी। यह फेरबदल न केवल प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने का प्रयास है, बल्कि भाजपा के जमीनी स्तर पर मजबूत पकड़ बनाने की रणनीति का भी हिस्सा है।

पुलिस कस्टडी में मौत मामले में डॉक्टर समेत तीन दोषी करार

वाराणसी। वाराणसी की विशेष भ्रष्टाचार निवारण अदालत ने 29 वर्ष पुराने चर्चित पुलिस कस्टडी मौत मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए दो सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों और एक चिकित्सक को दोषी करार दिया है। अदालत ने सभी दोषियों को कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार विशेष न्यायाधीश अमित कुमार तिवारी की अदालत ने सेवानिवृत्त दरोगा नरेंद्र प्रताप सिंह, राधेश्याम सिंह तथा पोस्टमार्टम करने वाले चिकित्सक डॉ. के.के. जैन को विभिन्न धाराओं में दोषी पाया। अदालत ने डॉ. जैन को पांच वर्ष के कठोर कारावास और 40 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई।

आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि तरूण ठाकरे पिता गणेश ठाकरे निवासी ग्राम वारा किरनापुर जिला बालाघाट द्वारा फ्लैमिंगो एजुकेशन एंड वैलफेयर सोसायटी किरनापुर के अध्यक्ष की हैसीयत से मेरे पक्षकार श्री मुकेश गोस्वामी पिता उम्मेद गिरी गोस्वामी, निवासी किरनापुर जिला बालाघाट के साथ ईगल माउन्टेशन इन्टरनेशनल स्कूल किरनापुर के लिए दिनाँक 19.11.2024 को भागीदारी का गठन किया गया है। यह भागीदारी आज भी अस्तित्व में है जिसका विघटन नहीं हुआ है और तरूण ठाकरे भागीदारी फर्म से रिटायर भी नहीं हुए हैं। भागीदारी में मेरे पक्षकार का 40 प्रतिशत अंश है और तरूण ठाकरे द्वारा भागीदारी विलेख की शर्तों का उल्लंघन करते हुए पिछले तीन वर्षों का मेरे पक्षकार को आय-व्यय का हिसाब नहीं दिया गया है और न ही लाभ की राशि अदा की है। भागीदारी विलेख की शर्त अनुसार तरूण ठाकरे भागीदारी अस्तित्व में रहते हुए मेरे पक्षकार की सहमति के बिना कोई मिलता जुलता व्यवसाय अर्थात् स्कूल का संचालन करने से विबंधित / वर्जित हैं। मेरे पक्षकार की सहमति और जानकारी के बिना तरूण ठाकरे द्वारा ईगल माउन्टेशन इन्टरनेशनल स्कूल किरनापुर के नाम से अपने भाई अरूण ठाकरे के भूमि बंधक पर 75 लाख रूपए का बंधक लोन लिया है और उस लोन की राशि का अपने भाई अरूण ठाकरे की भूमि पर स्कूल निर्माण के साथ साथ अपने निजी कार्यों के लिए भी उपयोग किया जा रहा है। मेरे पक्षकार की भागीदारी के अस्तित्व में रहते हुए तरूण ठाकरे को अन्य स्कूल संचालित करने का कानूनी अधिकार नहीं है। अतः सूचना हो कि कोई भी व्यक्ति इस सूचना के प्रकाशन के बाद तरूण ठाकरे के साथ फ्लैमिंगो एजुकेशन एंड वैलफेयर सोसायटी किरनापुर के अध्यक्ष की हैसीयत से या अन्यथा ईगल माउन्टेशन इन्टरनेशनल स्कूल किरनापुर के नाम से या किसी अन्य स्कूल के नाम से कोई भी भागीदारी निर्मित करने या अन्य कोई निकाय गठित करने या स्कूल संचालन के लिए कोई करार किसी भी रूप में करने से विरत रहें। यदि कोई भी व्यक्ति, इस सूचना के प्रकाशन के बाद भी ऐसा करता है तो ऐसा संव्यवहार / करार अवैधानिक और अनाधिकृत होकर मेरे पक्षकार के विरूद्ध बंधनकारी, प्रभावी और प्रवर्तनीय नहीं होगा और मेरे पक्षकार द्वारा कानूनी कार्यवाही में अभियोजित किया जाएगा।

पल्लवी पडवार, अधिवक्ता
(बालाघाट 8358001368)

नीट री-एग्जाम पेन-पेपर मोड में ही होगी

सुप्रीम कोर्ट बोला- एजेंसियां पहले से दबाव में हैं, अभी परीक्षा का तरीका बदलना संभव नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 21 जून को होने वाली नीट री-एग्जाम को कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट मोड में कराने की मांग मानने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई जुलाई में तय की है। इससे 21 जून को होने वाली परीक्षा फिलहाल पेन-पेपर मोड में ही होगी। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस अरविंद कुमार की बेंच आरएलडी सांसद सुधाकर सिंह की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिकाकर्ता के वकील ने नीट की दोबारा परीक्षा कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट मोड में कराने की मांग की।

देशभर में 3 मई को नीट-जी परीक्षा हुई थी। 7 मई की शाम पेपर लीक की खबर सामने आई थी। 12 मई को परीक्षा रद्द कर दी गई। 21 जून को री-एग्जाम होगा। याचिका में 4 बड़े बदलावों की मांग की गई है। एनटीए की जगह एक स्वतंत्र वैधानिक राष्ट्रीय परीक्षा प्राधिकरण बनाया जाए। इसके साथ ही पूर्व इसरो प्रमुख के राधाकृष्णन समिति की सिफारिशें लागू की जाए। बायोमेट्रिक सत्यापन, एआई आधारित निगरानी, एन्क्रिप्टेड डिजिटल प्रश्नपत्र प्रणाली और प्रश्नपत्रों को डिजिटल रूप से सुरक्षित रखने जैसे उपाय अपनाए जाए। नीट को पूरी तरह कंप्यूटर आधारित परीक्षा बनाने के लिए रोडमैप तैयार किया जाए। साथ ही परीक्षा केंद्रों के ढांचे, साइबर सुरक्षा और डिजिटल परीक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जाए पेपर लीक मामले की सीबीआई जांच की स्थिति रिपोर्ट अदालत में पेश की जाए। साथ ही परीक्षा परिणाम केंद्रवार सार्वजनिक करने का सुझाव दिया गया है, ताकि किसी भी तरह की अनियमितता की पहचान की जा सके।

संसदीय समिति में एनटीए की जगह नई संस्था का प्रस्ताव

इधर संसद की शिक्षा, महिला, बाल, युवा एवं खेल मामलों की स्थायी समिति की बैठक सोमवार को हुई। बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह ने की। इसमें नीट परीक्षा, एनटीए और पेन-पेपर बनाम सीबीटी मोड पर चर्चा हुई। यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट ने समिति ने कहा कि नीट से जुड़े सवाल केवल परीक्षा के तरीके तक सीमित नहीं हैं, बल्कि पारदर्शिता, जवाबदेही और परीक्षा कराने वाली एजेंसी की विश्वसनीयता से भी जुड़े हैं। संगठन ने एनटीए को भंग कर संसद के कानून के तहत नई राष्ट्रीय परीक्षा संस्था बनाने की मांग की। यूडीएफ ने यह भी कहा कि नीट-यूजी 2026 पेपर लीक की जांच को 2024 की परीक्षा से जुड़े विवादों के साथ जोड़कर देखा जाना चाहिए। संगठन ने पूरे मामले की समयबद्ध और पारदर्शी जांच की मांग की।

करोड़ों की नल जल योजना नही बुझा पा रही प्यास

2 दिनों से 4 वार्डो को नही मिल रहा पानी

बूंद-बूंद पानी को तरस रहे वार्डवासी

वार्ड नं 19,20,21 और 22 का मामला, फूटी पाइपलाइन बनी मुसीबत, सीएमओ बोले- सुधार कार्य जारी,जल्द होंगी पानी की सप्लाई

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

एक ओर शासन प्रशासन द्वारा घर-घर नल-घर घर जल का वादा कर नगरी क्षेत्र के लोगों को 24 घंटे पेयजल उपलब्ध कराए जाने का दावा किया जा रहा है तो वहीं दूसरी ओर बालाघाट नगर पालिका, क्षेत्र के कुछ हिस्से में एक वक्त का पानी भी उपलब्ध नहीं करा पा रही है और नगरी क्षेत्र के कुछ लोग बूंद-बूंद पानी को तरस रहे हैं कहने को तो नगरपालिका में दो-दो नल योजना संचालित है लेकिन करोड़ों रुपए की दोनों नल जल योजना भी पानी की पूर्ति नहीं कर पा रही है और लोगों को पीने के पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है ताजा मामला नगर पालिका क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले वार्ड नंबर 19, 20,21 और 22 का है।जहा पानी सप्लाई पाइपलाइन फूटने के चलते सिंधी मोहल्ला, चर्च गली, सोंगापथ, और कृष्णा दूध डेयरी वाले वार्डो में पानी की सप्लाई नही हो रही है और लोग पीने के पानी के लिए पिछले 2 दिनों से इधर उधर भटकते नजर आ रहे है।

फूटी पाइपलाइन बनी मुसीबत, आवागमन भी अवरुद्ध

बताया जा रहा है कि सर्किट हाउस रोड़ दमाहे डेयरी के सामने बनी पुलिया के पास से, पाइप लाइन फूट गई है,जिससे पिछले 2 दिनों से इन 4 वार्डो में पानी की सप्लाई नही हो पा रही है।जिससे वार्ड वासी बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं जहां 2 दिन बीत जाने पर भी नगर पालिका द्वारा पेयजल की व्यवस्था नहीं की गई है, ना ही टेंकरो से पानी पहुचाया जा रहा है।जिससे वार्डवासियों को पानी नही मिल पा रहा है।हालांकि नपा द्वारा फाल्ट को सुधारने का कार्य शुरु कर दिया गया है लेकिन खबर लिखे जाने तक कार्य पूर्ण नही हो पाया था।फूटी पाइपलाइन को सुधारने के लिए कर्मचारियों द्वारा बीच सड़क में बहुत बड़ा गड्डा खोदा गया है, वही सड़क मार्ग से यातायात बंद कर सुधार कार्य किया जा रहा है।जिससे इस मार्ग से आवागमन भी अवरुद्ध हो चुका है।

नल में पानी नही आता, फिर भी टैक्स आता है

नगरी क्षेत्र में रहने वाले लोगों को मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति करना नगर पालिका की जिम्मेदारी है लेकिन सभी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति करना तो दूर की बात नगरपालिका यहां के बाशिंदों को पीने तक का पानी ठीक से मुहैया नहीं करा पा रही है।वार्ड वासी बताते हैं कि नगर पालिका ने पाइप लाइन बिछाकर घर घर नल कनेक्शन तो दे दिए हैं लेकिन उन कनेक्शनों में पानी की सप्लाई नहीं की जा रही है जहां वार्ड के ज्यादातर घरों में नल तो है लेकिन उस नल में जल नहीं आता और बिना पानी दिए ही प्रतिवर्ष वार्डवासियों से जल कर वसूला जा रहा है।हालांकि कई वार्डवासियों को पाइपलाइन फूटने की जानकारी ही नही है।

2 दिनों से हो रहे परेशान, नही हुआ समस्या का निदान

वार्डवासियों ने बताया कि उनके वार्ड में पिछले दो दिनों से पानी की समस्या है।पहले पुरानी लाइन से भरपूर मात्रा में पानी दिया जाता था लेकिन उसे नगर पालिका द्वारा बंद कर दिया गया है। वही नई पाइपलाइन से पानी की सप्लाई की जा रही है जो पर्याप्त नहीं है और ना ही उसका पानी फोर्स में दिया जा रहा है।जिसके चलते यहां रहने वाले लोगों को पीने के पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है।अभी 2 दिनों से कुछ भी पानी नही मिला है।

कुआं और बोर वालों के घरों से ला रहे पानी

वार्डवासियों के मुताबिक उनके वार्ड में दो दिनों से पानी की किल्लत बनी हुई है।महज कुछ देर के लिए काफी कम मात्रा में पानी दिया गया था जो फोर्स में नहीं था। इसीलिए अधिकांश लोग कुआं मोटर और बोरवेल वालों के घरों पर निर्भर है। जहां से वे पानी लाकर अपनी प्यास बुझा रहे हैं। तो वही निस्तार के लिए पानी भी दूसरों के घरों से लाना पड़ रहा है।बताया जा रहा है कि यदि मोटर पंप वाले पानी देने से मना कर दें तो पीने तक का पानी उन्हें नहीं मिल पाएगा।

घर मे एक बूंद पानी नही है- राजकुमार

चर्चा के दौरान वार्ड नंबर 21 निवासी राजकुमार ने बताया कि कल से पानी नहीं आ रहा है घर में एक बूंद पानी नहीं है।पार्षद को 2-3 बार फोन लगा चुके है,वो भी सिर्फ आश्वासन पर आश्वासन दे रहे हैं।उन्होंने बताया कि अभी गर्मी का सीजन चल रहा है कुलर में भी पानी लगता है।हम लोग जिनके घर मे बोर है उनसे पानी लेकर काम चला रहे हैं।हमारी मांग है नगर पालिका ने दोनो समय भरपूर पानी की सप्लाई करनी चाहिए।

कही सुनवाई नही हो रही है- पीयूष

वही वार्ड नं 19 निवासी पीयूष तिवारी ने बताया कि पानी की बहुत समस्या चल रही है नल में पानी नहीं आ रहा है, गर्मी का समय है पानी के लिए बहुत परेशानी हो रही है।पार्षद के साथ साथ नगर पालिका में फोन लगाकर बोले, पर कही कोई सुनवाई नही हो रही है।किसी ने बताया है कि पाइपलाइन फूट गई है, जिसे अभी तक नही बनाया गया है।

2 दिन से पानी के लिए परेशान है-भागवत

वार्डवासी भागवत प्रसाद ने बताया कि पिछले दो दिनों से पानी की समस्या चल रही है ,सुबह के वक्त थोड़ा सा पानी आया था,फिर चला गया, पानी सप्लाई ठीक से नही की जा रही है।थोड़ी देर के लिए पानी आया था लेकिन उसमे भी फोर्स नही था।हम पानी भरने गए तो नल बंद हो गया।पिछले 2दिनों से वार्डवासी परेशान है।

सुधारकार्य जारी है, जल्द शुरू होगी पानी सप्लाई- सूर्यप्रकाश उइके

इस पूरे मामले को लेकर की गई औपचारिक चर्चा के दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्य प्रकाश उइके ने बताया कि पाइप फूट जाने की वजह से पानी की थोड़ी समस्या आ रही है,कर्मचारी भेजकर सुधार कार्य कराया जा रहा है काफी हद तक पाइप सुधारने का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।कर्मचारी लगातार इस कार्य में जुटे हुए हैं संभवत शाम तक या रात तक पानी सप्लाई शुरू कर दी जाएगी।

कांग्रेस ने स्थगित किया मुख्यमंत्री का पुतला दहन कार्यक्रम,जीतू पटवारी के निर्देश के बाद लिया गया निर्णय

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 31 मई कांग्रेस नेता राहुल गांधी एवं मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के खिलाफ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा की गई कथित अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में 1 जून को प्रस्तावित मुख्यमंत्री का पुतला दहन कार्यक्रम कांग्रेस द्वारा स्थगित कर दिया गया है। प्रदेश नेतृत्व के निर्देश के बाद स्थानीय संगठन ने यह निर्णय लिया है। शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्याम पंजवानी ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पुतला दहन का कार्यक्रम फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष ने सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से अपील की है कि मुख्यमंत्री की बयानबाजी का विरोध लोकतांत्रिक और संगठनात्मक तरीके से किया जाए तथा पुतला दहन जैसे कार्यक्रमों से बचा जाए। गौरतलब है कि कांग्रेस द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कथित बयान के विरोध में 1 जून को दोपहर 1:30 बजे कांग्रेस कार्यालय में एकत्रित होकर विरोध प्रदर्शन एवं पुतला दहन कार्यक्रम आयोजित किया जाना था। इस संबंध में संगठन के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को पूर्व में सूचना भी दी जा चुकी थी तथा कार्यक्रम की तैयारियां भी प्रारंभ हो गई थीं। हालांकि प्रदेश नेतृत्व से प्राप्त निर्देशों के बाद स्थानीय कांग्रेस संगठन ने प्रस्तावित कार्यक्रम को स्थगित करने का निर्णय लिया। इसके बाद कार्यकर्ताओं को भी इसकी जानकारी दे दी गई है। शहर कांग्रेस अध्यक्ष श्याम पंजवानी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास रखती है और भविष्य में भी जनहित एवं राजनीतिक मुद्दों पर अपनी बात लोकतांत्रिक तरीके से उठाती रहेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी मुख्यमंत्री की टिप्पणी का विरोध करती है, लेकिन प्रदेश नेतृत्व के निर्णय का सम्मान करते हुए पुतला दहन कार्यक्रम को स्थगित किया गया है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि पार्टी अपने विचारों और विरोध को संगठनात्मक एवं संवैधानिक तरीकों से जनता के बीच रखती रहेगी। प्रदेश नेतृत्व के आगामी निर्देशों के अनुसार आगे की रणनीति तय की जाएगी। फिलहाल कांग्रेस कार्यकर्ताओं को प्रदेश नेतृत्व के निर्देशों का पालन करने और संगठन की एकजुटता बनाए रखने का संदेश दिया गया है। पार्टी ने स्पष्ट किया है कि विरोध के स्वर जारी रहेंगे, लेकिन उनका स्वरूप प्रदेश संगठन की रणनीति के अनुरूप तय किया जाएगा।

भाजपा झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ कार्यकर्ता संवाद बैठक 3 जून को

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भाजपा झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ जिला कार्यकर्ता संवाद बैठक कार्यक्रम के प्रभारी चंद्रकांत जायसवाल ने जानकारी देते हुये बताया कि भाजपा जिला अध्यक्ष व पूर्व मंत्री रामकिशोर नानो कावरे के अनुमति अनुसार से भाजपा झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ जिला बालाघाट की आवश्यक बैठक कार्यकर्ता संवाद बैठक के रूप में 03 जून, दिन बुधवार की दोपहर 12 पंडित दीनदयाल उपाध्याय जिला भाजपा कार्यालय बालाघाट में आहुत की गई हैं।कार्यक्रम भाजपा झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ जिला संयोजक अजय कुमार सुखदेवे की उपस्थिति में बैठक आयोजित होंगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक डॉ. अखिलेश खंडेलवाल, अतिथि के रूप में भाजपा झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ. राजकुमार मालवीय एवं प्रदेश सह संयोजक दीपक नाहर उपस्थिति रहेगें, जिसमें भाजपा झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के जिला एवं मंडल पदाधिकारी सहित कार्यकर्ता अपेक्षित रहेंगे।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं लोकेश कुमार पिता श्री होलीराम आशापुरे, आयु 36 वयस्क, निवासी-वार्ड नं 10 हिरापुर भरवेली जिला बालाघाट, म.प्र. हूँ। परन्तु मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम त्रुटिवश लोकेश आशापुरे पिता श्री होलीराम आशापुरे (LOKESH ASHAPURE S/O HOLIRAM ASHAPURE) अंकित हो गया है जो कि गलत है। मेरा वास्तविक सही नाम लोकेश कुमार पिता श्री होलीराम आशापुरे (LOKESH KUMAR S/O HOLI-RAM ASHAPURE) है जो कि मेरे 10वीं अंकसूची, एवं शैक्षणिक दस्तावेजों में दर्ज होने से प्रमाणित है, जो कि मैं अपने आधार कार्ड में दर्ज करवाना चाहता हूँ।

प्रकाशन उपरांत मेरा नाम लोकेश कुमार पिता श्री होलीराम आशापुरे (LOKESH KUMAR S/O HOLIRAM ASHAPURE) के नाम से जाना पहचाना व पढ़ा जावे।

आवेदक
लोकेश कुमार पिता श्री होलीराम आशापुरे
निवासी-वार्ड नं 10 हिरापुर भरवेली
जिला बालाघाट, म.प्र. 481102

नाम परिवर्तन सूचना

मैं पुष्पेन्द्र राहंगडाले पिता श्री मनिराम राहंगडाले, आयु 34 वर्ष, निवासी- वार्ड नं 07 सिंघई पोस्ट डोरा तहसील परसवाडा जिला बालाघाट, म.प्र. का निवासी हूँ। मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम त्रुटिवश मोनू राहंगडाले पिता श्री मनिराम राहंगडाले (MONU RAHANGDALE S/O MANIRAM RAHANGDALE) अंकित हो गया है जो कि गलत है। मेरा वास्तविक सही नाम पुष्पेन्द्र राहंगडाले पिता श्री मनिराम राहंगडाले (PUSHPENDRA RAHANGDALE S/O MANIRAM RAHANGDALE) है जो कि मेरे 10वीं अंकसूची, एवं शैक्षणिक दस्तावेजों में दर्ज होने से प्रमाणित है, जो कि मैं अपने आधार कार्ड में दर्ज करवाना चाहता हूँ।

प्रकाशन उपरांत मेरा नाम पुष्पेन्द्र राहंगडाले पिता श्री मनिराम राहंगडाले (PUSHPENDRA RAHANGDALE S/O MANIRAM RAHANGDALE) के नाम से जाना पहचाना व पढ़ा जावे।

आवेदक
पुष्पेन्द्र राहंगडाले पिता श्री मनिराम राहंगडाले
निवासी-वार्ड नं 07 सिंघई पोस्ट डोरा तहसील परसवाडा
जिला बालाघाट, म.प्र.481105

आईपीएल में आरसीबी की जीत का खेल प्रेमियों ने मनाया जश्न

क्रिकेट फैंस झूमे, आरसीबी के झंडे लहराए, आसमान में आतिशबाजी कर मनाई खुशी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पूरे देश के साथ-साथ बालाघाट नगर में भी आईपीएल का खुमार देखने को मिला।जहा आईपीएल फाइनल में रॉयल चैलेंर्स बैंगलोर ने गुजरात टाईटंस को पराजित कर खिताब अपने नाम किया। टीम की शानदार जीत के बाद बालाघाट में क्रिकेट प्रेमियों के बीच जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।शहर के हनुमान चौक में बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी एकत्रित हुए। हनुमान चौक पर लगाई गई एलईडी वॉल पर

क्रिकेट प्रेमियों ने फाइनल मुकाबले का रोमांचक मैच देखा। जैसे ही आरसीबी ने जीत दर्ज की, क्रिकेट फैंस में खुशी की लहर दौड़ गई।युवाओं ने आतिशबाजी कर, ढोल-नगाड़ों की थाप पर नृत्य करते हुए और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत का जश्न मनाया। कई क्रिकेट प्रशंसक आरसीबी के झंडे और टीम की जर्सी पहनकर सड़कों पर निकले तथा आरसीबी-आरसीबी के नारे लगाए। क्रिकेट प्रेमियों ने बताया कि टीम के खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया और फाइनल मुकाबले में भी बेहतरीन खेल का प्रदर्शन कर जीत हासिल की।आरसीबी की इस जीत से जिले के क्रिकेट प्रशंसकों में खासा उत्साह देखने को मिला और देर रात तक जश्न का दौर जारी रहा।ज्ञात हो कि आईपीएल के 19 वें संस्करण का फाईनल मैच, अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेला गया था। जिसमें पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात टाईटंस की शुरूआत खराब रही और टीम महज 155 रन बनाए। जीत के लिए आरसीबी को 156 रन बनाने थे। आरसीबी के प्लेयर विराट कोहली ने 18 वें ओवर की आखिरी गेंद पर सिक्स लगाकर टीम को जीत दिला दी। इस तरह आरसीबी ने आईपीएल का खिताब लगातारी दूसरी बार जीता। जिसपर बालाघाट के युवाओं ने जमकर जश्न मनाया।

कॉम्प्लेक्स की दीवार गिरने पर नपा सख्त, इंजीनियर को जारी किया कारण बताओ नोटिस

तूफान के बाद सामने आई निर्माण गुणवत्ता की शिकायतें, मामले की जांच शुरू

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के कालीपुतली चौक स्थित हनुमान मंदिर के पीछे नगर पालिका द्वारा निर्मित नेताजी सुभाषचंद्र बोस कॉम्प्लेक्स की दीवार हाल ही में आए तेज तूफान के दौरान गिर जाने के बाद मामला चर्चा का विषय बन गया है। घटना के बाद निर्माण कार्य की गुणवत्ता और निर्माण एजेंसी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे थे। अब नगर पालिका प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है। नगर पालिका के प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश उके ने कॉम्प्लेक्स निर्माण कार्य की निगरानी कर रहे संबंधित इंजीनियर को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नोटिस में दीवार गिरने के कारणों, निर्माण कार्य की गुणवत्ता तथा तकनीकी पहलुओं को लेकर जवाब मांगा गया है। गौरतलब है कि हाल ही में आए तेज आंधी-तूफान के दौरान कॉम्प्लेक्स की एक दीवार क्षतिग्रस्त होकर गिर गई थी। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए जांच की मांग की थी। लोगों का कहना था कि यदि निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप हुआ होता तो इतनी जल्दी दीवार क्षतिग्रस्त नहीं होती। नगर पालिका प्रशासन का कहना है कि मामले की जांच कराई जा रही है और यदि निर्माण कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही या गुणवत्ता में कमी पाई जाती है तो संबंधित जिम्मेदारों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। वहीं नोटिस जारी होने के बाद अब सभी की नजर इंजीनियर के जवाब और जांच रिपोर्ट पर टिकी हुई है।

शहर के वार्ड क्रमांक-22 स्थित कालीपुतली चौक में हनुमान मंदिर के पीछे नगर पालिका द्वारा निर्मित किए जा रहे नेताजी सुभाष चंद्र बोस कॉम्प्लेक्स की निर्माण गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। बीते दिनों आए तेज आंधी-तूफान के दौरान कॉम्प्लेक्स की हनुमान मंदिर की ओर स्थित एक दीवार अचानक भरभराकर गिर गई, जबकि अन्य हिस्सों की दीवारों में भी लंबी-लंबी दरारें दिखाई देने लगीं। घटना के बाद यह मामला सोशल मीडिया से लेकर आमजन के बीच चर्चा का विषय बन गया और निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर कई तरह के सवाल उठने लगे। जानकारी के अनुसार नगर पालिका ने कुछ वर्ष पूर्व इस व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स का निर्माण प्रारंभ कराया था। पहले इसके भूतल (ग्राउंड फ्लोर) का निर्माण किया गया और वहां कई दुकानों का आवंटन भी कर दिया गया। इसके बाद भवन के प्रथम तल के निर्माण का कार्य जारी था। इसी दौरान आए आंधी-तूफान में भवन की एक दीवार गिर गई, जिससे निर्माण कार्य की मजबूती और गुणवत्ता को लेकर लोगों में चिंता बढ़ गई। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि सामान्य आंधी-तूफान में ही भवन की दीवार गिर जाती है और अन्य हिस्सों में दरारें आ जाती हैं, तो यह सीधे तौर पर निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़ा करता है। लोगों का कहना है कि यदि भविष्य में ऐसी कोई दीवार नीचे मौजूद दुकानदारों या राहगीरों पर गिर जाती, तो बड़ा हादसा हो सकता था। सूत्रों के अनुसार इस निर्माण कार्य को सत्ताधारी दल से जुड़े हाल ही में नियुक्त एक एल्डरमैन से संबद्ध ठेकेदार द्वारा कराया जा रहा है। ऐसे में निर्माण कार्य में गुणवत्ता से समझौता किए जाने की चर्चाएं भी सामने आ रही हैं। हालांकि इस संबंध में आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन घटना के बाद लोगों ने निर्माण एजेंसी और निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठाना शुरू कर दिया है। मामले के तूल पकड़ने के बाद नगर पालिका प्रशासन ने भी संज्ञान लिया है। प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश उके ने दूरभाष पर चर्चा के दौरान बताया कि उन्हें भी कॉम्प्लेक्स की दीवार गिरने और अन्य हिस्सों में दरारें आने की जानकारी प्राप्त हुई थी। इसके बाद उन्होंने तत्काल संबंधित निर्माण कार्य की निगरानी कर रहे इंजीनियर को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। उन्होंने बताया कि नगर पालिका के जिन निर्माण कार्यों की निगरानी विभागीय इंजीनियरों और सुपरवाइजरों द्वारा की जाती है, उनकी जवाबदेही भी तय की जाएगी। नगर पालिका के निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी संबंधित इंजीनियरों एवं पर्यवेक्षकों की होती है। ऐसे में यदि किसी प्रकार की लापरवाही सामने आती है तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। प्रभारी सीएमओ ने कहा कि पूरे मामले की जांच कराई जा रही है और यह पता लगाया जाएगा कि निर्माण कार्य में कहीं गुणवत्ता संबंधी कमी तो नहीं बरती गई। जांच रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

आंगन में खेल रही 2 वर्षीय मासूम पर लावारिस कुत्ते ने किया हमला

घायल बालिका जिला अस्पताल में भर्ती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भोरगढ़ में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। आंगन में खेल रही 2 वर्षीय मासूम बालिका पर एक लावारिस कुत्ते ने अचानक हमला कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल बालिका तान्या पिता राजकुमार लिल्हारे को तत्काल जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम भोरगढ़ निवासी राजकुमार लिल्हारे अपने परिवार के साथ खेती किसानी का कार्य करते हैं। उनके दो बच्चों में तान्या लिल्हारे 2 वर्ष सबसे छोटी है। 1 जून की दोपहर 1 बजे करीब जब परिवार के लोग घरेलू कार्यों में व्यस्त थे। इसी दौरान तान्या खेलते-खेलते घर के आंगन में पहुंच गई।उसी समय वहां घूम रहे एक लावारिस कुत्ते ने अचानक मासूम तान्या पर हमला कर दिया। कुत्ते ने तान्या के चेहरे पर हमला करते हुए उसके गाल और होंठ को बुरी तरह काट लिया। हमले के बाद तान्या जोर जोर से रोने और चिल्लाने लगी। उसकी आवाज सुनकर परिजन तुरंत पहुंचे। लेकिन तब तक कुत्ता वहां से भाग चुका था। घटना के बाद परिजनों ने बिना समय गंवाए घायल बच्ची तान्या को जिला अस्पताल बालाघाट लेकर पहुंचे।जहां उसका उपचार किया जा रहा है।

आवश्यकता है
10वीं/12वीं या पदवीधर/आई.टी.आई. की यश एलईडी टेक्नोलॉजी प्रा. लिमिटेड कम्पनी नागपुर में इंटरव्यू के लिये।
-संपर्क करें-
शिव प्रसाद परिहार
9823234770
9823020378

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
—निर्माता—
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोनः- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

मानसिक रूप से अस्वस्थ वृद्धा का शव झाडियों में मिला- चार दिन से थी लापता छोटा बाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के वार्ड क्रमांक 13 स्थित बूढ़ी गंगानगर क्षेत्र में पीएम आवास के समीप झाड़ियों के बीच एक अज्ञात वृद्धा का शव बरामद होने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। बाद में वृद्धा की पहचान छोटी बाई उपवंशी पति स्वर्गीय गंगाराम उपवंशी 71 वर्ष ग्राम आंवलाझरी थाना भरवेली के रूप में की गई। कोतवाली पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है तथा मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार छोटी बाई उपवंशी पिछले चार दिनों से अपने घर से लापता थीं। वह शारीरिक रूप से कमजोर होने

के साथ-साथ मानसिक रूप से भी अस्वस्थ बताई जा रही थीं। उनके परिवार में एक पुत्र और दो पुत्रियां हैं, जिनका विवाह हो चुका है। पुत्र खेती-किसानी करता है तथा उसके भी दो पुत्र और दो पुत्रियां हैं।परिजनों ने बताया कि छोटी बाई की मानसिक स्थिति ठीक नहीं रहती थी और वह अक्सर घर से निकल जाया करती थीं। 28 मई की रात उन्होंने परिवार के साथ भोजन किया और सो गईं। लेकिन रात में जब परिजन उठे तब छोटी बाई अपने बिस्तर पर नहीं दिखी । परिजनों ने उनकी काफी तलाश किये, लेकिन उसका कोई पता नहीं मिलने पर भरवेली थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी।1 जून की दोपहर सूचना मिली कि बूढ़ी गंगानगर क्षेत्र में पीएम आवास के पास झाड़ियों से घिरे खुले स्थान पर एक महिला का शव पड़ा हुआ है। जिसे जानवरों द्वारा नोच लिया गया था। सूचना मिलते ही कोतवाली से सहायक उपनिरीक्षक सुनील पंचाले अपने स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे। इसी दौरान छोटी बाई के परिजन भी वहां पहुंच गए और उन्होंने कपड़े से शव की पहचान छोटी बाई उपवंशी के नाम से की।सहायक उपनिरीक्षक श्री पंचाले ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। पोस्टमार्टम उपरांत शव परिजनों को सौंप दिया गया।प्राथमिक जांच में वृद्धा की मृत्यु शारीरिक दुर्बलता, मानसिक अस्वस्थता, भीषण गर्मी तथा भूख-प्यास के कारण होने की संभावना व्यक्त की गई है। सहायक उप निरीक्षक श्री पंचाले ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

भटेरा ओवरब्रिज के लिए बनाए जा रहे डायवर्ट मार्ग की गुणवत्ता पर उठे सवाल

पार्षद प्रतिनिधि सोहेल खान ने लगाए गंभीर आरोप, बोले- सड़क चौड़ी नहीं हुई तो जाम की स्थिति होगी निर्मित, नगर पालिका अध्यक्ष और सीएमओ ने किया निरीक्षण, सेतु विभाग ने कहा- यह मार्ग केवल हल्के यातायात के लिए

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

भटेरा रेलवे क्रॉसिंग पर निर्माणाधीन रेल ओवरब्रिज के दौरान यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए वार्ड क्रमांक-3 से बोदा पाड़न होते हुए बनाए जा रहे परिवर्तित मार्ग को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। वार्ड क्रमांक-3 के पार्षद प्रतिनिधि सोहेल खान ने सेतु विभाग और निर्माण एजेंसी पर गंभीर आरोप लगाते हुए निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाए हैं। सोहेल खान का कहना है कि उनके वार्ड में जल निकासी व्यवस्था के लिए मंगवाए गए सीमेंट पाइपों में से लगभग पांच पाइप निर्माण एजेंसी द्वारा उपयोग कर लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि वैकल्पिक मार्ग का निर्माण भी मानकों के अनुरूप नहीं किया जा रहा है।मार्ग की चौड़ाई इतनी कम रखी गई है कि भविष्य में यातायात शुरू होने पर वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। उनके अनुसार दो चारपहिया वाहन एक साथ मार्ग से नहीं गुजर पाएंगे और न ही आसानी से क्रॉसिंग कर सकेंगे। पार्षद प्रतिनिधि ने यह भी आरोप लगाया कि मार्ग के किनारे बनाई जा रही नालियां खुली छोड़ी जा रही हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में कई तकनीकी खामियां दिखाई दे रही हैं, लेकिन बार-बार शिकायत और जानकारी देने के बावजूद संबंधित विभाग और निर्माण एजेंसी ध्यान नहीं दे रही है।

भटेरा रेलवे क्रॉसिंग पर निर्माणाधीन ओवरब्रिज के कार्य के दौरान यातायात संचालन के लिए बनाए जा रहे वैकल्पिक मार्ग को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े होने लगे हैं। वार्ड क्रमांक 3 से गुजरने वाले इस परिवर्तित मार्ग की गुणवत्ता, चौड़ाई और सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने नाराजगी जताई है। पार्षद प्रतिनिधि सोहेल खान ने सेतु विभाग और निर्माण एजेंसी पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए कहा है कि यदि समय रहते मार्ग को व्यवस्थित नहीं किया गया तो ओवरब्रिज निर्माण के दौरान यातायात व्यवस्था प्रभावित होगी और क्षेत्र में जाम जैसी स्थिति निर्मित हो सकती है। गौरतलब है कि इससे पूर्व भी पार्षद प्रतिनिधि सोहेल खान द्वारा सेतु विभाग पर गुणवत्ता युक्त कार्य नहीं किए जाने को लेकर सवाल उठाए गए थे। उनके आरोपों के बाद विभागीय अधिकारियों ने क्षेत्र का दौरा भी किया था। वहीं बालाघाट एसडीएम ने भी कुछ समय पहले निरीक्षण के दौरान माना था कि परिवर्तित मार्ग में अभी और कार्य किए जाने की आवश्यकता है। जानकारी के अनुसार भटेरा रेलवे क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज निर्माण का कार्य तेजी से चल रहा है। निर्माण के दौरान रेलवे क्रॉसिंग पर यातायात प्रभावित होने की स्थिति में भारी वाहनों सहित अन्य यातायात को वैकल्पिक मार्ग से डायवर्ट किए जाने की योजना है। लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्तमान में जिस मार्ग को तैयार किया जा रहा है, उसकी स्थिति भारी यातायात के अनुकूल नहीं है। पार्षद प्रतिनिधि सोहेल खान ने बताया कि वार्ड क्रमांक 3 में कई स्थानों पर नालियां अभी भी खुली हुई हैं। सड़क का पर्याप्त चौड़ीकरण नहीं किया गया है और स्थिति ऐसी है कि वर्तमान में दो बड़े वाहन आमने-सामने आने पर आसानी से क्रॉस तक नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि जब इस मार्ग से भारी ट्रैफिक डायवर्ट किया जाएगा तो निश्चित रूप से क्षेत्र में जाम और अव्यवस्था की स्थिति बनेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्होंने कई बार विभागीय अधिकारियों से खुली नालियों को ढंकने, सड़क चौड़ी करने और मार्ग को यातायात के अनुरूप विकसित करने की मांग की थी, लेकिन निर्माण एजेंसी केवल औपचारिकता निभाते हुए कार्य कर रही है। उनका कहना है कि स्थानीय समस्याओं और जनसुविधाओं को नजरअंदाज किया जा रहा है। सोहेल खान ने एक और गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने अपने वार्ड में जल निकासी व्यवस्था के लिए सीमेंट के पांच पाइप रखवाए थे, जिनकी कीमत हजारों रुपये थी। आरोप है कि निर्माण कार्य कर रही एजेंसी द्वारा उन पाइपों का उपयोग कर लिया गया। उन्होंने कहा कि इस विषय की जानकारी भी विभागीय अधिकारियों को दी गई है और मामले की जांच होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि उन्होंने स्वयं नगर पालिका अध्यक्ष और मुख्य नगर पालिका अधिकारी को भी क्षेत्र की वास्तविक स्थिति से अवगत कराया था। इसके बाद 1 जून को नगर पालिका अध्यक्ष और मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने मौके का निरीक्षण किया और संबंधित विभागों से चर्चा की। निरीक्षण के दौरान क्षेत्र की समस्याओं को देखते हुए जल्द आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने की बात कही गई है। पार्षद प्रतिनिधि का कहना है कि जब तक वार्ड क्रमांक 3 से गुजरने वाले इस वैकल्पिक मार्ग का चौड़ीकरण नहीं किया जाता, तब तक यहां से यातायात का सुचारू संचालन संभव नहीं होगा। उन्होंने कहा कि विभाग को अभी से छोटी-छोटी तकनीकी और व्यावहारिक समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए, ताकि भविष्य में नागरिकों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

अनावश्यक चिंता करने की आवश्यकता नहीं है - अर्जुनसिंह

इस पूरे मामले में सेतु विभाग के एसडीओ अर्जुन सिंह सनोडिया ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि यदि किसी व्यक्ति के पाइप किसी ठेकेदार अथवा अन्य व्यक्ति द्वारा लिए गए हैं तो संबंधित व्यक्ति को इसकी शिकायत करनी चाहिए, क्योंकि उस मामले में विभाग सीधे तौर पर कुछ नहीं कह सकता। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जिस मार्ग का निर्माण किया जा रहा है, वह भारी वाहनों के लिए नहीं बल्कि हल्के यातायात और सामान्य आवागमन को ध्यान में रखकर विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि फिलहाल लोगों को अनावश्यक चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। यदि भविष्य में किसी प्रकार की समस्या सामने आती है तो उसका समाधान भी निकाला जाएगा।

गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करें सरकार, मुस्लिम समाज ने सौपा ज्ञापन

मुस्लिम जागृति मंच ने गौ हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध की करी मांग

कहा- बीफ एक्सपोर्ट भी बंद करे सरकार, चमड़े से बनने वाले उत्पादों पर भी लगाए रोक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। केवल सनातन धर्म ही नही बल्कि अब मुस्लिम धर्म के लोग भी पूरे देश मे गौ हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग कर रहे है देश भर के मुस्लिमो द्वारा गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग सरकार से की जा रही है जिसका एक नजारा सोमवार की शाम बालाघाट नगर में भी देखने को मिला, जहां मुस्लिम समाज के लोगो ने अपनी इस प्रमुख मांग को लेकर कलेक्टर मृणाल मीना से मुलाकात कर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री मोहन यादव के नाम एक ज्ञापन सौपा है मुस्लिम जागृति मंच के माध्यम से सौंपे गए इस ज्ञापन में उन्होंने गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने के साथ साथ, पुरे देश मे गौ हत्या पर बैन लगाने, और देश भर के कत्लखानों में ताला जड़कर, विदेशों में किए जाने वाले बीफ एक्सपोर्ट को भी तत्काल प्रभाव से बंद करने की मांग की है इतना ही नही मुस्लिम जागृति मंच द्वारा चमड़े से बनने वाले सभी उत्पादों पर भी पूर्ण प्रतिबंध लगाने की गुहार लगाई है उक्त मांग को लेकर सौंपे गए ज्ञापन के दौरान युनूस खान, रियाज अली, वकील साहब,अंसार अहमद खान, रशीद खान, रफी अंसारी, रहीम भाई, कादर फखरुद्दीन, शाहबाज खान, सोहेल खान, एजाज खान, सरफराज खान, इमरान कुरैशी, अनीस बेग वारासिवनी,अनीश मेंमन,सहित अन्य सामाजिक बंधु प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

गौहत्या को लेकर समाज के 2 हिस्सों में रहता है तनाव, लगाई जाए रोक

पीएम के नाम ,मुस्लिम समाज द्वारा सौंपे गए इस ज्ञापन में इस बात का उल्लेख किया गया कि आपने अनेकों नए-नए फैसलों से पिछले 12 सालों में देश को चौकाया है।वर्तमान समय में हमारे देश में अनेकों जगह गाय को लेकर मॉब लिंचिंग एवं अन्य लड़ाई झगड़ा यहां तक की हत्या के अनेकों प्रकरण समाचार पत्रों सहित न्यूज़ चैनल सहित मंजरे आम पर सर्व विदित है। जिससे समाज के दो हिस्सों में हमेशा तनाव बना रहता है। यह बात भी सही है कि इस मुल्क में मुस्लिम आबादी गौवंश का मांस भोजन के रूप में सेवन करती है इसके अलावा ईसाई समुदाय दलित समुदाय का एक बड़ा वर्ग, व पूर्वोत्तर के राज्य दक्षिण का केरल ,बंगाल एवं गोवा सहित अन्य प्रदेशों में भी भोजन के रूप में गौवंश का मांस इस्तेमाल किया जाता है और यह बात भी सत्य है की सनातन धर्म के मुताबिक गाय को इस देश में पूजा जाता है।अधिकतर लोग गाय को माता के नाम से भी पुकारते हैं ऐसी स्थिति में यह रोज-रोज के विवाद को देश के हित में खत्म किया जाना नितांत आवश्यक है। ताकि देश में शांति और सदभाव बना रहे।

विदेशों में बीफ निर्यात पर भी लगाए रोक,चमड़े से उत्पादों पर भी लगे पूर्ण प्रतिबंध

ज्ञापन में इस बात का भी उल्लेख किया गया कि देश का संपूर्ण मुसलमान ये तय कर चुका है कि ना तो मुसलमान गाय का गोश्त खाएगा ना कुर्बानी देगा और ना ही भारत सरकार गौवंश की हत्या करें, ना विदेश में इसका मांस भेजकर मोटा मुनाफा कमाए। बल्कि गाय के खाल से बनने वाले प्रत्येक प्रोडक्ट पर भी प्रतिबंध लगा दे। जिससे हमारे सनातन धर्म को मानने वाले हिंदू भाइयों की आस्था को ठेस ना पहुंच सके।

इसी सत्र में लाया जाए विधेयक, गौवंश हत्या पर बने कठोर कानून

मुस्लिम जागृति मंच की मांग है कि लोकसभा के वर्षाकालीन इसी सत्र में गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने के लिए एक विधेयक लाकर कानून पारित करवाए।साथ ही कानून में गौवंश की हत्या चाहे कोई भी व्यक्ति करें मुस्लिम हो गैर मुस्लिम या संस्थान हो उसके लिए सजा का प्रावधान करें । गौवंश से बनने वाले जितने प्रोडक्ट हैं पैर में पहनने वाला जूता, कमर में लटकाने वाला बेल्ट, घड़ीयों के बेल्ट, महिलाओं के पर्स/ बेगस, कारखाने में लगने वाला गौवंश की हड्डियों का पाउडर/ प्रयोग आदि हर चीज पर प्रतिबंध कर देना चाहिए। ताकि हमारी गौ माता के चमड़े का भी इस्तेमाल पैर में पहन कर अपमान न कर सके।हमें पूरा विश्वास है कि प्रधानमंत्री इसी सत्र में इस महत्वपूर्ण विधेयक को लाने का कष्ट सनातन धर्म के 80 प्रतिशत लोगों के सम्मान के लिए जरूर करेंगे।इसके पारित हो जाने से इस देश की 14 प्रतिशत मुसलमानों की आबादी आभारी रहेगी।

देश में अमन चैन शांति के लिए यह बहुत जरूरी है

चर्चा के दौरान मो.यूनुस खान,उर्फ पप्पा भाई और अंसार अहमद उर्फ नन्हे भाई ने संयुक्त रूप से बताया कि आज हमने मुस्लिम समाज की तरफ से मुस्लिम जागृति मंच के माध्यम से सीएम और पीएम के नाम ज्ञापन सौपा है जिसमें गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग की है। क्योंकि गाय को देश में 80 प्रतिशत आबादी गौ माता के रूप में मानती है,वह उनके लिए पूजनीय है। हमारे देश में गौवंश को लेकर आए दिन दंगा फसाद होते रहते हैं उसमें मुस्लिम वर्ग अक्सर निशाने पर आता है, इसीलिए देश भर के मुसलमानों ने गौ हत्या पर प्रतिबंध लगाने के साथ-साथ गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग की है। भारत सरकार से हमारी मांग है कि इसी वर्षाकालीन लोकसभा सत्र में संपूर्ण गौवंश हत्या पर प्रतिबंध लगाना चाहिए, वही एक कठोर कानून बनना चाहिए ताकि गौवंश हत्या पूर्ण तरीके से रुक जाए इसके साथ ही देश से, विदेश में जो बीफ की सप्लाई की जा रही है वह भी तत्काल बंद की जाए, वहीं इसके चमड़े से बनने वाले सभी उत्पादों पर प्रतिबंध लगाना चाहिए ताकि दोनों समाज के बीच कभी तनाव उत्पन्न ना हो और देश में अमन चैन शांति बनी रहे।

एंबुलेंस कर्मी पर मरीज ने लगाया 400 रु लेने का आरोप

जिला अस्पताल की जगह पहुचाया निजी अस्पताल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रदेश शासन द्वारा मरीज के बेहतर उपचार के लिए चलाई जा रही निःशुल्क 108 जननी एक्सप्रेस योजना के तहत,एंबुलेंस चालक द्वारा मरीज से पैसे वसूलने का एक ताजा मामला सामने आया है जहां बैहर निवासी एक मरीज ने बैहर अस्पताल से संबंधित एंबुलेंस चालक पर जिला अस्पताल लाने के लिए 400 लेने का आरोप लगाया है। मरीज का आरोप है कि एंबुलेंस चालक ने बैहर से जिला अस्पताल लाते समय गांगुलपारा घाटी के पास वाहन रोककर परिवहन व्यवस्था के नाम पर हजार रुपए की मांग कि, नहीं देने पर रास्ते में वाहन से उतारने की धमकी दी गई, जहां 400रु वसूलने के बाद उसे बालाघाट लाकर जिला अस्पताल पहुंचाने की जगह निजी अस्पताल पहुंचा दिया,जहां उपचार कराने में उसे अधिक खर्च आ गया।जिसकी लिखित शिकायत मरीज द्वारा बैहर बीएमओ से की गई है जहां मरीज से मिली इस लिखित शिकायत पर बैहर बीएमओ ने मामले की जानकारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को देते हुए प्राप्त शिकायत जिला मुख्यालय पहुंचा दी गई है।जिसके आधार पर सीएचएमओ द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

1000 रु मांगे, नही देने पर बीच रास्ते मे उतार दिया मरीज

एंबुलेंस कर्मी प्रियंका भार्षत पर एक मरीज ने चार सौ रुपये लेने के गंभीर आरोप लगाया है। इस मामले की शिकायत मरीज ने बैहर बीएमओ डा. अनंत लिल्हारे से कर जांच की मांग की गई है। शिकायत में मरीज संतलाल मरकाम वार्ड नंबर 14 पुराना बैहर बारापत्थर तहसील बैहर निवासी ने बताया कि वह किसी दुर्घटना में घायल हो गया है। जिससे उसके पैर में गंभीर चोटें आई है। 10 मई को वह सिविल अस्पताल बैहर में इलाज करवाने गया था। वहां चिकित्सक ने इलाज के बाद जिला अस्पताल जाने की सलाह दी गई।इस बीच चलित वाहन 108 जननी एक्सप्रेस वाहन क्रमांक सीजी 04 एनसी 8089 से शासकीय जिला अस्पताल जाने के लिए बैठा था। इस बीच बैहर से बालाघाट के बीच गांगुलपारा घाटी के बंजारी के नीचे पहुंचते ही वहां पर प्रियंका भार्षत ने एंबुलेंस रूकवा दी और एंबुलेंस में कार्यरत कर्मचारी प्रियंका पिता प्रकाश भार्षत ने उससे वाहन किराया 1000 रुपये की मांग की गई। इस दौरान उसने कहा कि इतने पैसे नहीं है। जिससे सभी को एंबुलेंस

से नीचे उतार दिया। दुर्घटना के कारण वह चल फिर नहीं सकता था, इसके लिए उसने बड़े मुश्किल से चार सौ रुपये प्रियंका भार्षत को दिए, तब जाकर उसने वाहन में बैठने दिया और जिला मुख्यालय लेकर आया।

जिला अस्पताल लाकर, उपचार के लिए पहुँचा दिया निजी अस्पताल

शिकायतकर्ता द्वारा की गई इस लिखित शिकायत में यह भी बताया गया कि,जिला अस्पताल पहुंचने के बाद उसने एक निजी अस्पताल की एंबुलेंस बुलवाकर मरीज को सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाने की बजाय उस एंबुलेंस में बैठाकर निजी अस्पताल में भर्ती करवाने भिजवा दिया। ऐसे में मरीज को निजी अस्पताल में भर्ती होना पड़ा और अधिक पैसे चुकाने पड़ गए। जिससे उसकी और आर्थिक हालत खराब हो गई। प्रियंका भार्षत पर आरोप है कि चार-पांच बार ऐसा मरीजों के साथ की है, लेकिन किसी ने लिखित शिकायत नहीं किए थे। अब एक मरीज ने हिम्मत दिखाकर शिकायत कर कार्रवाई करने की मांग की है।

जिला स्तर से होंगी जाँच- लिल्हारे

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान बैहर अस्पताल बीएमओ डा. अनंत लिल्हारे ने बताया कि इस मामले की हमारे पास लिखित शिकायत आई थीं। जिसकी जांच करवाने के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बालाघाट को प्रेषित कर दिए है। आगामी जांच वहीं से की जाएगी।

थ्रेसर का कचरा घर में आने से मना किया तो पिता-पुत्रों ने महिला से की मारपीट- दी जान से मारने की धमकी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना क्षेत्र के ग्राम रोशना में थ्रेसर मशीन से उड़ रहे कचरे और धूल को लेकर हुए विवाद में पड़ोसी पिता-पुत्र ने 55 वर्षीय महिला को बेरहमी से मारपीट घायल कर दिये। आरोपियों ने महिला को जान से मारने की धमकी भी दी। ग्रामीण पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अनन्दा नगपुरे पति स्व. नंदकिशोर नगपुरे, उम्र 55 वर्ष घरेलू काम करती हैं। उनके घर के सामने ही दीनदयाल नगपुरे अपने परिवार के साथ रहते हैं। 1 जून को सुबह करीब 6:00 बजे दीनदयाल नगपुरे अपने आंगन में थ्रेसर मशीन से धान की मिसाई कर रहे थे। मशीन से निकल रहा कचरा और धूल सीधे अनन्दा के घर की तरफ जा रहा था। अनन्दा ने दीनदयाल से थ्रेसर मशीन दूसरी जगह लगाने को कहा। अनन्दा के इतना कहते ही दीनदयाल नगपुरे आगबबूला हो गया। वह अपने दो बेटे केमेश नगपुरे और योगेश नगपुरे के साथ अनन्दा के घर के सामने पहुंचा और अश्लील गालियां देने लगा। अनन्दा ने जब गाली देने से मना किया तो तीनों ने मिलकर उसके साथ हाथ-मुक्कों से बेरहमीपूर्वक मारपीट शुरू कर दी। पिटाई से अनन्दा आंगन में ही गिर गई और वह घायल हो गई। शोर सुनकर पहुंचे पड़ोसियों ने बीच बचाव कर मामला शांत कराया। आरोप है कि बीच-बचाव के बाद भी दीनदयाल और उसके बेटों ने अनन्दा को धमकाया कि दोबारा थ्रेसर चलाने से मना करने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी।घटना के बाद अनन्दा ने अपने बेटे हेमेंद्र नगपुरे को फोन कर बुलाया। बेटे के साथ वह ग्रामीण थाना पहुंची और पूरी घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई।ग्रामीण थाना पुलिस ने घायल अनन्दा का मेडिकल मुलाहिजा जिला अस्पताल में कराया। अनन्दा की शिकायत पर पुलिस ने दीनदयाल नगपुरे, केमेश नगपुरे और योगेश नगपुरे के खिलाफ अश्लील गालियां देने, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में अपराध दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

लालबर्रा से अमोली पहुंच मार्ग का कल्वर्ट पुलिया निर्माण कार्य बना परेशानियों का सबब

कछुआ गति से कार्य होने से ग्रामीणों, राहगीरों और व्यापारियों में भारी आक्रोश, तीव्र गति से निर्माण करवाने की उठी मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से अमोली-समनापुर पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य 90 प्रतिशत पूर्ण होने के बाद पानी निकासी के लिए श्वेताम्बर जैन मंदिर के आगे कल्वर्ट पुलिया का निर्माण किया जा रहा है। लेकिन यह कार्य कछुआ गति से होने एवं विगत दिवस से निर्माण एजेंसी ने काम बंद कर दिया है। इस तरह से कल्वर्ट पुलिया का अधूरा पड़ा निर्माण कार्य इन दिनों स्थानीय नागरिकों और राहगीरों के लिए बड़ी मुसीबत बन चुका है। निर्माण एजेंसी द्वारा 8 दिनों से काम बंद कर आधा-अधूरा छोड़ दिये जाने के कारण इस व्यस्त मार्ग पर आवागमन पूरी तरह से प्रभावित हो रहा है। एजेंसी की इस घोर लापरवाही को लेकर क्षेत्र के ग्रामीणों और स्थानीय व्यापारियों में शासन-प्रशासन के प्रति भारी रोष व्याप्त है। जबकि एक सप्ताह के अंदर कार्य पूर्ण हो जाना चाहिए था लेकिन इस कार्य को शुरू हुए करीब एक माह होने लगे है, किन्तु अब तक पूर्ण नही हो पाया है। ऐसी स्थिति में इस मार्ग से आवागमन पूरी तरह से बंद है और लोग थाने के पीछे व बड़ी मस्जिद होते हुए संकरे मार्गों से आवागमन करते है। लेकिन थाने के पीछे वाला मार्ग कच्चा होने के कारण खराब होने लगी है।

साथ ही इन मार्गों पर बार-बार जाम लगने से हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। इस तरह से निर्माण कंपनी एवं प्रशासन की उदासीनता के चलते लालबर्रा से अमोली 600 मीटर सड़क के साथ ही कल्वर्ट पुलिया का निर्माण कार्य पुर्ण नही हो पा रहा है जिससे लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

महीनों पहले शुरू हुआ था काम, अब तक नही हुआ पूरा

उल्लेखनीय है कि लालबर्रा से अमोली-समनापुर को जोड़ने वाले इस मुख्य मार्ग पर कुछ माह पूर्व नाली और कल्वर्ट (पुलिया) निर्माण का कार्य बड़े जोर-शोर से प्रारंभ किया गया था। शुरुआत में तो काम की गति ठीक रही, लेकिन विगत कई दिनों से निर्माण एजेंसी ने अचानक काम बंद कर दिया। वर्तमान में मौके से मशीनें और मजदूर नदारद हैं और निर्माण कार्य जस का तस अधूरा पड़ा हुआ है, जिससे लोगों में आक्रोश व्याप्त है। वहीं स्थानीय नागरिकों ने बताया कि यह मार्ग क्षेत्र का एक बेहद व्यस्त और प्रमुख मार्ग है, इस मार्ग से रोजाना सैकड़ों की संख्या में छोटे-बड़े वाहनों का आना-जाना होता है, लेकिन सड़क का अधुरा निर्माण एवं पुलिया निर्माण कार्य ठप पड़ा हुआ है। जिस कारण से स्थानीय व्यापारियों का व्यापार ठप हो चुका है एवं आवागमन करने वालों को भी बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं वर्तमान में जिस मार्गों से आवागमन कर रहे है यह एक सघन रहवासी इलाका है, इसलिए स्थानीय बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को अपने घरों से बाहर निकलने और पैदल चलने में भी हादसों का डर सता रहा है। वहीं कच्चे मार्ग पर धूल के गुब्बार से सांस लेना मुश्किल हो गया है और निर्माण एजेंसी काम बंद कर गायब है। क्षेत्र के आक्रोशित नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने शासन-प्रशासन से लापरवाह निर्माण एजेंसी के खिलाफ तत्काल दंडात्मक कार्यवाही करने, जनहित को ध्यान में रखते हुए इस अधूरे निर्माण कार्य को युध्दस्तर पर शुरू करवाकर जल्द से जल्द पूर्ण करवाने की मांग की है।

ताकि क्षेत्र की आवागमन व्यवस्था पुन: सुचारू रूप से हो सके। वहीं एमपीआरडीसी विभाग के अधिकारी मुकेश बेले से दूरभाष पर लालबर्रा से अमोली-समनापुर पहुंच मार्ग के कल्वर्ट पुलिया निर्माण कार्य जो बंद है उसे जल्द प्रारंभ कर युध्द स्तर पर कार्य पूर्ण करवाने के संबंध में चर्चा करने का प्रयास किया गया किन्तु संपर्क नही हो पाया।

कछुआ गति से हो रहा निर्माण कार्य - इमरान

इमरान खान ने बताया कि लालबर्रा से अमोली-समनापुर पहुंच मार्ग का कार्य पूर्णत: की ओ रहा है किन्तु कल्वर्ट पुलिया का कार्य निर्माण एजेंसी के द्वारा बेहद कछुआ गति किया जा रहा है। जबकि कुछ दिनों बाद ही बरसात का सीजन प्रारंभ हो जायेगा और बारिश के पहले यदि निर्माण नहीं हुआ तो लोगों को आवागमन करने में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। श्री खान ने बताया कि निर्माण कार्य जारी होने के कारण इस मार्ग से आवागमन पूरी तरह से बंद है, बायपास मार्ग से क्षेत्रीयजन आवागमन करते है। लेकिन मार्ग कच्चा होने एवं रात्रि में अंधेरा रहने के कारण और बार-बार जाम की स्थिति निर्मित होने से हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है इसलिए प्रशासन से मांग है कि तीव्र गति से पुलिया का निर्माण करवाये।

अधुरे कार्य को जल्द पूरा करवाये प्रशासन - बसंत

बसंत गोलछा ने बताया कि कल्वर्ट पुलिया का नियमित रूप से निर्माण कार्य नहीं किया जा रहा है, कुछ दिन काम करने के बाद बंद कर दिया जाता है। जिसके कारण एक सप्ताह में तैयार होने वाले पुलिया अब तक पूरा नही हो पाया है। साथ ही पुलिया व सड़क निर्माण नही होने से आवागमन में बेहद परेशानियां होने के साथ ही व्यापार भी प्रवाहित हो रहा है। श्री गोलछा ने बताया कि निर्माण एजेंसी एवं प्रशासन की उदासीनता के कारण निर्माण कार्य प्रभावित हो रहा है, प्रशासन को सक्रियता से निर्माण एजेंसी से सामने रहकर काम करवाना होगा। तभी निर्माण कर पूर्ण हो सकता है अन्यथा यह अधूरा ही रह जायेगा। प्रशासन से मांग है कि अधुरे कार्य को जल्द पूरा करवाये।

कांग्रेसियों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के बयान की निंदा करते हुए सार्वजनिक रूप से प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी से माफी मांगने की मांग की

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी को लेकर दिये गये विवादित बयान पर सियासत पूरी तरह गरमा गई है। 1 जून को शाम 5 बजे ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा के बैनर तले लालबर्रा विश्राम गृह में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एक प्रेसवार्ता का आयोजन कर मुख्यमंत्री और भाजपा सरकार पर तीखा प्रहार किया। कांग्रेसियों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष के खिलाफ इस्तेमाल किये गये अपशब्दों को बेहद निंदनीय बताते हुए इसे भाजपा की मानसिकता और उसके संस्कारों की वास्तविक तस्वीर करार दिया है। वही प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेताओं ने कहा कि वर्तमान में भाजपा सरकार जनता के बुनियादी सवालों, बढ़ती बेरोजगारी, कमरतोड़ महंगाई और बदहाल कानून-व्यवस्था जैसे गंभीर मुद्दों पर पूरी तरह से घिर चुकी है। इन ज्वलंत मुद्दों पर जवाब देने और प्रदेश की जनता को राहत पहुंचाने के बजाय प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अब निचले स्तर की बयानबाजी पर उतर आये है। कांग्रेसियों ने कहा कि मुख्यमंत्री का यह बयान उनकी राजनीतिक असहजता और बौखलाहट का परिचायक है, जो अब जनता के सामने पूरी तरह उजागर हो चुकी है। सभी कांग्रेसियों ने मुख्यमंत्री के इस बयान की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए मांग की है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सार्वजनिक तौर पर प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी से माफी मांगें, नही तो सड़क पर उतरकर आंदोलन किया जायेगा। साथ ही कांग्रेसियों ने कहा कि कांग्रेस महात्मा गांधी की विचारधारा पर चलने वाली पार्टी है, इसलिए अभी हम शांतिपूर्वक विरोध दर्ज कर रहे हैं। लेकिन यदि मुख्यमंत्री ने अपने अमर्यादित बयान पर सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगी, तो पूरे प्रदेश सहित स्थानीय स्तर पर कांग्रेस पार्टी द्वारा उग्र आंदोलन किया जायेगा। इस अवसर पर कांग्रेस जिला महासचिव अनिल शर्मा, सचिव भाऊराम गाड़ेश्वर, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मनीराम भोयर, पूर्व उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र ढांडे, नगर अध्यक्ष अमीनुद्दीन हंफी, युवक कांग्रेस अध्यक्ष अंकित पिपलोद, जिला पिछड़ा वर्ग अध्यक्ष मनीष कुशवाहा, सरपंच प्रतिनिधि ओमप्रकाश बिसेन, दीपक तोमर और रोहित साखला सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसीगण उपस्थित रहे।

प्रदेशाध्यक्ष ने हमेशा जनहित के मुद्दों को उठाया है

जिला कांग्रेस कमेटी महासचिव अनिल शर्मा ने बताया कि एक गरिमापूर्ण पद में बैठा व्यक्ति, प्रदेश का मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा कांग्रेस पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष एवं कांग्रेस पार्टी के बारे में जो बोला गया है जिसका हम सभी कांग्रेसी निंदा करते हैं,उन्हे अपने पद की गरिमा बनाई रखनी चाहिए। मुख्यमंत्री जी के इस तरह के व्यवहार पर खिसियाई बिल्ली खंबा नोचे वाली कहावत चरितार्थ होती नजर आ रही है। श्री शर्मा ने बताया कि भाजपा सरकार योजनाओं के संचालन में असफल है, अनेकों भ्रष्टाचार उनके द्वारा किये जा रहे हैं जिस जगह पर मुख्यमंती जी बैठे हैं। उस जगह से ही भ्रष्टाचार की शुरूआत होती है। हम गांधीवादी विचारधारा के लोग हैं, हमारा उद्देश्य देश में अमन, चैन, प्रेम बांटना है नफरत फैलाना नहीं है। ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मनीराम भोयर ने बताया कि प्रदेश के मुखिया जिस तरह से कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष को दो कौड़ी का अध्यक्ष जैसे अशोभनीय शब्दों से संबोधित किया है यह एक निंदनीय कृत है। बड़े पद पर बैठे व्यक्ति को इस तरह की भाषा का उपयोग करना शोभा नहीं देता है, वह सत्ता के नशे में चूर हो चुके हैं और अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए इस तरह की बयानबाजी कर रहे हैं। वे महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार पर नियंत्रित करने में नाकाम रहे हैं और इन सभी मुद्दों को कांग्रेस पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष उठा रहे हैं। सरकार की नाकामियों को जनता के सामने ला रहे हैं जिससे वे आक्रोशित हो गये हैं। श्री भोयर ने बताया कि हम अपनी विपक्ष की भूमिका निरंतर निभाते रहेंगे, जनता के हक की लड़ाई लड़ते रहेंगे, कांग्रेस गांधीवादी विचारधारा की पार्टी है और यही वजह है कि हमारे प्रदेश अध्यक्ष ने सभी कार्यकर्ताओं को किसी तरह का धरना प्रदर्शन करने से मना किया है इसलिए शांतिपूर्वक घटना की निंदा कर रहे है। पिछड़ा वर्ग कांग्रेस जिलाध्यक्ष मनीष कुशवाहा ने बताया कि भाजपा अपने आप को एक शब्द एवं संस्कारी पार्टी होना स्वीकार करती है परंतु उनके प्रदेश के मुखिया डॉ. मोहन यादव के द्वारा कांग्रेस पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी के खिलाफ अमर्यादित भाषा प्रयोग कर भाजपा के चाल, चरित्र और चेहरे को उजागर कर रहा है। जबकि जीतू पटवारी के द्वारा हमेशा जनहित के मुद्दों को उठाया गया है उनके द्वारा व्यापम घोटाला, किसानों के हित की लड़ाई, नीट के पेपर घोटाला सहित विभिन्न भाजपा की कुकर्मो को उजागर किया है, उनका विरोध किया है। उनके द्वारा हमेशा युवा बेरोजगार, दलित एवं किसानों के हित में आवाज उठाई गई है। सरकार का विरोध किया है ऐसे जन नेता के विरूध्द प्रदेश के मुखिया के द्वारा अशोभनीय टिप्पणी करना निंदनीय कृत्य है। जिसकी हम सभी निंदा करते हैं और हमारी मांग है कि प्रदेश के मुखिया डॉ. मोहन यादव सार्वजनिक रूप से कांग्रेस पार्टी एवं प्रदेश अध्यक्ष से माफी मांगे।

आवासटोला (बम्हनी) में तेंदुए का आतंक, बकरे का किया शिकार, ग्रामीणों में दहशत

वैनगंगा नदी पोटियापाट धाम के समीप की घटना, वन विभाग से मुआवजा देने और तेंदुए को पकड़ने की उठी मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी दूर ग्राम बम्हनी के आगे मध्यप्रदेश राज्य वन विकास निगम लामता परियोजना परिक्षेत्र लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले आवासटोला में तेंदुए की दस्तक से हड़कंप मचा हुआ है। वैनगंगा नदी पोटियापाट धाम के समीप बसे इस टोले में सोमवार की शाम करीब 6 बजे एक तेंदुए ने गांव के नजदीक पहुंचकर एक बकरे को अपना शिकार बना लिया। बताया जा रहा है कि तेंदुए ने तीन दिन पूर्व भी एक बकरी पर हमला किया था। लगातार हो रहे इन हमलों से ग्रामीणजन दहशत में जी रहे हैं। सोमवार को हुए तेंदुए के हमले में बकरे की मौत हो जाने से पशुपालक रामप्रसाद मारवाड़े को करीब 15 हजार रूपये का नुकसान हुआ है। ग्रामीणजनों ने वन विभाग से गश्त कर वन्यप्राणी तेंदुए को पकड़कर घने जंगल में सुरक्षित छोड़ने की मांग की है।

कृषि कार्य प्रभावित, अकेले जाने से डर रहे लोग

वैनगंगा नदी के किनारे जंगल से लगे आवासटोला (बम्हनी), डोरली सहित आस-पास के अन्य ग्रामों में पिछले कुछ दिनों से लगातार तेंदुआ देखा जा रहा है। वह लगातार मवेशियों को अपना निशाना बना रहा है, जिससे ग्रामीणों में यह डर बन गया है कि तेंदुआ किसी इंसान पर भी हमला कर सकता है। तेंदुआ दिखाई देने के बाद से ग्रामीणों ने अकेले खेत और नदी की ओर जाना बंद कर दिया है, जिससे उनका कृषि कार्य भी बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणजनों ने पीड़ित मवेशी मालिक रामप्रसाद मारवाड़े को उचित मुआवजा दिलवाने, रात्रि गश्त करने, आतंक का पर्याय बने तेंदुए को जल्द से जल्द पिंजरा लगाकर पकड़कर सुरक्षित घने जंगल में छोड़ने की मांग वन विभाग से की हैं।

तेंदुए को पकड़कर सुरक्षित जंगल में छोड़े वन विभाग - ढबाले

बम्हनी सरपंच बीआर ढबाले ने बताया कि आवासटोला (बम्हनी) वैनगंगा नदी पोटियापाट के समीप स्थित हैं जो जंगल से लगा हुआ है। लेकिन गत दिवस से तेंदुआ ग्राम के समीप दिखाई दे रहा है और तीन दिन पूर्व एक बकरी को घायल कर दिया था और सोमवार की शाम में एक बकरे का शिकार कर दिया है। इस घटना के बाद से ग्रामीणजन दहशत में है, जिसकी जानकारी वन विभाग को दे दी गई है। श्री ढबाले ने बताया कि आवासटोला, डोरली सहित जंगल से लगे ग्रामों में तेंदुआ दिखाई दे रहा है जिससे ग्रामीणजन परेशान है और वहां मवेशियों का शिकार कर रहा है, किसी भी समय इंसानों पर भी हमला कर सकता हैं। वर्तमान में खेतों में कृषि कार्य जारी है, लोग अकेले जाने से डर रहे है, वन विभाग से मांग है कि गश्त कर वन्यप्राणी तेंदुए को पकड़कर सुरक्षित घने जंगल में छोड़े एवं पशुपालक को मुआवजा दिलवाये।

इनका कहना है-

आवासटोला (बम्हनी) में शाम के समय तेंदुए ने बकरे का शिकार कर दिया है, जिसकी जानकारी मिली है, मंगलवार को घटना स्थल पहुंचकर आवश्यक कार्यवाही की जायेगी और ग्रामीणजनों से भी अपील है कि वे अकेले जंगल की ओर न जाये।

विजय कुमरे
रेंजर
वन विकास निगम लामता परियोजना
परिक्षेत्र लालबर्रा

पांढरवानी अखिल भारतीय गढ़वाल समाज मंडल अध्यक्ष का चुनाव 7 को

देवेन्द्र बनवाले ने लिया नामांकन वापस, अध्यक्ष पद की दौड़ में अब केवल जगन्नाथ (शरद) धानेश्वर

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। अखिल भारतीय गढ़वाल समाज मंडल पांढ़रवानी (लालबर्रा) के आगामी मंडल अध्यक्ष निर्वाचन में नया मोड़ आ गया है। अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल करने वाले दो प्रत्याशियों में से एक प्रत्याशी द्वारा नामांकन वापस लेने के बाद अब अध्यक्ष पद के लिए केवल एक ही उम्मीदवार मैदान में शेष रह गया है। वहीं अध्यक्ष पद का चुनाव 7 जून को संपन्न होगा। चर्चा में अखिल भारतीय गढ़वाल समाज मंडल पांढरवानी के पदाधिकारी नारायणप्रसाद बनवाले एवं पियूष ब्रम्हे ने संयुक्त रूप से बताया कि गत 26 मई को पनबिहरी सभामंच में आयोजित मंडल की सामूहिक बैठक में सर्वसम्मति से आगामी 7 जून को अध्यक्ष पद का निर्वाचन मतदान प्रक्रिया के माध्यम से करवाने का निर्णय लिया गया था। बैठक में लिये गये निर्णयों एवं निर्वाचन कार्यक्रम की जानकारी समाजजनों को विभिन्न माध्यमों से उपलब्ध करवाई गई थी। आगे बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 30 मई को तहसील रोड स्थित बनवाले निवास पर अध्यक्ष पद हेतु नामांकन प्रक्रिया संपन्न हुई। जिसमें जगन्नाथ (शरद) धानेश्वर औल्याकन्हार एवं देवेन्द्र बनवाले छोटी पनबिहरी लालबर्रा शामिल थे। निर्वाचन कार्यक्रम के तहत नामांकन वापसी के लिए दो दिवस का समय निर्धारित किया गया था। इसी क्रम में 1 जून को दोपहर करीब 2 बजे देवेन्द्र बनवाले ने लिखित आवेदन प्रस्तुत कर अध्यक्ष पद हेतु अपना नामांकन वापस ले लिया है। साथ ही यह भी बताया कि नामांकन वापसी की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद अब अध्यक्ष पद के लिए जगन्नाथ (शरद) धानेश्वर एकमात्र प्रत्याशी के रूप में शेष रह गये हैं। समाज के संविधान एवं निर्धारित निर्वाचन नियमों के अनुरूप आगामी आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण कर निर्वाचन संबंधी संपूर्ण कार्यवाही की प्रतिलिपि महासभा अध्यक्ष एवं महासभा सचिव को प्रेषित की जायेगी।

पूर्व जिला पंचायत सदस्य पप्पू पटेल के बगीचे में छिपाकर रखी ५० ट्रॉली अवैध रेत ज़ब्त

पैरा बिछाकर छिपाया था रेत का अवैध स्टॉक, खनिज व पुलिस विभाग ने की कार्यवाही

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन और भंडारण पर अंकुश लगाने के लिए प्रशासनिक अमला लगातार सख्त रुख अपनाए हुए है। इसी कड़ी में १ जून को वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत महदोली में खनिज, राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने एक बड़ी छापामार कार्यवाही को अंजाम दिया। टीम ने पूर्व जिला पंचायत सदस्य ज्ञानप्रकाश उर्फ पप्पू पटेल के आम के बगीचे से भारी मात्रा में अवैध रेत का डंप बरामद कर उसे ज़ब्त कर लिया है।

वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में हुई संयुक्त कार्यवाही

प्राप्त जानकारी के अनुसार खनिज विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को लगातार शिकायत मिल रही थी कि महदोली ग्राम में बड़े पैमाने पर रेत का अवैध भंडारण किया गया है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में एक संयुक्त टीम का गठन किया गया। इस टीम में नायब तहसीलदार सुरेश उपाध्याय और खनिज निरीक्षक सुरेश कुलस्ते सहित राजस्व व पुलिस विभाग के अधिकारी कर्मचारी शामिल थे। संयुक्त टीम जब जांच के लिए ग्राम महदोली में चंदन नदी के किनारे पहुंची तो वहां स्थित एक आम के बगीचे में रेत का विशाल डंप दिखाई दिया। जांच में पता चला कि यह बगीचा पूर्व जिला पंचायत सदस्य ज्ञान प्रकाश उर्फ पप्पू पटेल का है। कार्यवाही से बचने के लिए रेत के इस अवैध स्टॉक को चालाकी से पैरा की चादर से ढककर छिपाया गया था। जब अधिकारियों ने मौके पर मौजूद लोगों से रेत भंडारण से संबंधित वैध अनुमति, रॉयल्टी या अन्य दस्तावेज़ मांगे तो कोई भी वैध कागज़ात पेश नहीं किए जा सके। इसके बाद प्रशासन ने इसे पूरी तरह अवैध मानकर ज़ब्ती की कार्यवाही शुरू की।

५० ट्रॉली रेत की करीब १८७५० की हैं रॉयल्टी

प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर मापक फीते के माध्यम से पूरे क्षेत्रफल की पैमाइश की। नापजोख के आधार पर अधिकारियों ने संभावना जताई है कि वहां करीब ५० ट्रॉली रेत डंप की गई थी। इस ज़ब्त की गई रेत की अनुमानित रॉयल्टी कीमत १८७५० रुपये से अधिक बताई जा रही है। खनिज अधिकारी के द्वारा मौके पर ही पंचनामा तैयार कर पूरे डंप को ज़ब्त कर लिया गया है। वर्तमान में क्षेत्र में रेत घाटों का टेंडर नहीं हुआ है जिसके कारण नियमित रेत का उत्खनन पूरी तरह से बंद है। लेकिन टेंडर बंद होने का फायदा उठाकर कई स्थानों पर नदी का सीना चीरकर अवैध उत्खनन और परिवहन किया जा रहा है। इसी को रोकने के लिए माइनिंग और पुलिस विभाग अब संयुक्त रूप से मोर्चा संभाले हुए हैं।

पप्पू पटेल की भुमि पर रेत का डंप पाया गया मामले में प्रकरण तैयार किया जा रहा है-सुरेश उपाध्याय

नायाब तहसीलदार सुरेश उपाध्याय ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश अनुसार अवैध रेत पर कार्यवाही करने के लिए हम मेंहदोली गए हुए थे। जहां बगीचे में हमें अवैध रेत का एक बड़ा डंप मिला जिसके वैध दस्तावेज नहीं थे। जहां करीब ५० ट्राली रेट थी ऊपर पूरा पैरा बिछाकर उसे छुपा दिया गया था। यह कार्यवाही वरिष्ठ अधिकारियों को मिली शिकायत पर की गई है। यह बगीचे में मिले रेत के डंप को जप्त कर लिया गया है यह भूमि ज्ञान प्रकाश उर्फ पप्पू पटेल की है मामले में प्रकरण तैयार किया जा रहा है।

पप्पू पटेल के खिलाफ खनिज अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया जायेगा-सुरेश कुलस्ते

खनिज निरीक्षक सुरेश कुलस्ते ने बताया कि हमारे द्वारा मेहदोली ग्राम पंचायत में अवैध रेत डंप जप्त करने की कार्यवाही की गई है। मौके पर पंचनामा बना लिया गया है ज्ञानप्रकाश पटेल के खिलाफ खनिज अधिनियम की विभिन्न सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज करने की प्रक्रिया की जा रही है। कार्यवाही के दौरान क्षेत्र के पटवारी पुलिस बल और अन्य विभागों के कर्मचारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

ग्राम किन्ही में अवैध रेत भंडारण पर कार्यवाही ५५ ट्रॉली रेत और ट्रैक्टर जब्त

सोमवार १ जून २०२६ को तहसील खैरलांजी के ग्राम किन्ही में राजस्व खनिज एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने छापामार कार्यवाही कर बड़ी मात्रा में अवैध रूप से भंडारित रेत जब्त की। उप संचालक सुश्री फरहत खान ने बताया कि संयुक्त दल के द्वारा ग्राम किन्ही में खनिज रेत के अवैध खनन परिवहन एवं भंडारण की जांच की गई। कार्यवाही के दौरान ग्राम किन्ही स्थित शासकीय भूमि के खसरा क्रमांक ३९६ में लगभग ५५ ट्रॉली खनिज रेत का अवैध भंडारण पाया गया। जांच के दौरान रेत भंडारण संबंधी कोई वैध अनुमति अथवा रॉयल्टी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर अधिकारियों ने नियमानुसार रेत को जब्त कर लिया है। जब्त की गई रेत को ग्राम पंचायत किन्ही के कोटवार सुनील धमगाहे की सुपुर्दगी एवं निगरानी में सौंप दिया गया है। कार्यवाही के दौरान ग्राम मोवाड़ से ट्रैक्टर को भी जब्त किया गया। मौके पर वाहन चालक के अनुपस्थित होने के कारण अन्य चालक की सहायता से वाहन को पुलिस थाना खैरलांजी लाकर अभिरक्षा में रखा गया है। खनिज विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मामले में मध्यप्रदेश खनिज अवैध खनन परिवहन एवं भंडारण का निवारण नियम २०२२ के तहत प्रकरण दर्ज कर नियमानुसार आगे की कार्यवाही की जाएगी। जिले में अवैध रेत कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए प्रशासन के द्वारा लगातार संयुक्त अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि अवैध खनन परिवहन एवं भंडारण में संलिप्त पाए जाने वालों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्यवाही जारी रहेगी।

अवैध वसूली मामले में एक और कथित पत्रकार गिरफ्तार

खैरलांजी पुलिस की कार्यवाही धमकी देकर कथित पत्रकारों ने की थी युवक से ९० हजार रुपये की उगाही २ आरोपी अब भी फरार

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी पुलिस ने अवैध वसूली मामले में सोमवार को एक और कथित पत्रकार को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की हैं जबकि अभी भी दो कथित पत्रकार पुलिस पकड़ से बाहर हैं। इस मामले की जाँच कर रहे एसआई किशोर माने ने बताया कि ग्राम खैरी निवासी हंसराज लिल्हारे ने पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में उससे कुछ पत्रकारों के द्वारा उसे धमकी देकर उससे जबरन वसूली की गई है। जिस पर खैरलांजी थाने में शिकायत जाँच पत्र क्रमांक ९९६/२०२६ दिनाँक ९/५/२०२६ आई थी । जिसमें आवेदक हंसराज के कथन सीडीआर लोकेशन काल डिटेल कैनरा बैंक की जानकारी बातचीत की पेन ड्राइव में रिकार्डिंग सुनने का पंचनामा,वन विभाग से जानकारी में पाया गया कि १२ मार्च की सुबह से १२ बजे पिंडकेपार में था । जहाँ प्रफ्फुल चित्रिव और ब्रजेश मिश्रा निवासी रामपायली, अलीम खान,फारुख खान एवं अभिषेक सोनी निवासी बालाघाट एवं सोनझरा निवासी सँतोष शिवलाल व एक अन्य ने आवेदक हंसराज लिल्हारे को अपने आप को पत्रकार बताते हुए जेल भेज देने एवं बर्बाद कर देने की धमकी देकर डरा धमकाकर एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित करते हुए उससे दो लाख रुपये की मांग की। जिसके बाद आरोपितों ने आवेदक से ९० हजार रुपये फोन पे के माध्यम से ऑनलाइन लिए। शिकायत पर हुई जाँच पश्चात शिकायत सहीं पाए जाने पर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस ने बीएनएस २०२३ की धारा ३३०८, ५ और धारा २९६ के तहत अपराध पंजीबद्ध कर पूर्व में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया था। जहाँ से आरोपित कथित पत्रकारों को न्यायालय ने जेल भेज दिया था। फिलहाल चारो आरोपित जमानत पर बाहर हैं वहीं खैरलांजी पुलिस शेष ३ आरोपितों की तलाशी पुलिस सरगर्मी से कर रही थी। जिस पर सोमवार को मुखबिर की सूचना पर एक आरोपित सँतोष शिवलाल लोहार ३९ वर्ष सोनझरा निवासी को गिरफ्तार कर उसे वारासिवनी न्यायालय में पेश किया गया। वहीं पुलिस शेष दो बचे आरोपितों बालाघाट निवासी फ रुख खान एवं रामपायली निवासी ब्रजेश मिश्रा की सरगर्मी से तलाश कर रही हैं।

इनका कहना हैं

आवेदक ने पुलिस अधीक्षक के यहाँ शिकायत की थी। शिकायत जाँच में शिकायत सहीं पाए जाने पर ७ लोंगों पर अपराध पंजीबद्ध कर ४ लोंगों को पूर्व में गिरफ्तार किया गया था। एक आरोपित को आज गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया हैं । फरार चल रहे दो आरोपितों को भी शीघ्र गिरफ्तार किया जाएँगा।

किशोर माने
एसआई पुलिस थाना खैरलांजी

वारासिवनी में गौवंश वध का पर्दाफाश ४ आरोपी गिरफ्तार

नेवरगांव के तालाब में फेंके थे अवशेष,मथुरा लैब की रिपोर्ट के बाद पुलिस ने दबोचे आरोपी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। स्थानीय पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम नेवरगांव के भूरा तालाब क्षेत्र में बीते मार्च महीने में मिले मवेशी के अवशेषों के मामले में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने गौवंश वध और उसके अवशेषों को छिपाने के आरोप में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर वारासिवनी न्यायालय के समक्ष पेश किया है।

तालाब के पास कुत्तों के आतंक से खुला था राज

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम नेवरगांव के भूरा तालाब के आसपास पिछले कुछ महीनों से आवारा कुत्तों का भारी आतंक देखा जा रहा था। कुत्ते अक्सर तालाब के किनारे झाड़ियों में झुंड बनाकर एकत्रित होते थे। इसी बीच बीते १५ मार्च २०२६ को एक स्थानीय ग्रामीण ने तालाब के किनारे झाड़ियों में भारी मात्रा में मवेशी की हड्डियां और मांस पड़ा हुआ देखा। देखते ही देखते यह खबर पूरे गांव में फैल गई और मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना मिलते ही वारासिवनी पुलिस बल ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मवेशी के अवशेषों को जब्त कर लिया। इसके बाद ग्राम सरपंच प्रमोद हनवत की शिकायत पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ गौ वध प्रतिषेध अधिनियम की धारा ४ व ९ पशु क्रूरता अधिनियम की धारा ११ तथा भारतीय न्याय संहिता की धारा ३२५ के तहत अपराध क्रमांक १०८/२६ दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की वैज्ञानिक पुष्टि के लिए पुलिस ने जब्त किए गए अवशेषों को परीक्षण हेतु मथुरा स्थित प्रयोगशाला भेजा था। वहां से आई रिपोर्ट में यह स्पष्ट पुष्टि हुई कि वे अवशेष गाय के ही थे। रिपोर्ट प्राप्त होते ही पुलिस ने अज्ञात आरोपियों की सरगर्मी से तलाश तेज कर दी।

मुखबिर की सूचना पर मुख्य आरोपी गिरफ्तार फिर खुले अन्य नाम

पुलिस को पहली सफलता १५ मई को मिली जब मुखबिर की सटीक सूचना पर वार्ड नंबर १० नेवरगांव निवासी जुबेर उर्फ राजा पिता इसराइल कुरैशी उम्र २९ वर्ष को हिरासत में लिया गया। पुलिसिया पूछताछ में कड़ाई बरतने पर आरोपी ने अपना जुर्म कबूल किया जिसके बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया। मुख्य आरोपी से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने मामले में संलिप्त अन्य तीन आरोपियों की तलाश शुरू की। अंततः पुलिस ने इस कृत्य में शामिल तीन आरोपी शेख नाजिम उर्फ अज्जू पिता कलीम खान उम्र २६ वर्ष ,निशान पिता जावेद खान उम्र २३ वर्ष,आदिल उर्फ दानिश पिता लुकमान खान उम्र १९ वर्ष को गिरफ्तार कर पुलिस के द्वारा की गई पूछताछ में तीनों आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने ही गाय को काटा था और उसके अवशेषों को भूरा तालाब की झाड़ियों में फेंक दिया था। आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद वारासिवनी पुलिस ने इन तीनों आरोपियों को भी १ जून को वारासिवनी न्यायालय के समक्ष पेश किया।

करोड़ों की निधि से बने यात्री प्रतिक्षालय बदहाल

पद्मेश न्यूज। रामपायली/ वारासिवनी। क्षेत्र में जनहित के नाम पर विधायक निधि और सांसद निधि से निर्मित यात्री प्रतिक्षालय आज स्वयं अपनी बदहाली की कहानी बयां कर रहे हैं। वारासिवनी से मोवाड तक के अनेक राजस्व ग्रामों में वर्षों पूर्व यात्रियों की सुविधा के लिए बनाए गए यात्री प्रतिक्षालय या तो अतिक्रमण की भेंट चढ़ चुके हैं। या फिर उचित रखरखाव के अभाव में उपयोगहीन होकर खंडहर में तब्दील होते जा रहे हैं। ऐसे में जनता यह सवाल उठाने लगी है कि जब इन निर्माण कार्यों पर लाखों.करोड़ों रुपये खर्च किए गए थे तो उनकी वर्तमान स्थिति की जिम्मेदारी आखिर किसकी है। विधायक निधि और सांसद निधि का उद्देश्य आम नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना होता है। यह निधि किसी व्यक्ति विशेष की नहीं बल्कि देश और प्रदेश के करदाताओं के कठिन परिश्रम से अर्जित धन से संचालित होती है। जनप्रतिनिधि अपने कार्यकाल में इन निधियों से किए गए विकास कार्यों को उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत करते है, लेकिन निर्माण के बाद इन परिसंपत्तियों के संरक्षण और रखरखाव की स्थिति पर शायद ही कभी गंभीरता से ध्यान दिया जाता है। वारासिवनी से मोवाड मार्ग क्षेत्र का एक प्रमुख और व्यस्त ग्राम रामपायली इसका जीवंत उदाहरण बनकर सामने आया है। यहां से प्रतिदिन सैकड़ों यात्री शिक्षा, रोजगार, व्यवसाय और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए विभिन्न शहरों की ओर आवागमन करते हैं। इसके बावजूद बस स्टैंड परिसर में यात्रियों के लिए बुनियादी सुविधाओं का गंभीर अभाव बना हुआ है। यात्रियों का कहना है कि बसों की प्रतीक्षा के दौरान उन्हें बैठने, छाया और स्वच्छ वातावरण जैसी सामान्य सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हो पाती हैं। सबसे चिंताजनक स्थिति स्वच्छता व्यवस्था की है। यहां ना तो सुलभ शौचालय की समुचित व्यवस्था है और ना ही शौचालय की नियमित साफ सफाई होती है। गंदगी से भरे शौचालयों और आसपास फैली अस्वच्छता ना केवल यात्रियों के लिए परेशानी का कारण बन रही है,बल्कि संक्रामक बीमारियों के प्रसार का खतरा भी बढ़ा रही है। स्थानीय नागरिकों का मानना है कि केवल नए निर्माण कार्य कराना ही विकास नहीं है, बल्कि उनकी निरंतर देखरेख और उपयोगिता बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है। यदि करोड़ों रुपये खर्च कर बनाए गए यात्री प्रतिक्षालय वर्षों बाद उपयोग के योग्य ही ना रहें, तो यह सार्वजनिक धन के प्रभावी उपयोग पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

क्या गुंडागर्दी ही अब नई राजनीति है?

पश्चिम बंगाल के सोनारपुर में अभिषेक बनर्जी पर हुआ हमला बेहद परेशान करने वाला है। लोकतंत्र में हिंसा की कोई जगह नहीं हो सकती, फिर चाहे वह किसी भी नेता या दल के खिलाफ क्यों न हो। मतभेद अपनी जगह हैं, राजनीति अपनी जगह है, लेकिन जब बात मारपीट, कपड़े फाड़ने और जानलेवा हमलों तक पहुंच जाए, तो समझ लेना चाहिए कि हमारा समाज और हमारी राजनीति बहुत गलत दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। किसी भी सभ्य समाज में ऐसी हरकतों को सही नहीं ठहराया जा सकता। बंगाल को हमेशा से एक बेहद खास राज्य माना गया है। यह रवींद्रनाथ टैगोर, स्वामी विवेकानंद और नेताजी सुभाष चंद्र बोस की धरती है। इस मिट्टी से हमेशा ज्ञान, कला, संस्कृति और बड़े-बड़े विचारों की खुशबू आती रही है। बंगाल के लोग अपनी तेज बुद्धि और वैचारिक बहस के लिए जाने जाते हैं। लेकिन आज उसी बंगाल से जब रोज-रोज राजनीतिक हिंसा, मारपीट और बमबाजी की खबरें आती हैं, तो दिल दहल जाता है। ऐसा लगता है कि जैसे पुरानी पहचान कहीं खो गई है और उसकी जगह सिर्फ सत्ता की भूख ने ले ली है। आखिर ऐसा कैसे हो गया कि जिस धरती को देश का मार्गदर्शक होना चाहिए था, वह आज राजनीतिक रंजिश का अखाड़ा बन चुकी है? आज की राजनीति में एक अजीब सा बदलाव देखने को मिल रहा है। चुनाव आते-जाते रहते हैं, सत्ता बदलती रहती है, लेकिन आज ऐसा माहौल बन गया है कि जैसे हर कोई अपनी पुरानी निष्ठाएं बदलकर सत्ताधारी खेमे में शामिल होना चाहता है। दल-बदल और विचारधाराओं का यह खेल सिर्फ कुर्सी के लिए हो रहा है। वहीं दूसरी तरफ, जब हम तृणमूल कांग्रेस जैसी पार्टियों के कार्यकर्ताओं और समर्थकों का रवैया देखते हैं, तो गंभीर सवाल उठते हैं। एक राजनीतिक दल का काम जनता की सेवा करना और अपनी नीतियों से उनका दिल जीतना होता है। लेकिन जब कोई दल अपने विरोधियों को डराने-धमकाने लगे, हर बात का जवाब लाठी और पत्थरों से देने लगे, तो जनता के मन में यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या यह कोई राजनीतिक संगठन है या फिर भय फैलाने वाला कोई गिरोह? लोकतंत्र में किसी को भी कानून हाथ में लेने का हक नहीं है।इस हमले के बाद हमेशा की तरह राजनीति भी शुरू हो गई है। टीएमसी इसके लिए सीधे तौर पर भाजपा को जिम्मेदार ठहरा रही है, वहीं विपक्ष इसे जनता का गुस्सा बताकर पल्ला झाड़ने की कोशिश कर रहा है। कांग्रेस और अन्य दलों के बड़े नेताओं ने भी इस घटना का विरोध किया है। सच तो यह है कि जब नेता और पार्टियां एक-दूसरे को सिर्फ राजनीतिक विरोधी न मानकर जानी दुश्मन समझने लगते हैं, तो ऐसी ही हिंसक तस्वीरें सामने आती हैं। नफरत की यह राजनीति हमारे देश के भविष्य के लिए एक बहुत ही खतरनाक मिसाल बन रही है। अगर आज बंगाल में इस तरह की हिंसा को सामान्य मान लिया गया, तो कल को पूरे देश में यही तरीका अपना लिया जाएगा। हमें यह समझना होगा कि लोकतंत्र की असली ताकत उसकी विविधता और शांतिपूर्ण चर्चाओं में है। लाठी-डंडों से किसी की आवाज को दबाया तो जा सकता है, लेकिन किसी का दिल नहीं जीता जा सकता। राजनीति का स्तर इतना नहीं गिरना चाहिए कि इंसानियत ही खत्म हो जाए। चाहे हमला करने वाले किसी भी दल के हों, उन पर सख्त से सख्त कार्रवाई होनी ही चाहिए ताकि कानून का डर बना रहे। सभी दल और आम जनता मिलकर इस बात पर विचार करें कि हम कैसा समाज बनाना चाहते हैं। राजनीति सिर्फ चुनाव जीतने और सत्ता हथियाने का जरिया नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसका असली मकसद देश और समाज का भला करना होना चाहिए। लोकतंत्र तभी बचेगा जब हम एक-दूसरे के विचारों का सम्मान करना सीखेंगे।

सुप्रीम कोर्ट की ऐतिहासिक डेडलाइन-तारीख पर तारीख नहीं चलेगी

वैश्विक स्तरपर भारत की न्यायिक व्यवस्था पर वर्षों से एक तंज बार-बार दोहराया जाता रहा है,तारीख पर तारीख। यह वाक्य केवल एक फिल्मी संवाद नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की उस पीड़ा का प्रतीक बन गया था जिसमें न्याय की उम्मीद अदालतों की लंबी प्रक्रियाओं में उलझकर दम तोड़ देती है।भारतीयलोकतंत्र में न्यायपालिका को संविधान का संरक्षक माना जाता है। नागरिक जब कार्यपालिका और विधायिका से निराश होता है, तब उसकी अंतिम उम्मीद अदालतों पर टिकती है। यही कारण है कि न्यायपालिका की विश्वसनीयता केवल उसके निर्णयों से नहीं, बल्कि उसकी पारदर्शिता, समयबद्धता और उत्तरदायित्व से भी तय होती है। हाल के वर्षों में भारतीय न्याय व्यवस्था में लंबित मामलों की संख्या, सुरक्षित रखे गए निर्णयों में देरी और अदालतों द्वारा आदेशों को समय पर वेबसाइट पर अपलोड न करने जैसी समस्याएँ लगातार चर्चा का विषय बनी हुई थीं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि अब इसी मानसिकता और न्यायिक देरी की संस्कृति पर भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने निर्णायक प्रहार किया है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने अत्यंत गंभीर शब्दों में कहा कि जस्टिस डिलेयड इज जस्टिस डिनाइड का सिद्धांत केवल मुकदमों की सुनवाई में देरी तक सीमित नहीं है। यदि अदालत निर्णय सुरक्षित रखकर महीनों तक उसे सार्वजनिक नहीं करती, या आदेश सुनाए जाने के बाद भी उसकी प्रति उपलब्ध नहीं कराई जाती, तो यह भी न्याय में देरी के समान है।सुप्रीम कोर्ट ने क्रिमिनल रिट पिटीशन 169/2025 में 29 मई 2026 को स्पष्ट शब्दों में कहा है कि किसी भी मामले में फैसला सुरक्षित रखने के बाद उसे अधिकतम तीन महीने के भीतर सुनाना अनिवार्य होगा।यदि ऐसा नहीं होता है, तो संबंधित हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को वह मामला मुख्य न्यायाधीश के समक्ष रखना होगा। यह निर्देश केवल प्रशासनिक आदेश नहीं,बल्कि भारतीय न्यायपालिका में जवाबदेही, पारदर्शिता और समयबद्ध न्याय की दिशा में एक ऐतिहासिक सटीक रूप से न्यायिक क्रांति माना जा रहा है। साथियों, यह फैसला उस समय आया जब सुप्रीम कोर्ट पीला पाहन बनाम झारखंड राज्य मामले की सुनवाई कर रहा था, जिसमें आरोप लगाया गया कि झारखंड हाईकोर्ट ने दिसंबर 2025 में फैसला सुनाने के बावजूद उसे न तो वेबसाइट पर अपलोड किया और न ही संबंधित पक्षों को उपलब्ध कराया।इस मामले ने न्यायिक देरी और प्रक्रियात्मक अपारदर्शिता की गंभीर समस्या को राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में ला दिया।यह मामला केवल एक तकनीकी त्रुटि या प्रशासनिक लापरवाही का प्रश्न नहीं था, बल्कि न्याय के मूल सिद्धांतों से जुड़ा संवैधानिक प्रश्न बन चुका था। याचिकाकर्ताओं ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को अदालत द्वारा राहत मिल चुकी है, लेकिन आदेश उपलब्ध ही नहीं कराया गया, तो वह राहत व्यवहारिक रूप से निरर्थक हो जाती है। विशेष रूप से तब जब मामला व्यक्तिगत स्वतंत्रता, जमानत या आपराधिक सजा से जुड़ा हो। यही कारण था कि सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने इस मुद्दे को अत्यंत गंभीरता से लिया और न्यायपालिका के भीतर मौजूद उस संरचनात्मक समस्या पर चोट की, जिसके कारण हजारों मामलों में फैसले महीनों और वर्षों तक सुरक्षित रखे जाते रहे हैं। मुख्य न्यायाधीश और एक जस्टिस की पीठ ने स्पष्ट किया कि न्याय में अनावश्यक देरी संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन है। अनुच्छेद 21 केवल जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा नहीं करता, बल्कि समय पर न्याय प्राप्त करने के अधिकार को भी संरक्षित करता है। अदालत ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति वर्षों तक जेल में बंद रहे और उसकी अपील पर फैसला सुरक्षित रखने के बाद लंबे समय तक सुनाया ही न जाए, तो यह न्यायिक प्रक्रिया स्वयं दंड में बदल जाती है। अदालत का यह अवलोकन भारतीय न्याय व्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि पहली बार सर्वोच्च स्तर पर इस स्पष्टता के साथ कहा गया कि न्यायिक देरी केवल प्रशासनिक समस्या नहीं बल्कि मौलिक अधिकारों के उल्लंघन का विषय है। साथियों, सुप्रीम कोर्ट के सामने आया मामला अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग से जुड़े चार दोषियों की याचिका से संबंधित था। इन लोगों की आपराधिक अपील झारखंड हाईकोर्ट में वर्ष 2022 से लंबित थी, लेकिन फैसला नहीं सुनाया गया था। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि चार वर्षों तक न्याय की प्रतीक्षा करवाना संविधान की भावना के खिलाफ है। अदालत ने इस तर्क को गंभीरता से स्वीकार किया और कहा कि न्यायिक प्रक्रिया का उद्देश्य व्यक्ति को राहत देना है, न कि उसे अंतहीन प्रतीक्षा में डाल देना। इसी संदर्भ में नवंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने देश के सभी हाईकोर्ट्स से रिपोर्ट भी मांगी थी, जिसमें यह जानकारी देने को कहा गया था कि किन मामलों में फैसला कब सुरक्षित रखा गया, कब सुनाया गया और वेबसाइट पर कब अपलोड किया गया। साथियों इस सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कुल 12 व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए,जिनका उद्देश्य न्यायिक प्रक्रिया को समयबद्ध, पारदर्शी और जवाबदेह बनाना है। अदालत ने विशेष रूप से जमानत मामलों को लेकर कड़ा रुख अपनाया। पीठ ने कहा कि नियमित जमानत और अग्रिम जमानत जैसे मामलों में आदेश उसी दिन सुनाया और अपलोड किया जाना चाहिए। यदि किसी कारणवश आदेश सुरक्षित रखा जाता है, तो उसे अगले दिन तक अवश्य जारी करना होगा। अदालत ने यह भी कहा कि जमानत आदेश की सूचना तत्काल जेल प्रशासन तक पहुंचाई जाए ताकि आरोपी या दोषी व्यक्ति को उसी दिन अथवा अगले दिन रिहा किया जा सके, बशर्ते वह किसी अन्य मामले में वांछित न हो। यह निर्देश इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत में अनेक मामलों में जमानत मिलने के बावजूद कैदी कई दिनों तक जेल में बंद रहते हैं, केवल इसलिए कि आदेश की प्रति समय पर जेल तक नहीं पहुंचती।सुप्रीम कोर्ट ने आपराधिक मामलों और विशेषकर मृत्युदंड से जुड़े मामलों के लिए भी अलग दिशा-निर्देश तय किए। अदालत ने कहा कि यदि मामला गंभीर आपराधिक प्रकृति का है और आरोपी जेल में है, तो फैसला सुरक्षित रखने के सात दिनों के भीतर दोनों पक्षों से स्पष्टीकरण मांगा जा सकता है। लेकिन अन्य मामलों में एक महीने के बाद अतिरिक्त दलीलें या स्पष्टीकरण मांगने की अनुमति नहीं होगी। यह व्यवस्था इसलिए बनाई गई ताकि न्यायिक प्रक्रिया अनिश्चितकाल तक लंबित न रहे और फैसले देने में सटीकता से कृत्रिम देरी समाप्त हो। साथियों अदालत ने तकनीकी और प्रशासनिक सुधारों पर भी जोर दिया। अब हर महीने हाईकोर्ट की वेबसाइट से स्वतः ई-मेल मुख्य न्यायाधीश को भेजा जाएगा, जिसमें उन मामलों की सूची होगी जिनमें फैसला सुरक्षित रखा गया है। इसकी प्रति संबंधित बेंच को भी भेजी जाएगी। यदि किसी मामले का केवल ऑपरेटिव भाग सुनाया गया हो और 15 दिनों तक विस्तृत फैसला अपलोड न किया जाए, तो रजिस्ट्रार जनरल को मुख्य न्यायाधीश को इसकी सूचना देनी होगी।इसके अतिरिक्त, यदि तीन महीने बीत जाने के बाद भी फैसला नहीं सुनाया जाता है, तो कोई भी पक्षकार अदालत से आदेश सुनाने का अनुरोध कर सकेगा और ऐसे आवेदन पर दो दिनों के भीतर सुनवाई करनी होगी।सुप्रीम कोर्ट ने एक प्रकार का प्लान-बी भी निर्धारित किया है। यदि फैसला तीन महीने और अतिरिक्त एक महीने यानी कुल चार महीने तक भी नहीं आता है, तो पक्षकार संबंधितहाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से अनुरोध कर सकता है कि मामला दूसरी बेंच को स्थानांतरित किया जाए। यह निर्देश न्यायिक इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि पहली बार सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट संकेत दिया है कि अनिश्चितकाल तक फैसला सुरक्षित रखना स्वीकार्य नहीं होगा। इससे न्यायाधीशों की जवाबदेही भी तय होगी और मामलों के लंबित रहने की समस्या पर सटिका से अंकुश लग सकेगा। साथियों अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि फैसले की प्रमाणित प्रति में तीन तिथियां स्पष्ट रूप से लिखी जाएं फैसला सुरक्षित रखने की तारीख, फैसला सुनाने की तारीख और वेबसाइट पर अपलोड करने की तारीख। हाईकोर्ट की वेबसाइट पर भी यह जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध रहेगी। इससे न्यायिक प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी और वकीलों तथा पक्षकारों को अपने मामलों की वास्तविक स्थिति का पता चलता रहेगा। साथ ही, फैसला अपलोड होते ही संबंधित पक्षों और उनके वकीलों को ई-मेल के माध्यम से सूचना भेजना भी अनिवार्य किया गया है। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश की टिप्पणी ने पूरे मामले को और अधिक महत्वपूर्ण बना दिया। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट जज के रूप में अपने 15 वर्षों के कार्यकाल में उन्होंने कभी भी किसी मामले को लंबे समय तक रिजर्व नहीं रखा और हमेशा तीन महीने के भीतर फैसला सुनाया। उन्होंने कहा कि न्याय की कीमत पर देरी को जारी रहने नहीं दिया जा सकता। यह टिप्पणी केवल व्यक्तिगत अनुभव नहीं, बल्कि न्यायिक कार्यसंस्कृति के लिए एक नैतिक संदेश भी है कि न्यायाधीशों की प्राथमिक जिम्मेदारी समय पर निर्णय देना है। साथियों, इस पूरे फैसले का संवैधानिक आधार भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। सुप्रीम कोर्ट ने संविधान केअनुच्छेद 142 के अंतर्गत प्राप्त विशेष शक्तियों का उपयोग करते हुए ये दिशा-निर्देश जारी किए। अनुच्छेद 142 सर्वोच्च न्यायालय को पूर्ण न्याय सुनिश्चित करने के लिए विशेष आदेश पारित करने की शक्ति देता है। जब सामान्य कानून या प्रक्रियाएं न्याय दिलाने में अपर्याप्त साबित हों, तब सुप्रीम कोर्ट इस अनुच्छेद के तहत व्यापक निर्देश जारी कर सकता है। यही कारण है कि यह फैसला केवल एक केस तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे देश की न्यायिक प्रणाली के लिए बाध्यकारी मार्गदर्शक सिद्धांत के रूप में देखा जा रहा है।भारत में लंबित मामलों की भयावह स्थिति को देखते हुए यह फैसला और अधिक प्रासंगिक हो जाता है। वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट में 92 हजार से अधिक मामले लंबित हैं, जबकि देशभर की अदालतों में 5.49 करोड़ से ज्यादा मामले पेंडिंग हैं। हाईकोर्ट्स में ही 63 लाख से अधिक मामले लंबित बताए गए हैं। कोविड-19 महामारी के बाद ई-फाइलिंग बढ़ने से मामलों की संख्या और तेजी से बढ़ी है। ऐसे में केवल नए जजों की नियुक्ति या अदालतों की संख्या बढ़ाना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि न्यायिक कार्यप्रणाली को अधिक कुशल और समयबद्ध बनाना भी जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट के ये निर्देश इसी व्यापक सुधार प्रक्रिया की शुरुआत माने जा रहे हैं। साथियों न्यायिक विशेषज्ञों का मानना है कि यह फैसला भारतीय न्यायपालिका में प्रोसीजरल अकाउंटेबिलिटी का नया मॉडल स्थापित कर सकता है। अब न्यायालयों पर केवल निर्णय देने का नहीं, बल्कि समय पर निर्णय देने का भी दबाव होगा। इससे आम नागरिकों का न्यायपालिका पर भरोसा मजबूत होगा, क्योंकि न्याय की वास्तविक शक्ति तभी सिद्ध होती है जब वह समय पर उपलब्ध हो।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

दुर्घटना पीड़ितों के जीवन की सुरक्षा पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती

-कांतिलाल मांडोत

देश में हर साल लाखों लोग सड़क दुर्घटनाओं में घायल होते हैं और हजारों लोग समय पर इलाज नहीं मिलने के कारण अपनी जान गंवा देते हैं। कई मामलों में हादसे के बाद घायल व्यक्ति लंबे समय तक सड़क पर तड़पता रहता है क्योंकि आसपास मौजूद लोग पुलिस पूछताछ या कानूनी झंझट के डर से मदद करने से बचते हैं। कई बार एम्बुलेंस देर से पहुंचती है और अस्पतालों में समुचित ट्रॉमा सुविधा उपलब्ध नहीं होती। ऐसी गंभीर स्थिति को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अब सख्त रुख अपनाया है और सभी राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों को ट्रॉमा केयर व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश जारी किए हैं। अदालत ने साफ कहा है कि दुर्घटना में घायल व्यक्ति को तत्काल इलाज उपलब्ध कराना नागरिकों के मौलिक अधिकार से जुड़ा विषय है और इसे किसी भी हालत में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट की ओर से दिया गया यह फैसला देश की स्वास्थ्य और आपातकालीन सेवाओं की व्यवस्था में बड़ा बदलाव ला सकता है। अदालत ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रत्येक नागरिक को जीवन और गरिमा के साथ जीने का अधिकार मिला हुआ है और समय पर चिकित्सा सुविधा इस अधिकार का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यदि दुर्घटना के बाद घायल व्यक्ति को तुरंत उपचार नहीं मिलता तो यह उसके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन माना जाएगा। अदालत ने स्पष्ट किया कि केवल नीति बनाने से काम नहीं चलेगा बल्कि जमीनी स्तर पर उसका प्रभावी क्रियान्वयन भी जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि सड़क दुर्घटना के बाद शुरुआती समय जिसे गोल्डन ऑवर कहा जाता है सबसे अधिक महत्वपूर्ण होता है। इस दौरान सही इलाज मिल जाए तो घायल व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है। लेकिन देश के कई हिस्सों में दुर्घटना के बाद अस्पताल पहुंचने में काफी समय लग जाता है। कहीं एम्बुलेंस समय पर नहीं पहुंचती तो कहीं ट्रॉमा सेंटर दूर होने के कारण मरीज रास्ते में ही दम तोड़ देता है। अदालत ने माना कि यह स्थिति बेहद चिंताजनक है और इसमें तत्काल सुधार की जरूरत है। इसी कारण सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि अलग अलग इमरजेंसी नंबरों के बजाय पूरे देश में एकीकृत हेल्पलाइन नंबर 112 को प्रभावी रूप से लागू किया जाए। अभी कई जगह 100 101 102 108 1033 और 1091 जैसे अलग अलग नंबर मौजूद हैं जिससे लोगों में भ्रम की स्थिति बनी रहती है। अदालत का मानना है कि एक ही हेल्पलाइन नंबर होने से आपातकालीन सेवाओं तक पहुंच आसान होगी और मदद जल्दी मिल सकेगी। राज्यों को इसके लिए तीन महीने की समय सीमा दी गई है। अदालत ने केवल हेल्पलाइन व्यवस्था तक ही अपने निर्देश सीमित नहीं रखे बल्कि ट्रॉमा केयर के पूरे ढांचे को मजबूत बनाने पर जोर दिया है। कोर्ट ने कहा कि केवल नेशनल हाईवे पर ही नहीं बल्कि स्टेट हाईवे प्रमुख जिला सड़कों शहरी और अर्ध शहरी क्षेत्रों में भी ट्रॉमा सुविधा उपलब्ध होनी चाहिए। इसके लिए अस्पतालों को पहले से चिह्नित किया जाए ताकि दुर्घटना के समय घायल व्यक्ति को तुरंत नजदीकी सक्षम अस्पताल पहुंचाया जा सके। इससे इलाज में देरी कम होगी और जान बचाने की संभावना बढ़ेगी। सुप्रीम कोर्ट ने मददगार लोगों की सुरक्षा को भी अत्यंत महत्वपूर्ण माना है। अदालत ने कहा कि कई बार लोग घायल व्यक्ति की सहायता इसलिए नहीं करते क्योंकि उन्हें पुलिस की पूछताछ गवाह बनने या कानूनी परेशानियों का डर रहता है। इस डर के कारण कई लोग चाहकर भी मदद नहीं कर पाते। अदालत ने राज्यों को निर्देश दिया कि गुड समेरिटन यानी नेक मददगार कानूनों को प्रभावी तरीके से लागू किया जाए और ऐसा माहौल बनाया जाए जिसमें लोग बिना किसी भय के आगे आकर घायलों की मदद कर सकें। अदालत ने राज्य और जिला स्तर पर शिकायत निवारण तंत्र बनाने को भी कहा है ताकि यदि किसी मददगार को परेशान किया जाए तो उसकी शिकायत तुरंत सुनी जा सके। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार की कई योजनाओं और नीतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि कागजों पर अच्छी व्यवस्था मौजूद है लेकिन राज्यों में उनका सही तरीके से पालन नहीं हो रहा। अदालत ने प्रधानमंत्री राहत योजना राह वीर योजना राष्ट्रीय एम्बुलेंस संहिता और इमरजेंसी रिस्पॉन्स सपोर्ट सिस्टम जैसी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि इनके बावजूद जमीन पर स्थिति संतोषजनक नहीं है। कहीं एम्बुलेंस में जरूरी उपकरण नहीं हैं तो कहीं ट्रॉमा सेंटरों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी है। यही कारण है कि पूरे देश में एक समान और जवाबदेह व्यवस्था विकसित करने की आवश्यकता है। अदालत ने एम्बुलेंस सेवाओं को लेकर भी महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने कहा कि सभी एम्बुलेंस में जीपीएस ट्रैकिंग रियल टाइम मॉनिटरिंग हेल्पलाइन 112 से सीधा जुड़ाव और आवश्यक चिकित्सा उपकरण अनिवार्य रूप से होने चाहिए। इसके साथ ही प्रतिक्रिया समय का नियमित ऑडिट किया जाए ताकि यह पता लगाया जा सके कि एम्बुलेंस कितनी तेजी से घटनास्थल तक पहुंच रही हैं। अदालत का मानना है कि तकनीक का बेहतर उपयोग करके आपातकालीन सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। ट्रॉमा रजिस्ट्रियों के निर्माण पर भी सुप्रीम कोर्ट ने विशेष ध्यान दिया है। अदालत ने स्वास्थ्य मंत्रालय को निर्देश दिया है कि वह ट्रॉमा मामलों के डेटा संग्रहण के लिए दिशा निर्देश जारी करे। इसके बाद सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को अपनी ट्रॉमा रजिस्ट्रियां स्थापित करनी होंगी। इससे यह जानकारी उपलब्ध होगी कि किन क्षेत्रों में सबसे अधिक दुर्घटनाएं हो रही हैं और किन स्थानों पर ट्रॉमा सुविधाओं की कमी है। इस डेटा के आधार पर भविष्य की नीतियां अधिक प्रभावी बनाई जा सकेंगी। सुप्रीम कोर्ट ने दुर्घटना पीड़ितों के लिए नकद रहित उपचार व्यवस्था लागू करने पर भी जोर दिया है। अदालत ने कहा कि कई बार गरीब और मध्यम वर्गीय परिवार अस्पताल का खर्च तुरंत नहीं उठा पाते जिससे इलाज में देरी होती है। इसलिए पीएम राहत जैसी नकद रहित उपचार योजनाओं को सभी राज्यों में लागू किया जाए ताकि दुर्घटना के बाद बिना पैसों की चिंता किए तुरंत इलाज शुरू हो सके। राज्यों को अस्पतालों और भुगतान प्रबंधन प्रणाली को भी तय करने का निर्देश दिया गया है। यह फैसला केवल कानूनी आदेश नहीं बल्कि देश की स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश भी है। अदालत ने स्पष्ट कर दिया है कि सड़क सुरक्षा केवल ट्रैफिक नियमों तक सीमित विषय नहीं है बल्कि दुर्घटना के बाद जीवन बचाने की जिम्मेदारी भी सरकारों की है। यदि समय पर एम्बुलेंस अस्पताल और प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मचारी उपलब्ध हों तो हजारों लोगों की जान बचाई जा सकती है। भारत जैसे विशाल देश में जहां हर दिन हजारों सड़क दुर्घटनाएं होती हैं वहां ट्रॉमा केयर व्यवस्था का मजबूत होना बेहद जरूरी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्टों में भी यह बात सामने आ चुकी है कि दुर्घटना के बाद शुरुआती एक घंटे के भीतर इलाज मिलने पर मृत्यु दर में बड़ी कमी लाई जा सकती है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला आम लोगों के जीवन की सुरक्षा की दिशा में ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है। अब सबसे बड़ी चुनौती इन निर्देशों को जमीन पर लागू करने की होगी। राज्यों को स्वास्थ्य ढांचे में निवेश बढ़ाना होगा। ट्रॉमा सेंटरों की संख्या बढ़ानी होगी और एम्बुलेंस नेटवर्क को आधुनिक बनाना होगा। साथ ही लोगों में जागरूकता फैलानी होगी कि दुर्घटना पीड़ित की मदद करना सामाजिक जिम्मेदारी है और कानून उनकी सुरक्षा करता है। यदि सरकारें अदालत के निर्देशों का गंभीरता से पालन करती हैं तो आने वाले समय में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

आईपीएल 26 का खिताब आरसीबी के नाम लेकिन भव सूर्यवंशी की शानदार बल्लेबाजी

आईपीएल के 2926 के मैच में बिहार के एक 15 वर्ष के लड़के वैभव सूर्यवंशी राजस्थान रॉयल का नाम बैटिंग में चर्चा में है निश्चित रूप अभी तक के क्रिकेट इतिहास में पहली बार इतने कम उम्र के खिलाड़ी ने जाने माने वेस्टइंडीज के ओपनर बल्लेबाज क्रिस गेल के रिकॉर्ड की बराबरी की है जो उनके हुनर और मेहनत को दर्शाता है यह बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और उन्होंने जनवरी 2024 में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण किया। वह भारत के सबसे कम उम्र के लिस्ट ए क्रिकेट में पदार्पण करने वाले खिलाड़ी हैं, और आईपीएल में पदार्पण करने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय खिलाड़ी भी हैं उन्होंने चार वर्ष की आयु में क्रिकेट खेलना शुरू किया। प्रारंभ में उन्हें उनके पिता ने प्रशिक्षित किया, और बाद में नौ वर्ष की आयु में उन्होंने समस्तीपुर की एक क्रिकेट अकादमी में प्रशिक्षण लेना शुरू किया। सूर्यवंशी का संबंध मुजफ्फरपुर जिला से भी गहरा रहा है, जहाँ उन्होंने एक इनडोर स्टेडियम में अभ्यास किया और अपने एक रिश्तेदार के घर पर रहते थे।सूर्यवंशी ने जनवरी 2024 में बिहार की ओर से मुंबई के खिलाफ प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण किया, उस समय उनकी आयु 12 वर्ष और 284 दिन थी। इस उपलब्धि के साथ वे बिहार के लिए रणजी ट्रॉफी खेलने वाले दूसरे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी और भारत के चौथे सबसे कम उम्र के प्रथम श्रेणी क्रिकेटर बने। उन्होंने युवराज सिंह (15 वर्ष 57 दिन) का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जबकि अलीमुद्दीन का रिकॉर्ड अब भी कायम है, जिन्होंने 1942-43 सीज़न में राजपुताना की ओर से 12 वर्ष और 73 दिन की आयु में पदार्पण किया था।लेकिन जब हम लोग अपने समय 1985 के दौर में खेला करते थे तो वहाँ भी उस समय नए अच्छे क्रिकेटर भी खेला करते थे मुझे याद है कि हम लोग अपने नानी घर नयागांव में खाना खाने के बाद आम के पेड़ के निचे क्रिकेट खेलते थे वहाँ भी ग्राउंड था लेकिन उसमें बहुत अच्छा खेल सिर्फ मनोरंजन के लिए हुआ करता था कुछ वहाँ के लोग देखते और शाबाशी देते थे उस समय ना हेलमेट था ना सही मजबूत जूता और पैड बस काम चल जाता था लेकिन क्रिकेट में बैटिंग और बॉलिंग दोनों करना सभी पसन्द करते थे भले ही स्पिन हो जो ऊपर क्रम के बल्लेबाज होते वो ज्यादातर स्पिन बॉलिंग ही करते ताकि थकान कम हो दरअसल क्रिकेट में दो मुख्य बैटिंग और बॉलिंग और बारी-बारी से होने वाली विधाएँ हैं, जिनमें बैटिंग करने वाली टीम के खिलाड़ी रन बनाने की कोशिश करते हैं, और फील्डिंग करने वाली टीम के बॉलर गेंद को इस तरह फेंकने की कोशिश करते हैं कि बैटर आउट हो जाएँ या रन बनाने से रुक जाएँ हालांकि विकेटकीपिंग भी बहुत अच्छा होता है क्योंकि हमसे अगर पूछिए तो सबसे मेहनत का काम विकेटकीपिंग का होता है नयागांव से हमलोग छपरा के मैदान से एक अच्छी टीम के साथ खेलने निकलें रात भर खूब प्रैक्टिस किया और 5 बजे सुबह की ट्रेन से 2घंटे में छपरा पहुँच गए वहाँ भी टीम तैयार थी मैदान में बहुत से लोग मैच देखने आए थे हमारी टीम टॉस हार गई और पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया मेरे भाईसाहब और उनके दोस्त ने ओपनिंग की उस समय हम लोगों ने गलब्स पैड बॉल अच्छे क्वालिटी के लिए थे और एक हार्ड प्लास्टिक के कैप को अंदर डालते थे शुरुआत में एक तेज गेंदबाज ने पहली ही बॉल पर बोल्ड कर दिया और उस ओवर में मात्र 3 रन ही बना दूसरे ओवर में एक और विकेट रन आउट हो गया और 5 रन बने फिर 3 ओवर में 1और कैच आउट ठीक बाउंड्री लाइन पर हुआ 5 ओवर में तीन विकेट पर 14 रन था जैसे ही 30 रन पर एक स्टंप आउट हुआ मुझे मौका मिला खेलने का और पहली ओवर में एक कट मारा जो बाउंड्री लाइन पर रोका गया मैं लेफ्ट हैंड से बैटिंग करता था फिर हमने देखा बॉल में बहुत गति है तो छोड़ दिया और कभी वाइड तो कभी विकेटकीपर से छूटता और 4 रन बाई में मिल जाता था फिर एक बॉल आया और गलती से टच हुआ और कैच हुआ इसतरह 30 ओवर के मैच में कुल 102 रन बने दूसरी टीम को बल्लेबाजी के लिए उतरा तो उसके भी विकेट गिरते कभी स्कोर बढ़ता रहा एक समय 94 रन पर 6 विकेट था तो ऐसा लग रहा था मैच हाथ से निकल गया लेकिन हारते देख मुझे बोलिंग दिया और मेरे एक ओवर में दो फूल

टॉस बॉल पर दो कैच हुआ और उस ओवर में मात्र 4 रन मिला अब दवाब बैट्समैन पर आया और 8 विकेट गिर चूंके थे अब जीत के लिए 4 रन की जरुरत थी तभी दूसरे गेंदबाज ने तेज बॉल की और एक और विकेट गिरा जो विकेटकीपर के हाथों कैच हुआ और अंतिम बल्लेबाज मात्र एक रन पर एलबीडब्लू आउट हुआ मैच 1 रन से जीत गया फिर वहाँ के विधायक ने ट्राफी दि उस दिन इतना थकने के बावजूद नींद नहीं आया बाद में पटना सिटी कॉलेज में एक ग्राउंड था वहाँ हमलोग दोस्तों के साथ मिलकर खेला करते और मेरी आदत थी बॉल को स्वीप करना कभी शून्य पर आउट कभी 50 रन के ऊपर बन जाता था एक बार पटना के मोनुलहड़ स्टेडियम में रेलवे और सहकारी विभाग बिहार सरकार ने एक टीम बना कर मैच कराया था जिसमें कपिलदेव, अमरनाथ, सबाकरीम, मनिंदर सिंह जैसे खिलाड़ियों ने भाग लिया जो 4 दिन तक चली और मैं वहाँ पहली बार स्टेडियम में मैच देखने गया वह समय था 1987 के विश्वकप से पहले का और मेरे सामने मनिंदर सिंह दिखे और ऑटोग्राफ लिया वहाँ और टीवी में मैच देखने का मजा अलग था बाद में जब 1991 के आसपास टेनिस बॉल का जमाना आया तो खुब मजा आया उसमें छोटे बच्चे से लेकर बड़े सभी खेलते थे मेरी बैटिंग काफी प्रैक्टिस के बाद सुधार हुआ और जब आप प्रैक्टिस करते हैं तो समझ में आता है किसे मारना है टप्पा खा कर कहाँ गिर सकती है और कैसे मारना है हमने एक बात गौर की कि उस समय यदि आईपीएल होता तो कुछ लोग को अवसर मिल सकता था क्योंकि वो सुबह से शाम तक ग्राउंड पर ही समय निकाल देते थे उस समय 1987 के वर्ल्ड कप में ब्लैक एंड वाइट टीवी पर देखने का अलग मजा था गांव में पोर्टबल टीवी होती और बिजली रहे ना रहे कार बैटरी से मैच देख लेते थे अब नए जमाने में क्रिकेट खेल और फैशन दोनों हो गया है लेकिन उस समय क्रिकेट एक खेल था जब 1987 में इंग्लैंड और इंडिया का सेमीफइनल हुआ तो इंडिया जीतते जीतते रह गया 251 रन का टारगेट था और इंडियन बल्लेबाज कभी आउट होते कभी टिके रहते सारी उम्मीद कपिलदेव पर टिकी थी लेकिन 35 रन बनाकर जैसे ही आउट हुए विकेट गिरना चालू हो गया और टीम कुछ रनो के अंतर से हार गई सब जगह मायूसी था सुबह निकला तो कोई चेतन शर्मा की बैटिंग पर अफसोस कर रहा था तो कोई किरण मोरे तो कोई कपिलदेव पर और पुरी दिन यही चर्चा चली उस समय हमलोग पटना के मंगल तालाब और सिटी स्कूल के ग्राउंड में मैच खेलते थे अच्छा मैच होता उस समय बल्ला भी मामलू होता और गेंद भी काफी हार्ड होता था अगर गलती से लगा तो सर फट जाएगा मुझे अच्छा बल्ला खरीदने का मन तो बहुत था लेकिन पैसे की कमी से वो लकड़ी वाला ही चल जाता था बाद में मेरे मामा ने जो कोलकत्ता में रहते थे उन्हें भी क्रिकेट में रूचि थी एक कायदे का बैट खरीदा था कड़ी मेहनत, अभ्यास और बल्लेबाज़ के खिलाफ़ कैसे खेलना है, इसके लिए थोड़ी समझदारी—ये सब ज़रूरी हैं। बिना अभ्यास के आप लाइन और लेंथ पर महारत हासिल नहीं कर पाएँगे, जो बल्लेबाज़ को हराने की कुंजी है। क्रिकेट में आपकी लाइन और लेंथ की बुनियादी बातें सही होनी चाहिए। गेंद में एक लूप (घुमाव) होना चाहिए। यह लूप—जिसे हम पहले फ़्लाइट कहते थे—लगातार बना रहना चाहिए। समय के साथ, आप इस लूप को बढ़ाते हैं और इसे अपने हिसाब से ढालते हैं। आप पहले बल्लेबाज़ को एक जगह पर रोकते हैं और फिर अपना जाल बिछाते हैं—और वह धीरे-धीरे उसमें फँस जाता है। लेकिन ये बातें इतनी आसानी से नहीं सीखी जातीं। शीर्ष स्तर तक पहुँचने के लिए सालों-साल की मेहनत लगती है। लाइन, लेंथ और नियंत्रण केवल बहुत ज़्यादा कड़ी मेहनत और अभ्यास से ही हासिल किया जा सकता है। कोई भी आपको यह सिखा नहीं सकता। आईपीएल के 2026 के मैच में रॉयल चैलेंजर बगलौर जीती तो जरूर है लेकिन गुजरात टाइटन ने कुछ धीमा खेला और रन ज्यादा बना ही नहीं पायी क्योंकि गुजरात टाइटन ने मात्र 154 रन का स्कोर किया जो 20-20 के क्रिकेट में मामूली स्कोर होता है राशिद खान को बाद में लाया गया अगर 2 सरें या तीसरे ओवर में लाते तो 1-2 विकेट जब उस समय गिरते तो दबाब होता और बाद में रोमांचक हो सकता था क्योंकि यह पिच में स्पिन था लेकिन जीत तो जीत है विराट कोहली ने शानदार पारी खेली बाद में मैच एक तरफा हो गया चलो कोई भी जीते टीम तो इंडिया के राज्यों के नाम पर है इसलिए इसमें मनोरंजन हुआ. आर सी बी को जीत की बधाई व शुभकामनायें।

-कांतिलाल मांडोत

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। लेवाली के चलते सोमवार को अनाज मंडी में चने में बाजार मजबूती के रहे। तुअर व मूंग में सुस्ती रही। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में टिकाव रहा। किराना जिंसों में बड़ी इलायची में मजबूती रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार लेवाली से चने में बाजार मजबूती के देखे गये। तुअर व मूंग में सुस्तता रही। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सरसो व सोयाबीन में मजबूती बनी। उधर, किराना जिंसों में बड़ी इलायची बाजार सुर्खी पर रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4240-4320, खोपरा गोला 380-415, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1150-1350, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, बत्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाड़ा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 525-550, काजू (240) 880-925, काजू (320) 950-1000, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारोली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2200-2250, (160) 2500-2550, (200) 2300-2350, (250) 2600-2650

तेल- सींगदाना 1620-1640, मुम्बई 1640-1650, राजकोट तेलिया 2550, सोया साल्वेंट 1415-1420, सोया रिफाइंड 1475-1485, कपास्या 1500-1510, धूलिया 1520, कड़ी 1520,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1575-1600, मुम्बई पाम 1495, मुम्बई सोया 1510,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8300, रायडा 6800-7200, सोयाबीन 7200, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6200-6250, एवरेज 6000-6050, विशाल 6100-6200, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशियन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6100-6200, एवरेज 5900-6000, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7300-7350, मूंग पुराना बोल्ड 7800-8000, मीडि?यम 7600-7800, एवरेज 7000-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7700-7800, एवरेज 7200-7300, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7500-7600, उड़द बेस्ट 8600-8700, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2450-2475, लोकवन एवरेज 2600-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2450-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 2050-2100, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 280 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। सोमवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार सुस्ती के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 253000, चाँदी (99) 252800, टंच 252100, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 150600,

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 9 पैसे की बढ़त के साथ ही 94.94 रुपय पर बंद हुआ। इजराइल-लेबनान संघर्ष बढ़ने के साथ कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के दबाव के कारण भी आज शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 9 पैसे गिरकर 94.94 पर आ गया। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि डॉलर सूचकांक 99 के स्तर के करीब पहुंच गया है, जबकि तेल की कीमतें बढ़कर 93 डॉलर प्रति बैरल हो गईं, क्योंकि वाशिंगटन और तेहरान द्वारा संभावित युद्धविराम पर चर्चा के बाद इजरायल-लेबनान संघर्ष में साप्ताहिक गिरावट के बाद और तेजी आई है, जिससे अंततः होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास की अशांति कम हो सकती है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 94.93 पर खुला, फिर थोड़ा कमजोर हुआ और शुरुआती निचले स्तर 94.94 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 9 पैसे की गिरावट दिखाता है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 508.40 अंक नीचे आकर 74,267.34 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 165.15 अंक फिसलकर 23,382.60 पर बंद हुआ। बाजार में आज सभी क्षेत्रों में गिरावट रही। लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी बिकवाली दर्ज की गयी। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 895.85 अंक टूटकर 60,827.95 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 159 अंक या नीचे आकर 17,979.80 पर बंद हुआ। निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी ऑटो, निफ्टी कंजप्शन, निफ्टी एनर्जी और निफ्टी इन्फ्रा में सबसे अधिक गिरावट रही। दूसरी ओर निफ्टी आईटी, निफ्टी मीडिया और निफ्टी मेटल के शेयर ऊपर आये। सेंसेक्स के शेयरों में टेक महिंद्रा, इन्फोसिस,

टीसीएस, इंडिगो, एचसीएल टेक और टाटा स्टील के शेयर लाभ में रहे जबकि एचयूएल, आईटीसी, एनटीपीसी, , कोटक महिंद्रा बैंक, ट्रेंट, बजाज फाइनेंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, एलएंडटी, मारुति सुजुकी और बजाज फिनसर्व के शेयरों में गिरावट रही। बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिका और ईरान के बीच टकराव बढ़ने और शांति समझौते को लेकर संशय से भी बाजार टूटा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस बयान के बाद कि ईरान के साथ वह करार को लेकर कोई जल्दबाजी में नहीं है। उससे भी निवेशक आशंकित हैं। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली से भी बाजार पर दबाव आया है। शुक्रवार को एफआईआई ने भारतीय बाजारों में 21,106 करोड़ रुपए के शेयर बेचे थे। इससे पहले आज सुबह बाजार की अच्छी शुरुआत रही। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 293.10 अंक की बढ़त के साथ 75,076.56 पर कारोबार कर रहा था, [illegible]एनएसई निफ्टी 50 भी 99.65 अंक मजबूत होकर 23,641.75 के स्तर पर पहुंच गया।

1 जून से यूपीआई, पैनकार्ड और एटीएम ट्रांजेक्शन में हुए अहम बदलाव

नई दिल्ली। एजेंसी। जून माह की शुरुआत के साथ ही आम आदमी की जिंदगी पर असर डालने वाले कई अहम बदलाव लागू हो गए हैं। एलपीजी और कारों के दाम में बढ़ोतरी के साथ ही डिजिटल लेनदेन से जुड़े यूपीआई पेमेंट, एटीएम ट्रांजेक्शन फीस और पैन कार्ड रूल्स में भी महत्वपूर्ण संशोधन हुए हैं। आइए जानते हैं इन बदलावों का आपकी जेब और दैनिक जीवन पर क्या असर पड़ेगा। यूपीआई नियमों में बदलाव धोखाधड़ी रोकने के लिए भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने सभी यूपीआई ऐप्स पर एक नया सुरक्षा उपाय लागू किया है। इसके तहत अब पेमेंट करने से पहले लाभार्थी का बैंक-रजिस्टर्ड सत्यापित नाम दिखाई देगा। यह कदम पहचान से जुड़ी धोखाधड़ी और अनजाने में गलत खाते में पैसे जाने जैसी समस्याओं को खत्म करने में मदद करेगा। पैन कार्ड और एटीएम से जुड़े नए नियम पैन कार्ड से जुड़े नियमों में बदलाव करते हुए अब 50,000 रुपए से अधिक की दैनिक नकद जमा पर पैन की अनिवार्यता खत्म हो गई है। वहीं प्रॉपर्टी की खरीद-बिक्री में पैन की सीमा 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख रुपए कर दी गई है। हालांकि, सालभर में 10 लाख रुपए से अधिक की नकद निकासी पर पैन रिपोर्टिंग लागू रहेगी। एटीएम ट्रांजेक्शन के लिए, कई प्रमुख बैंकों ने निःशुल्क मासिक लेनदेन की सीमा (आमतौर पर 3 से 5) का सख्ती से पालन करना शुरू कर दिया है। इस सीमा के समाप्त होने पर, कैश निकासी, मिनी-स्टेटमेंट और बैलेंस पूछताछ सहित अन्य सेवाओं के लिए लगने वाले शुल्क में वृद्धि होगी।

भारत-ओमान समझौता-होर्मुज की अस्थिरता में ऊर्जा सुरक्षा की नई राह

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत और ओमान के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) सिर्फ द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने से कहीं अधिक रणनीतिक महत्व रखता है। आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई (ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव) के अनुसार, ओमान की अद्वितीय भौगोलिक स्थिति, जिसका अधिकतर तट होर्मुज जलडमरूमध्य के बाहर स्थित है, भारत के लिए क्षेत्रीय संघर्ष या भू-राजनीतिक अस्थिरता के दौरान एक विश्वसनीय व्यापार और ऊर्जा मार्ग सुनिश्चित करती है। यह समझौता भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा एवं आर्थिक सुरक्षा में एक महत्वपूर्ण निवेश है। जीटीआरआई ने रेखांकित किया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में से एक है, जो वैश्विक दैनिक तेल खपत का लगभग 20 प्रतिशत और समुद्री तेल व्यापार का 25 प्रतिशत संभालता है। हालांकि, अमेरिका-ईरान संघर्ष जैसी भू-राजनीतिक अस्थिरता के कारण यह मार्ग अक्सर जोखिमपूर्ण या भीड़भाड़ वाला हो जाता है, जिससे सऊदी अरब, कतर और संयुक्त अरब अमीरात जैसे प्रमुख खाड़ी देशों से भारत को तेल एवं गैस की आपूर्ति प्रभावित हुई है और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई है। इसके विपरीत ओमान का बड़ा तटीय क्षेत्र होर्मुज जलडमरूमध्य के बाहर, सीधे अरब सागर और ओमान की खाड़ी पर स्थित है। इससे सलालाह और दुक्म जैसे उसके प्रमुख बंदरगाह किसी भी व्यवधान के बावजूद भारत के लिए सुलभ रहते हैं। जीटीआरआई ने कहा, इसी कारण खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष या अस्थिरता के समय भी ओमान एक भरोसेमंद व्यापार और ऊर्जा मार्ग बना रह सकता है। भारत-ओमान सीईपीए, जिस पर पिछले वर्ष दिसंबर में हस्ताक्षर किए गए थे और जो एक जून से लागू हो गया है, इसी रणनीतिक आवश्यकता को पूरा करता है। आंकड़ों से इस बात की पुष्टि होती है कि जब खाड़ी क्षेत्र में अस्थिरता के कारण एक अवधि में अन्य प्रमुख खाड़ी देशों से भारत का आयात घट गया, तब ओमान एक अपवाद बना। ओमान से भारत का आयात 246.4 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.5 अरब डॉलर हो गया, जिसका मुख्य कारण कच्चे तेल और यूरिया की अधिक खरीद रही।

मेष- आज घर में किसी खास मेहमान के आने से रौनक और खुशियों का माहौल बना रहेगा। आप उनकी खातिरदारी में व्यस्त रहेंगे और परिवार के साथ बिताया गया समय रिश्तों में नई मिठास घोल देगा। पुराने मनमुटाव भी धीरे-धीरे खत्म होते नजर आएंगे। कामों को टालने की आदत आज नुकसान दे सकती है, इसलिए जरूरी काम समय पर निपटाएं। किसी सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने का मौका मिलेगा, जहां आपकी मौजूदगी लोगों को प्रभावित करेगी। साथ ही, अपने व्यस्त शेड्यूल में जीवनसाथी के लिए समय निकालना बेहद जरूरी रहेगा।

वृषभ- आज अतीत की कोई पुरानी गलती अचानक सामने आ सकती है, जिससे रिश्तों में थोड़ी खटास आने की संभावना है। विरोधियों की बातों में आकर कोई निवेश करना नुकसानदायक साबित हो सकता है, इसलिए हर कदम सोच-समझकर बढ़ाएं। अच्छी बात यह है कि जीवनसाथी हर परिस्थिति में आपके साथ मजबूती से खड़े रहेंगे। संतान का जिद्दी स्वभाव आपकी चिंता बढ़ा सकता है, इसलिए उन्हें प्यार और समझदारी से संभालने की जरूरत होगी।

मिथुन- आज धन और आर्थिक मामलों में किस्मत आपका साथ देगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और रुके हुए काम भी पूरे होने की संभावना है। यदि कोई प्रोजेक्ट या काम पैसों की वजह से अटका हुआ था, तो अब उसमें गति आएगी। सरकारी कामों को लेकर लापरवाही बिल्कुल न करें। आप अपने भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए किसी अच्छी योजना में निवेश करने का विचार कर सकते हैं।

कर्क- आज लेन-देन और पैसों से जुड़े मामलों में बेहद सावधानी बरतने की जरूरत है। आपके भीतर आगे बढ़ने और खुद को साबित करने की जबरदस्त इच्छा रहेगी। मेहनत से पीछे हटना आपके स्वभाव में नहीं होगा। परिवार में किसी से किया हुआ वादा निभाने के लिए आपको समय निकालना पड़ेगा। घूमने-फिरने का प्लान बन सकता है, लेकिन खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा।

सिंह- आज आपकी मीठी वाणी और विनम्र व्यवहार आपको लोगों के बीच खास पहचान दिलाएगा। समझदारी से कही गई बातें आपके रिश्तों को मजबूत बनाएंगी। आप तरक्की की ओर तेजी से कदम बढ़ाएंगे और पुराने कर्ज उतारने की कोशिश में भी सफल हो सकते हैं। परिवार में एकजुटता और अपनापन बना रहेगा। हालांकि दिखावे के चक्कर में ज्यादा खर्च करना आपकी जेब पर भारी पड़ सकता है।

कन्या- आज का दिन सामान्य लेकिन संतुलित रहेगा। प्रॉपर्टी से जुड़ी कोई पुरानी डील आखिरकार फाइनल हो सकती है, जिससे मन को राहत मिलेगी। स्वादिष्ट भोजन और जीवनसाथी के साथ बिताए गए पल रिश्तों में और गहराई लाएंगे। कहीं घूमने जाने का प्लान बने, तो माता-पिता का आशीर्वाद लेकर ही निकलें।

तुला- आज आपको हर फैसला सोच-समझकर लेने की जरूरत होगी। परिवार में किसी सदस्य की सेहत को लेकर चिंता बढ़ सकती है और जरूरी मेडिकल टेस्ट भी कराने पड़ सकते हैं। सामाजिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा, जहां आपकी सक्रियता और ईमानदारी लोगों को प्रभावित करेगी।

वृश्चिक- आज का दिन धैर्य और संयम से काम लेने का संदेश दे रहा है। जल्दबाजी में लिया गया कोई फैसला नुकसान पहुंचा सकता है। आप अपने लिए शॉपिंग कर सकते हैं और खुद पर खर्च करने का मन भी बनेगा। माता-पिता के आशीर्वाद से प्रॉपर्टी से जुड़ी कोई अच्छी खबर मिल सकती है। आय में बढ़ोतरी होने से मन प्रसन्न रहेगा।

धनु- आज सेहत को लेकर थोड़ा सतर्क रहने की जरूरत है। खान-पान में लापरवाही परेशानी बढ़ा सकती है, इसलिए खुद का ध्यान रखें। लंबे समय से जिस घर या प्रॉपर्टी को खरीदने की कोशिश कर रहे थे, उसमें सफलता मिलने के संकेत हैं। संतान की ओर से कोई खुशखबरी आपका दिल खुश कर सकती है।

मकर- आज विद्यार्थियों के लिए दिन बेहद शानदार रहेगा। परीक्षा या पढ़ाई से जुड़े परिणाम उम्मीद से बेहतर आ सकते हैं, जिससे परिवार में खुशी का माहौल बनेगा। आपके सम्मान में छोटी-सी पार्टी या सेलिब्रेशन भी हो सकता है। घूमने-फिरने की योजना बने, तो खर्चों पर नियंत्रण जरूर रखें। आय और खर्च के बीच संतुलन बनाकर चलेंगे, तो आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी।

कुंभ- आज कार्यक्षेत्र में किसी की बात आपको दिल पर लग सकती है, जिससे रिश्तों में तनाव बढ़ने की संभावना है। हालांकि बॉस की सलाह और निर्देशों को गंभीरता से लेना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। लेन-देन से जुड़े मामलों में पूरी सतर्कता रखें। संतान को नौकरी या करियर के सिलसिले में कहीं बाहर जाना पड़ सकता है। पारिवारिक बिजनेस में सुधार देखने को मिलेगा, जिससे मन में संतोष और खुशी बनी रहेगी।

मीन- आज का दिन आपको धैर्य और समझदारी बनाए रखने की सीख देगा। दूर रहने वाले किसी रिश्तेदार से निराशाजनक खबर मिल सकती है, लेकिन भावनाओं पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा। खर्चों को नियंत्रित रखें, क्योंकि जल्दबाजी में लिया गया फैसला नुकसान करा सकता है। घर-परिवार की समस्याएं मन को परेशान कर सकती हैं, लेकिन यदि आप शांत रहकर काम लेंगे, तो धीरे-धीरे हालात संभल जाएंगे।

शब्दजाल - 8277

स	रा	जें	द्र	कु	मा	री	वा	ज	पे	यी
द	स	ल	प्रे	व	जी	स	द	ह	कां	रा
वि	स	रो	म	र	ज	वी	पा	ल	ख	म
शा	स	से	जि	दि	वा	स	ध	वं	श	दु
र	आ	र	ग	नी	ज	ना	तू	द्रा	ड	ला
दा	ल	ला	र	दि	ना	उ	ती	व	घ	री
मु	व	ले	मी	या	प	य	ज	ती	व	सि
ख	एं	वा	ई	द	ब	क	डू	ए	श	ब्र
जी	ड	ल	कु	मु	द	बे	न	जो	शी	आ
क	गों	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	ल	द
वि	ज	य	ल	क्ष्मी	पं	डि	त	व	प	म

शब्द जाल में 10 महिला राज्यपालों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

सरोजिनी नायडू, विजयलक्ष्मी पंडित, शारदा मुखर्जी, कुमुदबेन जोशी, सरला ग्रेवाल, रामदुलारी सिन्हा, चंद्रावती, शीला कौल, राजेंद्रकुमारी वाजपेयी, रजनी पाल.

शब्दजाल - 8276 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

2 जून को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

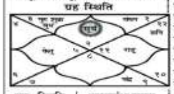

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.10 बजे से
चंद्र	धनु में	कर्क	08.24 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	10.40 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	12.52 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	15.03 बजे से
शुक्र	मिथुन में	वृश्चिक	17.17 ब.से
शनि	मीन में	धनु	19.33 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	21.38 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	23.25 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		मीन	00.58 बजे से
		मेष	02.28 बजे से
		वृष	04.08 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 153 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** कृष्ण
तिथि द्वितीया 19.02 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मूल 22.07 बजे को समाप्त।
योग साध्य 07.16 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 05.50 बजे तदनन्तर गर 19.02 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 16.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 10'
सूर्य उत्तरायण
कलि अहर्गण 1872728
जूलियन दिन 2461193.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्हेज
तारीख 16

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7221

ऊपर से नीचे:-

१. अक्षयकुमार, करीना, प्रियंका की 'नज़र आ रहा है' गीत वाली फिल्म-४
२. 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
३. 'मिर्ची रे मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३
४. 'दुल्हन बनती हैं नसीबों वालियां' गीत वाली रणधीर कपूर, बबीता की फिल्म-२
५. अनिलकपूर, अक्षयकुमार वाली फिल्म 'बेवफा' की नायिका कौन है-३
६. 'डोन्ट से नो' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेषाद्रि की फिल्म-३
७. 'जैसी करनी वैसी भरनी' गीत वाली राजकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की फिल्म-४
१०. गोविंदा, करिश्मा की 'अआ ई उ ऊ ओ मेरा दिल ना तोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
११. 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली मिथुन, शत्रुघ्न, अनिता राज, हेमा की फिल्म-४
१३. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तिनका तिनका जरा जरा' गीत वाली जॉन अब्राहम, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-३
१८. राजकुमार, मनोजकुमार, वहीदा की 'खाली डब्बा खाली बोतल' गीत वाली फिल्म-५
२०. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
२३. 'ये लड़की जरा सी दीवानी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२५. नसीरुद्दीनशाह, रवीना, स्मिता पाटिल की 'तू क्या जाने तुझे' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'दिल के टुकड़े टुकड़े करके' गीत वाली अमजद खान, विदियासिन्हा की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'किसी नज़र को तेरा' गीत वाली राज बब्बर, सुरेश, डिम्पल की फिल्म-४
३. बॉबी, लारा, गुल पनाग की 'मैं यहां तू कहां' गीत वाली फिल्म-२
५. जैकी श्राफ, अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'न जइयो परदेस' गीत वाली फिल्म-३
६. सनी, मीनाक्षी, ममता की फिल्म-३
८. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'छेड़ ना मुझ को' गीत वाली फिल्म-३
९. फिल्म 'आखिरी डाकू' में नायिका-२,२
११. 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-२
१२. सनी, तब्बू, रिमा सेन की फिल्म-२
१३. शशिकपूर, शबाना आज़मी की 'तोता मैना की कहानी तो' गीतवाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'बारिश' में नायिका कौन थी-२
१५. सलमान, नगमा की 'कैसा लगता है अच्छा लगता है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तू कितने बरस की' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१७. फिल्म 'सिपाही' में नायक कौन था-२
१९. 'सजना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२१. धारावाहिक 'एहसास' में 'रचना' द्वारा निभाया गया बड़ी बहू का पात्र-३
२२. 'पुलिस केस ना' गीत वाली जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की फिल्म-३
२४. अमिताभ, वहीदा, नीतू, की 'हर घड़ी बदल रही' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'पराई हूँ पराई' गीत वाली शशिकपूर, आशा की फिल्म-४
२८. संजयदत्त, पूनम की 'तेरे दिल को तू जाने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी की फिल्म-२
३०. राजबब्बर, रेखा की 'राधारानी ना नाचे यमुना' गीत वाली फिल्म-३
३१. सलमान, स्नेहा की एक फिल्म-२
३२. फारुख शेख, पूनम की 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7220

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः उदारता की राह

पंडित मदनमोहन मालवीय का कहना था कि यदि मूक जीवों का कष्ट समझकर हम इंसान उनके हित में कुछ कर सकें तो शायद इससे बढ़कर दूसरा कोई पुण्य नहीं होगा। यह बात उनके आचरण में हमेशा दिखती थी। उनके भीतर प्राणी मात्र के लिए दया थी। इससे जुड़ी एक घटना बड़ी वर्णित है। मालवीय जी किसी जरूरी काम से कहीं पैदल जा रहे थे। रास्ते में उन्हें एक कुत्ता छटपटाता दिखाई दिया। उसके कान के पास एक घाव था और वह पीड़ा के मारे इधर-उधर भाग रहा था। उसकी कराह सुनकर मालवीय जी से रहा नहीं गया। उन्होंने अपना काम निपटाने का विचार छोड़ा और पशु चिकित्सालय दौड़ते हुए गए। वैद्य जी को कुत्ते की तकलीफ बताकर दवा मांगी। वैद्य जी ने दवा तो दे दी, मगर बोले, 'मदनमोहन, ऐसे कुत्ते प्रायः पागल हो जाते हैं। छूने पर काट भी लेते हैं। तुम इस खतरे में न पड़ो तो अच्छा है।' किंतु मालवीय जी नहीं माने। वह कष्ट में पड़े किसी प्राणी से मुंह नहीं फेर सकते थे। उन्होंने दवा लेकर एक लंबे बांस में कपड़ा लपेटा और कुत्ते को ढूंढने लगे। कुत्ता एक संकरी गली में बैठा था। मालवीय जी ने पहले कपड़े पर दवा लगाई फिर बांस की सहायता से कुत्ते को दवा लगाना शुरू किया। कुत्ता गुर्राता, दांत निकालता और झपटने की भी कोशिश करता रहा, किंतु मालवीय जी बिना डरे उसे दवा लगाते रहे। जब कुत्ते की पीड़ा कम हुई तो वह सो गया। तब मालवीय जी को शांति मिली और वह अपने कार्य के लिए रवाना हुए।

सूडोकु नवताल- 7530

★☆☆☆☆ सरल

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4				8		
7	5		8				2	4
			6				7	9

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7529 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्द पहेली - 8745

बाएँ से दाएँ

1. कवि की रचना, गजल-3
3. अनुमान, अंदाज-3
5. सद्पुरुष-2
6. अयोग्य, असंगत -2
8. स्वार्थ, लोभ-4
10. सहयोग, सहकार-3
11. उन्माद, सनक-3
12. भगवान का अराधक-2
13. ठंडक, शीतलता-2
14. दूल्हे के सिर पर बांधी जाने वाली पगड़ी-3
16. चांदी-3
18. गंवारपन, अशिष्टता-4
20. पैंदा, तला-2
22. वर्तमान दिन-2
23. बहने का भाव-3
24. गमन, विदा होना-3

ऊपर से नीचे

1. हुनर, फन, आर्ट-2
2. बल, दम, जोर-3
3. समीप, नजदीक-3
4. गलत का विलोम-2
5. भ्रम, संदेह-3
7. उपनदी, कैनाल-3
8. नशे से भरपूर-4
9. लाख, सौ हजार-2
11. स्वभाव, आदत-4
14. स्वास्थ्य-3
15. इस जगह-2
17. तहजीब, शिष्टता-3
18. इकट्ठा होना-3
19. रेखा, लाइन-3
21. होठ, अधर-2
22. आगमन-2

शब्द पहेली - 8744 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

रेत की व्यवस्था किए जाने की मांग को लेकर सरपंच संघ ने सौंपा ज्ञापन

तीन दिनों में मांग पूरी न होने पर किया जाएगा आंदोलन - ललीत कबीरे, अध्यक्ष सरपंच संघ

पद्मेश न्यूज। लांजी।

जनपद पंचायत लांजी अंतर्गत ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्यों के लिए रेत उपलब्ध नहीं होने से विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इस संबंध में सरपंच संघ ब्लॉक लांजी ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) लांजी को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र रेत व्यवस्था कराने की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया है कि जिन निर्माण कार्यों के टेंडर (टी.एस.) स्वीकृत हो चुके हैं, उन्हें निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करना अनिवार्य है। लेकिन रेत की अनुपलब्धता के कारण अधिकांश निर्माण कार्य बंद पड़े हैं, जिससे पंचायतों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सरपंच संघ अध्यक्ष ललीत कबीरे के नेतृत्व में सभी सरपंच साथियों ने मिलकर 1 जून को अनुविभागीय कार्यालय पंहुचकर कलेक्टर बालाघाट के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा तथा अतिशिघ्र पंचायतों रेत व्यवस्था की मांग करते हुये आंदोलन की चेतावनी दी है। सरपंच संघ के अध्यक्ष ललित कबीरे ने प्रशासन से मांग की है कि स्थानीय स्तर पर रेत निकासी की अनुमति प्रदान की जाए तथा रॉयल्टी व अन्य प्रक्रियाओं के लिए संबंधित अधिकारी की नियुक्ति कर रेत उपलब्ध कराई जाए, ताकि विकास कार्यों को गति मिल सके। ज्ञापन में यह भी चेतावनी दी गई है कि यदि 03 दिवस के भीतर समस्या का समाधान नहीं किया गया तो जनपद क्षेत्र के समस्त सरपंच अपने मुख्यालयों एवं जनपद पंचायत लांजी के समक्ष भुख हड़ताल पर बैठने को बाध्य होंगे। सरपंच संघ का कहना है कि रेत संकट के कारण पंचायतों में चल रहे निर्माण कार्य ठप पड़े हैं, जिससे ग्रामीण विकास कार्यों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। संघ ने प्रशासन से जनहित को देखते हुए तत्काल आवश्यक कदम उठाने की मांग की है।

टेमनी सरपंच के पक्ष में आया सरपंच संघ

वहीं बीते दिनों राजस्व, पुलिस एवं खजिन विभाग के द्वारा ग्राम पंचायत टेमनी के सरपंच के घर में पैरे नीचे रेत भण्डारण को लेकर जो कार्यवाही हुई है उस पर भी नाराजगी जताते हुये कहा कि टेमनी पंचायत क्षेत्र की बड़ी पंचायतो ते से एक है यहां तकरीबन 2 करोड़ से अधिक के कार्यो के टीएस हुये होंगे जिसके लिये रेत की आवश्यकता है। अब पंचायतो के निर्माण कार्य भी सरपंच ना कराये ऐसा नही हो सकता । शासकीय कार्यो के लिये ही रेत की निकासी सरपंच के द्वारा की गई होगी। हम सभी सरपंच साथी ग्राम पंचायत टेमनी सरपंच के साथ है।

विधायक राजकुमार करांहे से की चर्चा

सरपंच संघ अध्यक्ष ललीत कबीरे एवं अन्य सरपंच साथियों ने रेत के विषय को लेकर क्षेत्रीय विधायक राजकुमार करांहे से भी चर्चा की है। आपने कहा कि वे सत्ता पक्ष के विधायक है। वे प्रशासन के साथ बैठकर पंचायतो मे रेत की व्यवस्था करायें। विधायक जी को पता है क्षेत्र में लगातार विकास कार्य संचालित है जिनमे अनेको कार्य विधायक निधी एवं अन्य मदो से किये जा रहे है। गरीबो को पीएम आवास के लिये रेत उपलब्ध नही हो पा रही है ऐसे में कैसे पंचायत क्षेत्रो में विकास के कार्य संपादित होंगे। पंचायत स्तर पर अतिशिघ्र रेत की व्यवस्था कराई जाये अन्यथा लांजी ब्लॉक सरपंच संघ आगामी 3 दिनो के पश्चात एक बड़ा आंदोलन करेगा। इस दौरान सरपंच संघ अध्यक्ष ललीत कबीरे, ताराचंद कुचलाहे संघ सचिव, नेहल गौतम उपाध्यक्ष, राम ठाकरे संरक्षक, रोशन दहेमाल, लिकेश ऐडे, अरूण कबीरे, गणेश बागड़े, राजू सोयाम, श्रीराम आचरे, ओमप्रकाश दौने, राजकुमार घोरमारे, ओंकार रहांगडाले, गणेश नारनौरे, संतोष बुढावने सहित जनपद क्षेत्र के सभी सरपंच साथी उपस्थित रहें।

भीषण गर्मी के बीच नौतपा आज होगा समाप्त, प्री-मानसून ने दी राहत और चुनौती दोनों

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र में पिछले नौ दिनों से जारी भीषण गर्मी और तेज धूप का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। ज्येष्ठ माह के नौ तापा के दौरान तापमान लगातार 40 से 45 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रहा, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा छा गया और लोग घरों में रहने को मजबूर रहे। नौ तापा के दौरान गर्म हवाओं (लू) और तेज धूप के कारण लोगों को सिर दर्द, चक्कर और थकान जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं, शीतल पेय, फलों के रस और ठंडे पानी की मांग में तेज़ी आई। बाजारों में ठंडे पेय और बर्फ की बिक्री बढ़ी और मेडिकल

क्लीनिकों में लू के कारण हल्की-फुल्की शिकायतों के मरीजों का आना सामान्य बात बनी रही। किसानों और मज़दूरों के लिए यह दौर और भी कठिन रहा। खेतों में काम करने वाले दैनिक मजदूर और खेतिहर कृषि कर्मी दोपहर के समय काम रोककर ठंडी जगहों में शरण लेते दिखे। कई स्थानों पर फसलों पर भी गर्मी का नकारात्मक असर देखा गया, जिससे किसान चिंतित हैं। नौ तापे के अंतिम चरण में शाम के समय आसमान में बादल छाने लगे और तापमान में गिरावट के संकेत मिले। मौसम विभाग के अनुसार प्री-मानसून सक्रिय हुआ और तेज़ आंधी-तूफ़ान के साथ कई स्थानों पर अचानक बरसात भी हुई। इस तेज हवा और तूफ़ानी बारिश से शहरी क्षेत्रों में टीनशील्ड छतों को नुकसान हुआ तो ग्रामीण इलाकों में कच्चे मकानों और घास-फूस (कवेलु) से बने छत उड़ते हुए देखे गए। कुछ परिवारों को अस्थायी तौर पर कठिनाइयों का सामना करना पड़ा और स्थानीय प्रशासन एवं स्वयंसेवक राहत कार्यों में जुट गए। मौसम विशेषज्ञों ने बताया कि नौ तापा के समाप्त होने के बाद क्षेत्र में धीरे-धीरे तापमान में कमी आने तथा प्री-मानसून गतिविधियों में वृद्धि होने की संभावना है, जिससे लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिल सकती है। हालांकि उन्होंने कहा कि अभी भी दिन में तेज धूप और गर्मी का प्रभाव बना रह सकता है, इसलिए बाहर निकलते समय सावधानी बरतने, पर्याप्त पानी पीने और लू से बचाव के उपाय अपनाने की सलाह दी जा रही है। स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने सार्वजनिक स्थानों पर पानी और शरण स्थान उपलब्ध कराने का आदेश दिया है। साथ ही नागरिकों से अपील की गई है कि वे बच्चों और बुजुर्गों को धूप में बाहर न भेजें, हल्का और ढीला कपड़ा पहनें और किसी भी उपाय के लिए तत्कालीन स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें। किसान अब मानसून की पहली बारिश का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बारिश से मौसम सुहावना होने के साथ-साथ फसलों और पानी की स्थिति में भी सुधार की उम्मीद है। मौसम अनुकूल रहने पर किसान खेतों में अपने कृषि कार्य तेज़ी से शुरू करते नज़र आएँगे।

कृषि विज्ञान केंद्र बड़गांव में हुआ 'मन की बात' कार्यक्रम का आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राणा हनुमान सिंह कृषि विज्ञान केंद्र, बड़गांव में 31 मई 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 134वें एपिसोड का वर्चुअल प्रसारण किसानों को दिखाया गया। कार्यक्रम का आयोजन जनपद पंचायत किरनापुर के अध्यक्ष श्री कल्याण सिंह राणा के मुख्य आतिथ्य में किया गया, जिसमें 100 से अधिक किसानों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में उपसंचालक

कृषि फूलसिंह मालवीय, कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. एस.आर. धुवारे, बड़गांव के उपसरपंच श्री बिरनवार, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्रीमती वनिता रंगारे सहित प्रगतिशील कृषक मुकेश गौतम और रामेश्वर चौरीवार उपस्थित रहे। 'मन की बात' कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को संबोधित करते हुए सैनिकों के प्रति सम्मान और योगदान की भावना को बढ़ावा देने वाले एक प्रेरक उदाहरण का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि कुछ विद्यार्थियों ने सैनिकों के लिए प्रतिदिन एक रुपये का योगदान देने का संकल्प लिया, जिससे वर्षभर में उल्लेखनीय राशि एकत्र हुई। प्रधानमंत्री ने इस पहल से जुड़े छात्रों और संस्थानों की सराहना की। प्रधानमंत्री मोदी ने बढ़ती गर्मी के मद्देनजर लोगों को पारंपरिक और स्वास्थ्यवर्धक पेय पदार्थों जैसे आम पन्ना, लस्सी, छाछ, सत्तू का शरबत, सोल कढ़ी, नीर मोर और बेल पना आदि के सेवन की सलाह दी। कार्यक्रम के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. एस.आर. धुवारे ने किसानों को आगामी खरीफ मौसम के लिए मौसम पूर्वानुमान के अनुसार 110 से 120 दिन में तैयार होने वाली शीघ्र एवं मध्यम अवधि की धान किस्मों की खेती करने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि शॉर्ट ड्यूरेशन वाली धान की उन्नत किस्में अधिक उत्पादन देने के साथ-साथ कीट एवं रोगों के प्रति भी अपेक्षाकृत सहनशील हैं। जनपद पंचायत अध्यक्ष कल्याण सिंह राणा ने किसानों से रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग को कम कर प्राकृतिक खेती अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती से लागत कम होने के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलती है। उपसंचालक कृषि फूलसिंह मालवीय ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि धान की पराली को जलाने के बजाय उसका उपयोग जैविक खाद बनाने में किया जाए। उन्होंने किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने, स्वयं बीज उत्पादन करने, रसायनों का संतुलित उपयोग करने तथा खेती को लाभकारी व्यवसाय बनाने के लिए आधुनिक एवं टिकाऊ कृषि तकनीकों को अपनाने की सलाह दी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में कृषि विज्ञान केंद्र की श्रीमती अन्नपूर्णा शर्मा एवं दिलीप कुमार शिव का विशेष योगदान रहा। किसानों ने कार्यक्रम के माध्यम से कृषि, पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक खेती से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं।

टीएल बैठक में समय सीमा प्रकरणों की हुई समीक्षा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 01 जून को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में टीएल बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में कलेक्टर मृणाल मीना ने विभिन्न विभागों के समय-सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री जी.एस. धुर्वे, श्री डी.पी. बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, मायाराम कोल, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव, एसडीएम गोपाल सोनी एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ एवं नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उपस्थित रहे।

किसानों के लिए उर्वरक उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश

बैठक में जिला विपणन अधिकारी एवं उपसंचालक कृषि को निर्देशित किया गया कि किसानों के लिए जिले में उर्वरक की सतत आपूर्ति सुनिश्चित करें। किसानों की आवश्यकता के अनुसार उर्वरक की आपूर्ति के लिए उच्च स्तर पर सम्पर्क कर जिले में मालगाडी के रेक लाने का कार्यक्रम निर्धारित करें। जिले को किसी भी सोसायटी में उर्वरक की कमी न होने दे। किसानों को ई-टोकन के माध्यम से ही उर्वरक का वितरण किया जाए।

कान्हा बफर जोन में आवारा कुत्तों का टीकाकरण प्राथमिकता पर

उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवायें को निर्देशित किया गया कि कान्हा टाईगर रिजर्व के बफर जोन में आवारा कुत्तों का टीकाकरण कार्य प्राथमिकता से और निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कराए, जिससे टाईगर रिजर्व के बाघों में संक्रामक बीमारी न फैल सकें। मुख्य नगर पालिका अधिकारी बालाघाट को आवारा कुत्तों के बधियाकरण एवं देवी तालाब की साफ सफाई का कार्य तत्परता के साथ कराने के निर्देश दिये गए।

बैगा उत्थान और धरती आबा अभियान की समीक्षा

जनजातीय कार्य विभाग द्वारा विशेष पिछडी जनजाति बैगा के उत्थान एवं धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के चिन्हित ग्रामों में चलाये गए सबसे दूर सबसे पहले अभियान की समीक्षा की गई। इस दौरान इस अभियान में प्राप्त आवेदनों का त्वरित निराकरण करने और पात्र लोगो को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिये गए। वन अधिकार पट्टा प्राप्त करने वाले किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना, बीज वितरण योजना एवं अन्य सभी योजनाओं का प्राथमिकता से लाभ दिलाने कहा गया।

गेहूं उपार्जन और किसानों के भुगतान की स्थिति

समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में किसानों से 22 करोड रुपए का गेहूँ समर्थन मूल्य पर खरीदा गया है। इसमें से 21 करोड 17 लाख रुपए का भुगतान किसानों को कर दिया गया है। जिन किसानों का धान का भुगतान लंबित था, वह भी किसानों को भुगतान कर दिया गया है। जिले के किसानों का धान का 01 करोड 30 लाख रुपए का भुगतान शेष था, अब यह राशि किसानों के खाते में पहुंच गई है।

पेट्रोल पंपों पर सख्ती के निर्देश, बिना नंबर के वाहनों को नही मिलेगा डीजल, पेट्रोल

कलेक्टर श्री मीना ने जिला आपूर्ति अधिकारी को निर्देशित किया कि जिले के किसी भी पेट्रोल पंप पर बिना नंबर की गाडी या वाहन को डीजल-पेट्रोल का प्रदाय न किया जाए। इसी प्रकार पेट्रोल पंप से प्लास्टिक की बॉटल या केन आदि में डीजल-पेट्रोल का प्रदाय नही होना चाहिए। यदि किसी पंप संचालक द्वारा इसका पालन नही किया जाता है तो उसके विरूद्ध सख्त कार्यवाही करें। किसानों को ट्रेक्टर आदि के लिए डीजल ड्रम लेकर आने पर ही दिया जाएगा। जिन किसानों को अपने कृषि कार्यों के लिए डीजल की आवश्यकता होगी तो उन्हें ड्रम लेकर ही पंप पर जाना होगा। कृषि कार्यों में उपयोग होने वाले ट्रेक्टर का आरटीओ में पंजीयन या नंबर होने पर ही उन्हें डीजल दिया जाएगा।

आंगनवाड़ी शौचालय और स्वास्थ्य योजनाओं पर फोकस

महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी को आंगनवाडी केंद्रो में स्वीकृत शौचालय के कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिये गए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया गया कि ड्रग ईस्पेक्टर विश्वकर्मा की वेतन वृद्धि रोकने की कार्यवाही करें। इसके साथ ही उन्हें जननी सुरक्षा योजना एवं प्रसुति सहायता योजना के लंबित प्रकरणों का शीघ्रता से निराकरण कर हितग्राही महिलाओं को राशि वितरण करने के निर्देश दिये गए। पीएम राहत योजना के अंतर्गत दुर्घटना में घायलों के उपचार के प्रकरणों का तत्परता के साथ निराकरण करने कहा गया।

अधोसंरचना परियोजनाओं में तेजी लाने के निर्देश

लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग के एसडीओ को निर्देशित किया गया कि वारासिवनी-गर्रा रोड पर बन रहे रोड ओव्हरब्रिज का शेष कार्य शीघ्रता से पूर्ण करायें। इसी प्रकार भटेरा रोड पर रोड ओव्हरब्रिज के काम में गति लाने के निर्देश दिये गए। उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाए एवं अग्रणी बैंक प्रबंधक को कामधेनु योजना के ऋण प्रकरणों का शीघ्रता से निराकरण कर ऋण वितरण कराने के निर्देश दिये गए। अक्षय ऊर्जा अधिकारी को सोलर कृषि पंप के लिए कुसुम-बी योजना के प्रकरणों में गति लाने के निर्देश दिये गए। आईटीआई के प्रचार्य को निर्देशित किया गया कि जिले के सभी आईटीआई में प्रवेश उत्सव मनाने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की जाए और यह सुनिश्चित करें कि सभी आईटीआई में सभी सीट भर जाए।

सीएम हेल्पलाइन और लोक सेवा गारंटी मामलों का समयबद्ध निराकरण

बैठक में सीएम हेल्पलाईन एवं लोक सेवा गारण्टी अधिनियम के प्रकरणों की समीक्षा की गई। इस दौरान निर्देशित किया गया कि इन प्रकरणों का तत्परता के साथ समय सीमा में निराकरण कराया जाए। लोक सेवा गारण्टी के प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण नही होने पर जिम्मेदार अधिकारी के विरूद्ध जुर्माना लगाने की कार्यवाही की जाए। कृषि एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को सार्थक एप्स से उपस्थिति अनिवार्य रूप से लगवाने के निर्देश दिये गए।

अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्यों ने राज्यपाल मंगूभाई पटेल से की भेंट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों ने सोमवार को राज्यपाल से सौजन्य भेंट कर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं तथा जनजातीय वर्ग के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। 01 जून 2026 को मध्यप्रदेश अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष रामलाल रौतेल के नेतृत्व में आयोग के सदस्य भगत सिंह नेताम, मंगल सिंह धुर्वे तथा सचिव सीमा सोनी ने भोपाल में मंगूभाई पटेल से मुलाकात की। इस अवसर पर आयोग के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल श्री पटेल को उनके जन्मदिन की शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की। भेंट के दौरान अनुसूचित जनजाति समुदाय के सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक उत्थान के लिए संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों पर भी विस्तृत चर्चा की गई। प्रतिनिधिमंडल ने जनजातीय क्षेत्रों में विकास कार्यों की प्रगति, कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा आदिवासी समुदाय के हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। राज्यपाल ने जनजातीय वर्ग के सर्वांगीण विकास के लिए राज्य सरकार एवं विभिन्न संस्थाओं द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर संतोष व्यक्त करते हुए योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल दिया।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

रिटायर्ड जज गिरिबाला और समर्थ रहे मौजूद - पीएम के समय लिगेचर बेल्ट जमा नहीं कराने पर एसआई भी जॉच के दायरे में

ट्विशा की 80 किलो की डमी लेकर घटनास्थल पहुंची सीबीआई, 3 घंटे तक किया सीन रिक्रिएशन

ट्विशा को गर्भपात की सलाह देने वाले और मनोवैज्ञानिक डॉक्टर को भी किया तलब

भोपाल। मॉडल व एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा मौत मामले में सीबीआई ने जांच को निर्णायक मोड़ पर पहुंचाते हुए घटनास्थल का सीन रीक्रिएशन किया। सीबीआई की विशेष टीम सुबह चार इमली स्थित क्षेत्रीय कार्यालय से कड़ी सुरक्षा के बीच आरोपियों आरोपी समर्थ और उसकी मां गिरिबाला सिंह को लेकर रवाना हुई और सीधे बागमुगालिया स्थित पूर्व जिला न्यायाधीश गिरिबाला सिंह के निवास पर पहुंची, जो मामले में अहम घटनास्थल माना जा रहा है। जहां पूरे घटनाक्रम को दोबारा दोहराकर तथ्यों का मिलान किया गया। सीबीआई की टीम 80 किलो का डमी लेकर गिरिबाला के घर पहुंची थी, बेल्ट का ही फंदा बनाया गया। सीन रीक्रिएशन की कार्यवाही से यह पता लगाया जा रहा है, की गिरिबाला सिंह और समर्थ ने जो बयान में दिया है, वह कितना सही है।

- 80 किलो डमी पुतले के साथ पहुंची सीबीआई

सीबीआई की टीम सोमवार को गिरिबाला सिंह और समर्थ को लेकर उनके घर पहुंची। घर में कहां ट्विशा ने आत्महत्या की थी, फंदे से उसे कैसे उतारा गया था। सीबीआई ने मां-बेटे को घर ले जाकर पूरे घटनाक्रम का सीन रिक्रियशन किया। सूत्रो के मुताबिक पूछताछ में समर्थ ने बताया है, कि उसने ही ट्विशा को फंदे से उतारा था। जबकि मां गिरिबाला ने फंदे की गांठ खोली थी। रिक्रिएशन के लिए 80 किलो का डमी पुतला इस्तेमाल किया गया। इसके लिये सीबीआई ने अलग-अलग हाइट के डमी बनवाए हैं।

- लिगेचर की भी जांच, क्या बेल्ट झेल सकता था वजन

इसकी बिंदु की जाँच कारण यह है कि पहली पोस्टमार्टम रिपोर्ट और ट्विशा के परिवार ने ट्विशा की अलग-अलग हाइट बताई थी। समर्थ और गिरिबाला ने अपने बयान में जो कुछ भी बताया है, वह सब टीम घटनास्थल और परिस्थितियों से मेल खाता है या नहीं, इसकी जांच कर रही है। लिगेचर यानी उस बेल्ट की मजबूती की भी जांच की गई, जिसका फंदा बनाया गया। क्या वह बेल्ट इतना वजन झेल सकता था, इसलिये सीबीआई ने लिगेचर को भी परखा। जांच एजेंसी का फोकस अब वैज्ञानिक और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर यह तय करने पर है कि समर्थ के बयान में कितनी सच्चाई है, और घटनास्थल पर वास्तव में क्या हुआ था।

- आज खत्म होगी समर्थ और गिरिबाला की रिमांड

बता दें गिरिबाला और समर्थ सीबीआई की 5-5 दिन की रिमांड पर हैं। दोनों के रिमांड की समय अवधि 2 जून को खत्म होगी। जिसके बाद दोनों मां-बेटे को फिर से कोर्ट में पेश किया जाएगा। सीबीआई कोर्ट के सामने अपनी जांच रिपोर्ट रखते हुए आगे की जॉच के लिये दोनो को आगे रिमांड पर ले सकती है। अथवा दोनों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा सकता है।

- लिगरेचर बेल्ट रखने वाले एसआई पर गाज गिरने की आंशका

सूत्रो के अनुसार ट्विशा शर्मा मौत मामले में उजागर हुई एक लापरवाही ने जांच की दिशा मोड़ दी थी। ट्विशा शर्मा जिस बेल्ट से फांसी के फंदे पर लटकी मिली, उसे एसआई दिनेश शर्मा नियमानुसार पोस्टमार्टम के समय एम्स हॉस्पिटल में जमा नहीं कराया था। लिगेचर बेल्ट नहीं मिलने पर परिजनों ने हत्या का संदेह जताया था। जब लिगेचर बेल्ट को हड़कंप मचा, तो दो दिन बाद आनन-फानन में बेल्ट को जॉच के लिये फोरेंसिक लैब भेजा गया। सूत्रो का कहना है की इस लापरवाही पर सीबीआई सब इंस्पेक्टर दिनेश शर्मा पर एक्शन ले सकती है।

- ट्विशा की कंपनी भी आयेगी जॉच के दायरे में

जांच में यह भी खुलासा है की ट्विशा जिस कंपनी में जॉब करती थी, उसमें 6-7 महीने से सैलरी नहीं मिली थी, और ट्विशा के आरोपी पति समर्थ सिंह ने उस कंपनी में लाखो रुपए इंवेस्ट किए थे। ट्विशा को इतने समय तक सैलरी क्यों नहीं मिली इसकी जॉच के लिये सीबीआई कंपनी को भी जांच में शामिल कर सकती है।

- जांच के तीन प्रमुख बिंदु

सीबीआई इस मामले में फिलहाल तीन मुख्य बिंदुओं पर फोकस कर रही है। क्राइम सीन से कथित छेड़छाड़ की आशंका, सीसीटीवी फुटेज की जांच, डिजिटल साक्ष्यों का विश्लेषण। एजेंसी यह भी जांच कर रही है कि घटना के बाद किसी स्तर पर सबूतों से छेड़छाड़ या उन्हें प्रभावित करने का प्रयास तो नहीं किया गया।

- समर्थ सिंह की फरारी पर जांच

जांच में यह भी सामने आया है कि घटना के बाद आरोपी समर्थ सिंह करीब तीन दिन भोपाल और पांच दिन जबलपुर में फरार रहा था। अब सीबीआई इस दौरान उसकी मदद करने वाले लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है। एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है, कि फरारी के दौरान उसके मददगार कौन रहे है। इसे लेकर सीबीआई की जांच तेज कर दी गई है।

- गर्भपात की सलाह देने वाले और मनोवैज्ञानिक डॉक्टर को भी किया तलब

सीबीआई ने जांच का दायरा और बढ़ाते हुए ट्विशा के गर्भपात और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े पहलुओं की भी गहन पड़ताल कर रही है। इसी कड़ी में सीबीआई ने उस निजी अस्पताल की महिला डॉक्टर को पूछताछ के लिए समन जारी किया है, जिन्होंने कथित रूप से ट्विशा को मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी की सलाह दी थी। इसके साथ ही एक मनोचिकित्सक को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया है, जिनसे ट्विशा नियमित रूप से परामर्श लेती थीं। सीबीआई यह जानने का प्रयास कर रही है कि गर्भपात, मानसिक स्थिति और पारिवारिक परिस्थितियों के बीच कोई संबंध था या नहीं।

रायसेन जिले से केंद्रीय मंत्री चौहान ने शुरू किया राष्ट्रव्यापी 'खेत बचाओ अभियान'

भोपाल। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्य प्रदेश के रायसेन जिले के ग्राम रमासिया से राष्ट्रव्यापी 'खेत बचाओ अभियान' का शुभारंभ करते हुए किसानों को साफ संदेश दिया कि मिट्टी बचेगी तो खेती बचेगी, किसान मजबूत होगा और देश समृद्ध बनेगा। उन्होंने संतुलित उर्वरक उपयोग, मिट्टी परीक्षण, सॉयल हेल्थ कार्ड, प्राकृतिक खेती, जल संरक्षण और वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

1 से 30 जून तक देशभर में चलने वाले इस अभियान के शुभारंभ अवसर पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि धरती हमारी माता है और इसकी सेहत बचाना हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे अंधाधुंध रासायनिक खाद और कीटनाशकों का उपयोग न करें, बल्कि मिट्टी की जांच के आधार पर जरूरत के अनुसार ही उर्वरकों का प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि ज्यादा रासायनिक उपयोग से मिट्टी की उर्वरता घटती है और उसमें मौजूद लाभकारी सूक्ष्म जीव नष्ट होते हैं, जिसका सीधा असर उत्पादन और खेती की लागत पर पड़ता है। केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि 'खेत बचाओ अभियान' केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि धरती माता को बचाने का राष्ट्रीय संकल्प है। इस अभियान के तहत कृषि वैज्ञानिक, कृषि विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञ, कृषि विज्ञान केंद्रों के अधिकारी, कृषि विभाग की टीमें और जनप्रतिनिधि गांव-गांव जाकर किसानों को जागरूक करेंगे। किसानों को मिट्टी परीक्षण, संतुलित पोषण प्रबंधन, प्राकृतिक खेती, आधुनिक बुवाई तकनीक, जल संरक्षण और उन्नत खेती के तरीके सिखाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हर किसान का सॉयल हेल्थ कार्ड बनना जरूरी है, ताकि किसान अपनी जमीन की जरूरत समझकर खाद का उपयोग करे। इससे खेती की लागत कम होगी, उत्पादन बढ़ेगा और मिट्टी लंबे समय तक उपजाऊ बनी रहेगी। श्री चौहान ने स्पष्ट कहा कि सरकार किसानों को रियायती दरों पर उर्वरक उपलब्ध करा रही है, लेकिन इसका मतलब जरूरत से ज्यादा उपयोग नहीं है। सही मात्रा में खाद का उपयोग ही टिकाऊ खेती की कुंजी है। श्री चौहान ने कहा कि खेती को लाभकारी बनाना केंद्र सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि सोयाबीन, धान और दलहन फसलों के लिए क्षेत्र में विशेष प्रदर्शन किए जाएंगे। किसानों को उन्नत बीज, वैज्ञानिक बुवाई, लेजर लेवलर जैसी आधुनिक तकनीक और पानी बचाने वाली खेती के तरीके सिखाए जाएंगे। कृषि विज्ञान केंद्रों और विशेषज्ञ संस्थानों की मदद से नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने महिला सशक्तिकरण को भी अभियान से जोड़ा। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को रोजगार, आयवर्धन और स्वरोजगार से जोड़ा जाएगा। पात्र महिलाओं को समूहों से जोड़कर उन्हें प्रशिक्षण, वित्तीय सहयोग और छोटे व्यवसाय शुरू करने के अवसर दिए जाएंगे, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और परिवार की आय बढ़ा सकें।

युवाओं को लेकर भी श्री चौहान ने विशेष बात कही और कहा कि उनके लिए मार्गदर्शन और तैयारी के अवसर बढ़ाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास केवल सड़क, मकान और बुनियादी सुविधाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि गांव में रोजगार, आय और आत्मनिर्भरता के अवसर पैदा करना भी उतना ही जरूरी है।

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि रमासिया गांव से शुरू हुआ यह अभियान आगे चलकर जनभागीदारी का बड़ा आंदोलन बनेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से गांवों में पहुंचें, किसानों को तकनीकी सहायता दें और खेती को बचाने के इस संकल्प को जमीन पर उतारें। उन्होंने किसानों, महिलाओं और युवाओं से अपील की कि वे विकास अभियानों में सक्रिय भागीदारी करें, क्योंकि सरकार और समाज के संयुक्त प्रयासों से ही समृद्ध गांव, सशक्त किसान, आत्मनिर्भर महिलाएं और उज्ज्वल भविष्य का निर्माण संभव है।

सरकारी भर्तियों में बड़ा बदलाव, अब ईएसबी कराएगा मेडिकल टेस्ट

-नियुक्ति प्रक्रिया होगी पूरी तरह डिजिटल

भोपाल। मध्य प्रदेश में सरकारी भर्तियों की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, तेज और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) अब भर्ती प्रक्रिया के तहत चयनित अभ्यर्थियों का मेडिकल परीक्षण भी स्वयं कराएगा। इसके साथ ही नियुक्ति प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल स्वरूप दिया जाएगा, जिससे चयन और नियुक्ति में होने वाली देरी को कम किया जा सके।

नई व्यवस्था के तहत एक विशेष नियुक्ति पोर्टल विकसित किया जा रहा है, जिस पर चयनित अभ्यर्थियों के नाम, संयुक्त अर्हता परीक्षा में प्राप्त पर्सेंटाइल, शैक्षणिक योग्यता और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी उपलब्ध रहेगी। इससे अभ्यर्थियों को अपनी स्थिति और चयन प्रक्रिया की जानकारी आसानी से मिल सकेगी। साथ ही वे उन सभी परीक्षाओं के परिणाम भी एक ही स्थान पर देख सकेंगे, जिनमें उन्होंने भाग लिया है।

अब तक मेडिकल परीक्षण संबंधित विभागों द्वारा कराया जाता था, जिससे कई मामलों में काफी विलंब होता था। इसके कारण चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति आदेश मिलने में लंबा इंतजार करना पड़ता था। नई व्यवस्था में मेडिकल परीक्षण की जिम्मेदारी ईएसबी को दिए जाने से प्रक्रिया अधिक समयबद्ध और पारदर्शी बनने की उम्मीद है। दिव्यांग अभ्यर्थियों के मेडिकल परीक्षण को लेकर पहले सामने आई शिकायतों को भी इससे दूर करने का प्रयास किया गया है। ईएसबी चयनित अभ्यर्थियों के शैक्षणिक, तकनीकी और आरक्षण संबंधी दस्तावेजों का सत्यापन भी नियुक्ति पोर्टल के माध्यम से करेगा। आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के जाति प्रमाण पत्र तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के उम्मीदवारों के वैध प्रमाण पत्रों की जांच की जाएगी। दस्तावेज सत्यापन के साथ मेडिकल परीक्षण भी पूरा कराया जाएगा।

सभी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद ईएसबी पात्र अभ्यर्थियों की प्राविधिक सूची संबंधित विभागों को भेजेगा। इसके आधार पर विभाग नियुक्ति आदेश जारी करेंगे। नियुक्ति के बाद अभ्यर्थियों का पंजीयन एकीकृत वित्तीय प्रबंधन सूचना प्रणाली (आईएफएमआईएस) पोर्टल पर आधार सत्यापन के माध्यम से किया जाएगा।

सरकार का दावा है कि नई डिजिटल व्यवस्था से भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी, दस्तावेजों की प्रमाणिकता सुनिश्चित होगी और चयनित उम्मीदवारों को समयबद्ध तरीके से नियुक्ति मिल सकेगी। इससे विभागों को भी भर्ती प्रक्रिया पूरी करने में सुविधा होगी।

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 44 रूपए तक महंगा

भोपाल । कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतें आज से फिर बढ़ गई है। मध्य प्रदेश में यह 44 रुपए तक महंगा हुआ है। भोपाल में अब 3116.50 रुपए में सिलेंडर मिलेगा। वहीं, इंदौर में 3222.50 रुपए, जबलपुर में 3290 रुपए, ग्वालियर में 3338.50 रुपए और उज्जैन में 3250 रुपए कीमत हो गई है। तीन महीने में रेट करीब 1300 रुपए तक बढ़े हैं। इससे पहले 1 मई को रेट बढ़े थे। सिलेंडर की कीमतें लगातार बढ़ने से खाना महंगा हो गया है। भोपाल में ही खाना 10 से 15 प्रतिशत तक महंगा हुआ है। जुलाई तक प्रदेश में 20 हजार से ज्यादा शादियां होनी हैं, ऐसे में आम लोगों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

भोपाल होटल एवं रेस्टोरेंट संघ के अध्यक्ष तेजकुल पाल सिंह पाली ने बताया कि कमर्शियल गैस सिलेंडर के रेट लगातार बढ़ रहे हैं। यह पहले की तुलना में 60 प्रतिशत तक महंगा हो गया है। इस कारण खाना भी महंगा हो रहा है। पिछली बढ़ोतरी के बाद 10 से 15 प्रतिशत तक रेट बढ़े थे। आगे और बढ़ने की संभावना है। मध्य प्रदेश टेंट कैटर्स एसोसिएशन के रामबाबू शर्मा ने बताया, सिलेंडर के रेट बढ़ने से होटल और कैटर्स में 10 प्रतिशत तक कॉस्टिंग का फर्क पड़ा है। 500 लोगों के 5 लाख रुपए के खाने का बजट अब 45 से 50 हजार रुपए तक बढ़ चुका है। आगे भी ऐसे हालात बन सकते हैं।

रेस्टोरेंट में खाना भी महंगा

नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडियाके एमपी हेड अभिषेक बहेती ने बताया कि कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतें हर महीने बढ़ रही हैं। तीन महीने में 4 बार कीमतें बढ़ चुकी है। इससे रेस्टोरेंट में खाने का रेट भी बढ़ा है। यह आम लोगों पर बोझ डाल रहा है।

मंगलवार से चरमरा सकती है स्वास्थ्य व्यवस्था!

ग्वालियर। लंबित मांगों को लेकर संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी मंगलवार दो जून से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाएंगे। हड़ताल के पहले दिन कर्मचारी पड़ाव स्थित मंशापूर्ण हनुमान मंदिर पर एकत्रित होकर आंदोलन का शंखनाद करेंगे। कर्मचारियों के हड़ताल पर जाने से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर जिला अस्पताल तक स्वास्थ्य सेवाओं पर असर पड़ने की संभावना है। संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष धर्मवीर शुक्ला ने बताया कि वर्ष 2023 में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की उपस्थिति में संविदा कर्मचारियों की महापंचायत आयोजित की गई थी।

सरकारी स्कूलों में युनिफॉर्म पर सस्पेंस

16 जून से खुलेंगे स्कूल, गणवेश मिलेगी या खाते में आएगी राशि; अब तक नहीं हुआ फैसला

भोपाल। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में नया शैक्षणिक सत्र 2026-27 शुरू होने के बावजूद विद्यार्थियों की गणवेश यानि युनिफॉर्म को लेकर स्थिति अब भी स्पष्ट नहीं है। स्कूल शिक्षा विभाग और शासन स्तर पर यह तय नहीं हो पाया है कि इस वर्ष विद्यार्थियों को सिली-सिलाई गणवेश उपलब्ध कराई जाएगी या फिर पहले की तरह उनके खातों में राशि भेजी जाएगी।

ऐसे में 16 जून से स्कूल खुलने पर लाखों छात्र-छात्राएं निर्धारित गणवेश के बजाय अलग-अलग रंगों के कपड़ों में स्कूल पहुंच सकते हैं। सबसे अधिक परेशानी नर्सरी और पहली कक्षा में प्रवेश लेने वाले बच्चों को होगी, क्योंकि उनके पास पिछले वर्षों की गणवेश भी उपलब्ध नहीं है।

शासन के निर्देश पर इस वर्ष कक्षा पहली से आठवीं तक के विद्यार्थियों को सीधे तैयार गणवेश उपलब्ध कराने की योजना बनाई गई थी। इसके लिए विद्यार्थियों के खातों में राशि भेजने की व्यवस्था समाप्त करने पर विचार किया गया था। हालांकि, गणवेश निर्माण और वितरण के लिए आवश्यक टेंडर प्रक्रिया अब तक शुरू नहीं हो सकी है। ऐसे में समय पर गणवेश उपलब्ध कराना चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है।

अब तक 600 रुपये मिलती रही राशि

वर्तमान व्यवस्था के तहत सरकार प्रत्येक विद्यार्थी को दो जोड़ी गणवेश खरीदने के लिए 600 रुपये सीधे बैंक खाते में भेजती रही है। लेकिन कई बार यह राशि भी सत्र के अंतिम चरण में पहुंचती थी, जिससे विद्यार्थियों को पूरे साल बिना गणवेश के पढ़ाई करनी पड़ती थी।

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में कक्षा पहली से आठवीं तक करीब 65 से 66 लाख विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। प्रत्येक विद्यार्थी पर औसतन 600 रुपये की गणवेश सहायता के आधार पर सरकार हर वर्ष लगभग 390 करोड़ रुपये खर्च करती है।

दतिया उपचुनाव की तैयारी में जुटी पार्टियां

- नरोत्तम तैयार, कांग्रेस में टिकट की खींचतान और तीसरे मोर्चे की दस्तक

भोपाल। दतिया विधानसभा सीट पर प्रस्तावित उपचुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती की सदस्यता समाप्त होने से रिक्त हुई इस सीट पर भाजपा, कांग्रेस और आजाद समाज पार्टी ने अपनी-अपनी चुनावी रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। निर्वाचन आयोग को 2 अक्टूबर 2026 तक उपचुनाव कराना है, जिसके चलते राजनीतिक दलों ने संगठन और सामाजिक समीकरणों को साधने की कवायद तेज कर दी है।

भाजपा की ओर से पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा पिछले दो महीनों से लगातार सक्रिय हैं। वे यादव, पाल, क्षत्रिय सहित विभिन्न समाजों के बीच संपर्क अभियान चलाकर पार्टी का जनाधार मजबूत करने में जुटे हैं। मई माह के दौरान कई चरणों में अलग-अलग समाजों के लोगों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह उपचुनाव से पहले सामाजिक समर्थन बढ़ाने की सुनियोजित रणनीति का हिस्सा है। 5 मई को आयोजित एक कार्यक्रम में कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं और क्षत्रिय समाज के लोगों ने भाजपा की सदस्यता ली। इसके बाद 14 मई को जौहरिया गांव सहित आसपास के क्षेत्रों से यादव समाज के लोग भोपाल पहुंचकर भाजपा में शामिल हुए। वहीं 24 मई को पाल और यादव समाज के लोगों ने सामूहिक सदस्यता ग्रहण की। 29 मई को पाल समाज के युवाओं का एक समूह भी भाजपा में शामिल हुआ। इन कार्यक्रमों में डॉ. मिश्रा ने विकास और केंद्र-प्रदेश सरकार की नीतियों को भाजपा की बढ़ती स्वीकार्यता का आधार बताया।

कांग्रेस संगठन को धार देने में जुटी

दूसरी ओर कांग्रेस संगठनात्मक मजबूती पर जोर दे रही है। पार्टी ने दतिया विधानसभा क्षेत्र में ब्लॉक, मंडल और बूथ स्तर पर बैठकों का सिलसिला शुरू किया है। कार्यकर्ताओं को चुनावी रणनीति समझाने और संगठन को सक्रिय रखने की कोशिशें जारी हैं। कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी चुनौती टिकट चयन को लेकर उभरती दिखाई दे रही है। पूर्व विधायक राजेंद्र भारती अपने बेटे के लिए टिकट की पैरवी कर रहे हैं। वहीं अवधेश नायक समेत कई नेता भी दावेदारी जता रहे हैं। 2023 के विधानसभा चुनाव में टिकट न मिलने के बावजूद संगठन के लिए काम करने वाले अवधेश नायक इस बार अपने त्याग का राजनीतिक प्रतिफल चाहते हैं। इसके अलावा आधा दर्जन से अधिक नेता टिकट की दौड़ में शामिल बताए जा रहे हैं और भोपाल से लेकर दिल्ली तक सक्रिय लॉबिंग कर रहे हैं।

भाजपा में प्रत्याशी लगभग तय

भाजपा खेमे में स्थिति अपेक्षाकृत स्पष्ट नजर आ रही है। यदि उपचुनाव घोषित होता है तो डॉ. नरोत्तम मिश्रा को पार्टी का उम्मीदवार बनाए जाने की संभावना प्रबल मानी जा रही है। क्षेत्र में उनकी सक्रियता और संगठन पर पकड़ को देखते हुए भाजपा फिलहाल किसी अन्य नाम पर विचार करती नहीं दिख रही। दतिया उपचुनाव में फिलहाल तीन प्रमुख मुद्दे उभरते दिखाई दे रहे हैं-भाजपा का सामाजिक विस्तार अभियान, कांग्रेस की टिकट खींचतान और आजाद समाज पार्टी की नई राजनीतिक चुनौती। चुनाव की तारीख घोषित होने से पहले ही क्षेत्र में राजनीतिक तापमान बढ़ चुका है और आने वाले महीनों में यह मुकाबला और दिलचस्प होने की संभावना है।

आजाद समाज पार्टी भी बढ़ा रही सक्रियता

उधर आजाद समाज पार्टी भी दतिया में अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने में जुटी है। पार्टी नेता दामोदर यादव किसान सम्मेलन, जनसंपर्क अभियान और कार्यकर्ता बैठकों के माध्यम से क्षेत्र में सक्रिय हैं। पार्टी का दावा है कि बसपा और कांग्रेस के कई कार्यकर्ता उसके संपर्क में हैं और दामोदर यादव को उपचुनाव के लिए हरी झंडी मिल चुकी है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने लिखा मुख्यमंत्री को पत्र कहा-

जनता के सवाल पूछना मेरा कर्तव्य,लोकतांत्रिक जिम्मेदारी निभातें रहेंगे

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा सोमवार को राजगढ़ में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी को लेकर की गई टिप्पणी पर पटवारी ने उन्हें पत्र लिख कर स्पष्ट किश है कि वह जनता के सवाल पूछते रहेगें जो उनका कर्तव्य है और वह पूरी विनम्रता के साथ अपनी इस लोकतांत्रिक जिम्मेदारी को निभाते रहेंगे।

पत्र में पटवारी ने लिखा है कि यदि गाली देना आपका अधिकार है, तो उसका पालन आप करते रहिए, मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि मैं जो भी मुद्दे उठाता हूं, वे किसी व्यक्तिगत राजनीति का हिस्सा नहीं होते, बल्कि मध्यप्रदेश की जनता की पीड़ा और जनभावनाओं की अभिव्यक्ति होते हैं। उन्होने पूछा कि क्या किसान की बदहाली सवाल नहीं है? क्या रोजगार युवाओं का भविष्य सवाल नहीं है? क्या ओबीसी आरक्षण का संकट सवाल नहीं है?क्या पेपर लीक से टूटते सपने सवाल नहीं हैं?क्या नर्सिंग घोटाला सवाल नहीं है?क्या महिलाओं की सुरक्षा सवाल नहीं है?क्या आदिवासियों का विस्थापन सवाल नहीं है?क्या महंगाई और बढ़ता कर्ज सवाल नहीं है?

क्या भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी सवाल नहीं है?क्या दूषित पेयजल और बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था सवाल नहीं है?क्या व्यापमं जैसे घोटालों को काली छाया सवाल नहीं है?क्या सरकारी भर्तियों में वर्षों की देरी सवाल नहीं है?क्या सरकारी स्कूलों की बदहाल स्थिति सवाल नहीं है?

क्या आंगनवाड़ी और संविदा कर्मचारियों की पीड़ा सवाल नहीं है?क्या बढ़ता अपराध और माफियाराज सवाल नहीं है?क्या रेत, शराब और जमीन माफियाओं का संरक्षण सवाल नहीं है?क्या दलितों पर बढ़ते अत्याचार सवाल नहीं है?क्या आदिवासी क्षेत्रों में कुपोषण सवाल नहीं है?

क्या बिजली कटौती और महंगे बिल सवाल नहीं हैं?क्या छोटे व्यापारियों की आर्थिक बदहाली सवाल नहीं है?क्या नौजवानों का पलायन सवाल नहीं है?क्या सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों और दवाइयों की कमी सवाल नहीं है?क्या हर साल बढ़ती आत्महत्या करने वाले किसानों की संख्या सवाल नहीं है?क्या घोषणाओं और जमीन पर हकीकत के बीच का अंतर सवाल नहीं है?

पटवारी ने आगें लिखा है कि मुख्यमंत्री जी, मैं फिर आपसे आग्रह कर रहा हूं, आप रोज मुझे गाली दीजिए, लेकिन मध्यप्रदेश की समस्याओं को प्राथमिकता और गंभीरता से हल कीजिए।

जहां तक हार और जीत का प्रश्न है, मेरी दृढ़ मान्यता है—

जिंदगी की यही रीत है, हार के बाद ही जीत है।

मध्यप्रदेश की जागरूक जनता सबकुछ देख रही है, समझ भी रही है और समय आने पर अपना निर्णय भी अवश्य देगी।

मैं पूरे विश्वास और पांच लाख प्रतिशत दावे के साथ पुनः दोहरा रहा हूं कि 2028 में मध्यप्रदेश में जनता की सरकार बनेगी। ऐसी सत्ता, जो नम्रता, जवाबदेही और संवेदनशीलता के साथ काम करेगी।

आपसे केवल इतना अनुरोध है कि अपने बचे हुए ढाई वर्षों में ईमानदारी से काम कीजिए। कर्ज, कमीशन और करप्शन के कल्चर को कम कीजिए, क्योंकि सत्ता हमेशा नहीं रहती, लेकिन जनता की पीड़ा और इतिहास का निर्णय हमेशा याद रखा जाता है।

बेंगलुरु को दोबारा चैंपियन बनाने वाले टॉप-5 फैक्टर

RCB में 8 मैच विनर खिलाड़ी, कोहली के 675 रन , भुवनेश्वर ने झटके 28 विकेट

नई दिल्ली,एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 18 साल तक ट्रॉफी का इंतजार करने के बाद अब लगातार दो खिताब जीत लिए है। बेंगलुरु ने देर रात फाइनल में गुजरात को 5 विकेट से हराकर आईपीएल 2026 की ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

मप्र के कप्तान रजत पाटीदार लगातार दो आईपीएल ट्रॉफी जीतने वाले सिर्फ तीसरे कप्तान बने। उनसे पहले महेंद्र सिंह धोनी (2009, 2010) और रोहित शर्मा (2019, 2020) ही ऐसा कर पाए थे। बेंगलुरु की सफलता की सबसे बड़ी वजह यह रही कि टीम किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं रही। बल्लेबाजी में विराट कोहली, रजत पाटीदार और देवदत्त पडिक्कल ने रन बनाए। गेंदबाजी में भुवनेश्वर कुमार, रसिख सलामऔर जोश हेजलवुड ने जिम्मेदारी संभाली। टीम के 8 अलग-अलग खिलाड़ी प्लेयर ऑफ द मैच भी बने।

टॉप ऑर्डर ने मिलकर दबाव नहीं बनने दिया

बैंगलुरु की बल्लेबाजी इस सीजन उसकी सबसे बड़ी ताकत रही। ओपनर विराट कोहली ने फाइनल में नाबाद 75 रन की पारी खेलकर टीम को चैंपियन बनाया। उन्होंने 16 मैचों में 675 रन बनाए। जिसमें एक शतक के साथ 5 अर्धशतक भी लगाए। कप्तान रजत पाटीदार ने 15 मैचों में 501 रन बनाए। वहीं देवदत्त पडिक्कल ने 464 रन बनाकर टॉप ऑर्डर को और मजबूत किया। इन तीनों बल्लेबाजों ने मिलकर 1640 रन बनाए। वहीं वेंकटेश अय्यर ने 6 इनिंग में 209 रन बनाए।

भुवनेश्वर-हेजलवुड ने संभाली गेंदबाजी

बेंगलुरु की बॉलिंग यूनिट इस सीजन बेहद संतुलित नजर आई। अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने 16 मैचों में 28 विकेट लेकर टीम को लीड किया। इसके अलावा रसिख सलाम ने 12 मैचों में 19 विकेट, जोश हेजलवुड ने 13 मैचों में 15 विकेट, जैकब डफी और सुयश शर्मा ने 9 -9 विकेट लिए। क्रुणाल पंड्या ने ऑलराउंडर प्रदार्शन करते हुए 226 रन बनाने के साथ 14 विकेट भी लिए।

कोहली के लगातार चौथे सीजन 600 प्लस रन

विराट कोहली का शानदार फॉर्म बेंगलुरु की सफलता की सबसे बड़ी वजहों में शामिल रहा। उन्होंने लगातार चौथे सीजन 600 से ज्यादा रन बनाए। इससे भी खास बात यह रही कि पूरे सीजन टीम का ओपनिंग कॉम्बिनेशन बदलता रहा, लेकिन कोहली ने अपनी लय बरकरार रखी। बड़े मैचों में उन्होंने पारी को संभाला, जबकि दूसरे बल्लेबाज अटैकिंग बैटिंग करते रहे।

इस सीजन 8 खिलाड़ी बने प्लेयर ऑफ द मैच

किसी भी चैंपियन टीम की पहचान उसके मैच विनर्स खिलाड़ी होते हैं। इस सीजन बेंगलुरु टीम के 8 अलग-अलग खिलाड़ी प्लेयर ऑफ द मैच बने। विराट कोहली ने सबसे ज्यादा 3 बार यह अवॉर्ड जीता। जोश हेजलवुड 2 बार और टिम डेविड, जैकब डफी, वेंकटेश अय्यर, भुवनेश्वर कुमार, रजत पाटीदार और फिल सॉल्ट भी एक-एक बार प्लेयर ऑफ द मैच बने। यानी टीम की जीत सिर्फ कोहली या पाटीदार पर निर्भर नहीं रही।

होमग्राउंड में 86% मैच जीते

बेंगलुरु ने इस सीजन अपने घरेलू मैदान को किला बना दिया। टीम ने होम ग्राउंड पर खेले 7 में से 6 मुकाबले जीते और जीत प्रतिशत 86 रहा। बेंगलुरु ने चिन्नास्वामी स्टेडियम के अलावा रायपुर को भी अपने घरेलू मैदान के तौर पर इस्तेमाल किया और दोनों जगह शानदार प्रदर्शन किया। खास बात यह रही कि टीम पूरे सीजन कभी लगातार दो से ज्यादा मैच नहीं हारी। बेंगलुरु ने अपने घर में हैदराबाद, चेन्नई, लखनऊ और गुजरात जैसी मजबूत टीमों को हराया।

खिताबी जीत के बाद मनाया जश्न

आईपीएल खिताब जीतने के बाद बेंगलुरु के खेमे में जश्न का माहौल देखने को मिला। विराट कोहली ने डांस फ्लोर पर अपने अंदाज से फैन्स का दिल जीत लिया। बेंगलुरु द्वारा सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में कोहली पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ सेलिब्रेशन पार्टी में जमकर डांस करते नजर आए। वही कप्तान रजत पाटीदार और दिनेश कार्तिक भी डांस करते हुए नजर आए।

आईपीएल 2026 का सत्र इन पांच कारणों से हमेशा याद रखा जाएगा

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का सत्र रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत के साथ ही समाप्त हो गया है। इस मैच में कई नये रिकार्ड बने और रोमांचक क्रिकेट देखने को मिला। राजस्थान रॉयल्स के 15 साल के वैभव सूर्यवंशी की धमाकेदार बल्लेबाजी के साथ ही आईपीएल का ये सत्र इन पांच कारणों से हमेशा याद रखा जाएगा।

इस सीजन की सबसे बड़ी खोजों में से एक रहे रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव। जिनकी अद्भुत बल्लेबाजी ने सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। वैभव ने 16 मैचों में 48 की प्रभावशाली औसत और 237 के धमाकेदार स्ट्राइक रेट से कुल 776 रन बनाकर ऑरेंज कैप पर कब्जा किया। वह इस सम्मान को हासिल करने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बन गए।

आरसीबी की खिताबी जीत में विराट कोहली का प्रभाव भी देखने को मिला। फाइनल मुकाबले में गुजरात टाइटंस के खिलाफ विराट कोहली ने 42 गेंदों में 75 रनों की नाबाद पारी खेली, जिसमें उन्होंने 18वें ओवर की आखिरी गेंद पर एक शानदार छक्का लगाकर अपनी टीम को लगातार दूसरी बार चैंपियन बनाया। भारतीय टीम के लिए कई बार फिनिशर की भूमिका निभाने वाले कोहली ने आईपीएल में आरसीबी के लिए यह कारनामा पहली बार करके दिखाया। रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी का लगातार दूसरी बार सफलतापूर्वक खिताब का बचाव करना बड़ी उपलब्धि रही,

क्योंकि मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स के बाद वह इस लीग में यह उपलब्धि हासिल करने वाली सिर्फ तीसरी टीम बनी है।

शानदार शुरुआत के बाद भी प्लेऑफ में नहीं पहुंच पायी पंजाब किंग्स की टीम ने ग्रुप स्तर पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 265 रनों के सबसे बड़े लक्ष्य को हासिल कर एक बडा रिकार्ड अपने नाम किया। पंजाब किंग्स ने ये लक्ष्य केवल 18.5 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया था। इस सत्र में कई अन्य रिकार्ड भी बने। आईपीएल 2026 में रनों का अंबार लगा, जिसमें कुल 27,450 रन बने, जो अब तक के आईपीएल सत्र में सर्वाधिक हैं। बल्लेबाजों ने जमकर चौके और छक्के लगाये। कुल 2,332 चौके और 1,426 छक्के लगाए गए। इसके अतिरिक्त, इस सत्र में सबसे अधिक 17 बार 200 से अधिक रनों का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया गया।

होटल लौटते समय गुजरात टाइटंस की बस में लगी आग, बाल-बाल बचे खिलाड़ी

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस के लिए रविवार का दिन अच्छा नहीं रहा। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के खिताबी मुकाबले में हार के बाद उनकी टीम बस जब होटल लौट रही थी तो उसमें आग लग गयी हालांकि राहत की बात ये रही कि किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं हुआ और सभी खिलाड़ी सुरक्षित हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार स्टेडियम से होटल लौटते समय शॉर्ट सर्किट के कारण बस में आग लगने की ये घटना हुई।

बस में लगी आग के कारण खिलाड़ियों को लगभग एक घंटे तक बस में फंसे रहना पड़ा, जिससे कुछ समय के लिए सभी चिन्तित हो गये हालांकि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया और सभी खिलाड़ियों को सुरक्षित रूप से बाहर निकाल लिया गया, जिससे कोई भी गंभीर चोट या जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। हार के बाद बस में लगी आग से खिलाड़ी और परेशान हो गये। इससे पहले टीम को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के हाथों मैच में पांच विकेट से हार झेलनी पड़ी। गुजरात टाइटंस के पास अपने घरेलू मैदान पर दूसरी बार खिताब जीतने का अवसर था पर ये मौका उसके हाथ से निकल गया।

मैच में टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात की टीम निर्धारित ओवरों में सिर्फ 155 रन ही बना पाई। टीम के मुख्य बल्लेबाज शुभमन गिल और साई सुदर्शन भी रन बनाने में विफल रहे।

संगकारा को उम्मीद वैभव को जल्द मिलेगी भारतीय टीम में जगह

मोहाली। श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर और आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के क्रिकेट निदेशक कुमार संगकारा ने वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा करते हुए उम्मीद जतायी है कि उसे शीघ्र ही भारतीय टीम में जगह मिलेगी। संगकारा के अनुसार वैभव ने अपने प्रदर्शन से साबित कर दिया है कि वह भारतीय टीम में शामिल किये जाने के योग्य होने के साथ इसके लिए तैयार भी है। है। वैभव के लिए आईपीएल 2026 सत्र काफी अच्छा रहा और उसने 700 से अधिक रन बनाये। 115 साल के वैभव ने अपनी आक्रामक शैली से कई बड़े रिकॉर्डस तोड़ दिये, जिससे क्रिकेट जगत में सभी हैरान हैं। संगकारा ने वैभव की क्षमताओं को लेकर कहा, वैभव ने इस सत्र में दुनिया के कुछ बड़े तेज गेंदबाजों के खिलाफ जो प्रदर्शन किया है, उसे देखते हुए मुझे लगता है कि वह हमारी तरफ से दी जाने वाली किसी भी चुनौती को लेने के लिए पूरी तरह तैयार है। मुझे भरोस है कि उन्हें बहुत, बहुत जल्द नेशनल टीम में बुलावा आएगा। उन्होंने वैभव की परिपक्वता की भी सराहना की, जिन्होंने इस सत्र में राजस्थान रॉयल्स के लिए सलामी साझेदारी की जिम्मेदारी को बखूबी निभाया। संगकारा ने इस युवा खिलाड़ी की ज़बरदस्त तरक्की का श्रेय खेल के प्रति उनके सकारात्मक नज़रिए और क्रिकेट की गहरी समझ को दिया।

आरसीबी की जीत के जश्न के बीच ही बोले शिवकुमार, बेंगलुरु में होना चाहिये था फाइनल

बेंगलुरु। कर्नाटक के अगले मुख्यमंत्री बनने जा रहे डीके शिवकुमार ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की लगातार दूसरी बार आईपीएल में खिताबी जीत के जश्न के बीच ही कहा कि फाइनल मुकाबला बेंगुलरु में होना चाहिये था। शिवकुमार ने कहा कि आईपीएल फाइनल जिस प्रकार से अहमदाबाद में कराया गया है। उससे बेंगलुरु के करोड़ों प्रशंसकों के साथ अन्याय हुआ है।

आरसीबी की जीत के बाद कर्नाटक, विशेषकर बेंगलुरु में जश्न का माहौल रहाहै। हजारों प्रशंसकों ने सड़कों पर उतरकर अपनी टीम की जीत के जश्न मनाया। ये प्रशंसका आतिशबाजी कर रहे थे। ढोल-नगाड़ों के साथ झूम रहे थे। इसी दौरान शिवकुमार ने फाइनल के आयोजन स्थल पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, आरसीबी का मैच बेंगलुरु में होना चाहिए था। हमारे साथ गलत हुआ है। राजनीति की वजह से मैच किसी और जगह आयोजित किया गया। मैं इस मुद्दे पर ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता पर हमारे साथ अन्याय हुआ है।

शिवकुमार का तर्क था कि यदि फाइनल मुकाबला बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में आयोजित होता, तो लाखों स्थानीय प्रशंसकों को अपनी प्रिय टीम को खिताब जीतते हुए देखने का अविस्मरणीय अवसर मिलता। उनका मानना है कि आरसीबी और बेंगलुरु का रिश्ता बेहद खास है और टीम की सबसे बड़ी ताकत उसके घरेलू प्रशंसक हैं। हालांकि उन्होंने किसी राजनीतिक दल या संस्था का सीधा नाम नहीं लिया, लेकिन उनके बयान ने क्रिकेट और राजनीतिक दोनों हलकों में हलचल मचा दी है। सोशल मीडिया पर भी यह मुद्दा बहस का केंद्र बन गया है, जहां कई प्रशंसक शिवकुमार की भावनाओं से सहमत दिख रहे हैं और उन्हें लगता है कि घरेलू मैदान पर फाइनल न हो पाना सचमुच अन्याय था।

आरसीबी में शामिल कई खिलाड़ियों ने जीती हैं विराट से कहीं अधिक आईपीएल ट्रॉफियां

मुम्बई । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की लगातार दूसरे सत्र में जीत के साथ ही इसके पूर्व कप्तान और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली जश्न मना रहे हैं क्योंकि उनकी खिताब जीतने की इच्छा दूसरी बार पूरी हुई है। लगातार दो आईपीएल ट्रॉफियां जीतने के बाद भी विराट इस मामले में अपनी ही टीम के कई खिलाड़ियों से पीछे हैं। उनकी टीम में कई ऐसे खिलाड़ी शामिल हैं जिनके नाम विराट से कही अधिक आईपीएल ट्रॉफी हैं। टीम में शामिल एक खिलाड़ी तो पांच बार आईपीएल चैंपियन रही टीम में शामिल रहा है।

आरसीबी में सबसे ज्यादा आईपीएल ट्रॉफी जीतने वाले खिलाड़ियों की सुची में स्पिन ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या नंबर एक पर हैं। क्रुणाल कुल मिलाकर देखा जाये तो अभी कुल पांच बार आईपीएल खिताब विजेता टीम का हिस्सा रहे हैं। अपने नाम किया है। आरसीबी के साथ 2025 और 2026 में लगातार दो खिताब जीतने से पहले, क्रुणाल पांड्या मुंबई इंडियंस के साथ 2017, 2019 और 2020 में तीन बार विजेता रहे हैं। क्रुणाल के अलावा, तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार चार बार विजेता टीमों का हिस्सा रहे हैं। इसमें सनराइजर्स हैदराबाद 2016, डेक्कन चार्जर्स 2009, आरसीबी 2025, 2026, वहीं जोश हेजलवुड तीन बार विजेता टीम में शामिल रहे हैं। वहचेन्नई सुपर किंग्स 2021, आरसीबी 2025, 2026 जबकि टिम

डेविड मुंबई इंडियंस 2023, आरसीबी 2025, 2026 और युवा स्पिनर सुयश शर्मा कोलकाता नाइट राइडर्स 2024, आरसीबी 2025, 2026 सहित तीन बार विजेता टीम का हिस्सा रहे हैं जबकि वहीं, विराट के अलावा रजत पाटीदार, फिल साल्ट, जितेश शर्मा और देवदत्त पडिक्कल जैसे कई अन्य प्रमुख खिलाड़ियों के नाम दो-दो आईपीएल खिताब हैं।

आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा ट्रॉफी जीतने वाले खिलाड़ियों की बात करें तो क्रुणाल ने अपने पांचवें खिताब के साथ महेंद्र सिंह धोनी, कीरोन पोलार्ड और अपने भाई हार्दिक पांड्या की बराबरी कर ली है। इन सभी दिग्गजों के नाम अब पांच-पांच आईपीएल ट्रॉफियां हैं। हालांकि, इस रिकॉर्ड लिस्ट में सबसे ऊपर रोहित शर्मा और अंबाती रायडू हैं, जिन्होंने अपने करियर में छह-छह बार आईपीएल चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है।

वैभव सूर्यवंशी को भारतीय टीम में जगह मिलना तय

एशियन गेम्स में कर सकते हैं डेब्यू

अहमदाबाद । राजस्थान रॉयल्स की आर से धमाकदौर बल्लेबाजी करते हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में ऑरेंज कैप जीतने वाले वैभव सूर्यवंशी को अब भारतीय टीम में जगह मिलना तय है। 15 साल की उम्र में ऑरेंज कैप जीतकर वैभव ने इतिहास रच दिया है। वह इतनी कम उम्र में ये उपलब्धि हासिल करने पहले खिलाड़ी हैं। वैभव ने इस सत्र में सर्वाधिक 776 रन बनाकर सभी का पीछे छोड़ दिया है। इसके बाद से ही इस बल्लेबाज के भारतीय टीम में चयन की मांग बढ़ गयी है और उम्मीद की जा रही है कि आगामी एशियन गेम्स के लिए उन्हें भारतीय टीम में जगह मिल सकती है।

वैभव आईपीएल 2026 के

फाइनल मैच में आईसीसी चेयरमैन और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व प्रमुख जय

शाह के साथ बैठे दिखे जिससे साफ संकेत मिल गये है कि उन्हें शाह का समर्थन है। ऐसे में उनको टीम में जगह मिलना तय दिख रहा है।

ये भी कहा जा रहा है कि वैभव के नाम की आधिकारिक घोषणा होने की ही देरी है। इस बल्लेबाज ने जिस प्रकार से दबाव के बीच भी निडर होकर खेला उससे चयनकर्ताओं के लिए उन्हें नजरअंदाज करना लगभग असंभव हो गया है। वह भारतीय क्रिकेट के भविष्य के सितारे माने जा रहे हैं। वैभव ने पूरे टूर्नामेंट में अपनी टीम को शानदार शुरुआत दी। उन्होंने कुल 5 अर्धशतक और 1 शतक लगाया, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट और रन बनाने की निरंतरता काबिले तारीफ रही। वैभव ने नॉकआउट स्तर पर विशेष रूप से अपना प्रभाव दिखाय, जहां वह लगातार दो मैचों में शतक के करीब पहुंचे पर मामूली अंतर से पूरा नहीं कर पाये। गए। उन्होंने अपनी टीम के लिए एलिमिनेटर और क्वालिफायर मैचों में दवाब के बीच ही 97 और 96 रनों की आक्रामक पारियां खेलीं हालांकि अन्य बल्लेबाजों का साथ नहीं मिलने से वह टीम को जीत नहीं दिला पाये। अब देखना है कि इस चमकते सितारे को कब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अवसर मिलता है।

आईपीएल 2026 में पिछले 18 साल के सभी रिकार्ड टूटे

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 19 वां सत्र रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत के साथ ही समाप्त हो गया। इस सत्र में खिलाड़ियों के साथ ही टीमों ने कई नये रिकार्ड बनाये। जिससे पिछले 18 साल के रिकार्ड टूट गये। आईपीएल 2026 में कुल 27,450 रन बने हैं। ये अब तक रनों के मामले में सबसे बड़ा आंकड़ा है। हैं। यह वहीं, गेंदबाजों के लिए यह सत्र बेहद खराब रहा। गेंदबाजों ने प्रति विकेट औसतन 31.26 रन दिये, जो कि अब तक का सबसे खराब औसत प्रदर्शन है। इस सत्र में रन प्रति ओवर भी 9.88 रहा, जो किसी भी आईपीएल सत्र में सबसे अधिक है और बताता है कि बल्लेबाजों ने किस गति से रन बटोरे।

इस सत्र में जमकर चौके और छक्के लगे। सत्र में कुल 2,332 चौके और 1,426 छक्के लगे, दोनों ही संख्याएं किसी भी अन्य सत्र से कहीं अधिक हैं। बल्लेबाजों के इस आक्रामक रुख का परिणाम था कि आईपीएल 2026 में 15 शतक लगे, ये आईपीएल के इतिहास में एक सत्र में बनाए गए सबसे ज्यादा व्यक्तिगत शतक हैं। टीमों ने भी बड़े स्कोर बनाने में कोई कमी नहीं रखी। इस सत्र में 200 या उससे अधिक के स्कोर कुल 65 बार बने, जो किसी भी पिछले सत्र से काफी ज्यादा हैं। इतना ही नहीं, 200 या उससे अधिक के लक्ष्य को 17 बार सफलतापूर्वक हासिल किय गया ये दिखात है कि ,कोई भी लक्ष्य सुरक्षित नहीं रहा।

वहीं व्यक्तिगत प्रदर्शन की बात करें तो आईपीएल 2026 ने नया इतिहास बनाया है। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने एक सत्र में सबसे ज्यादा 72 छक्के लगाये हैं। इससे पता चलता है कि वह कितने आक्रमक अंदाज में खेले। बल्लेबाजी यह पहली बार हुआ जब किसी आईपीएल सीजन में तीन बल्लेबाजों ने 700 से अधिक रन बनाए। वैभव सूर्यवंशी, शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने यह इस बार 700 से अधिक रन बनाये हैं। इससे पहले अधिकतम दो बल्लेबाज ही इतने रन बना पाये थे। इस सत्र में इस प्रकार ऐसे रिकार्ड बने हैं जिन्हें आने वाले सत्र में तोड़ना किसी के लिए भी कठिन होगा।

ऑरेंज कैप सहित कई अवार्ड जीतने वाले वैभव का लक्ष्य है टेस्ट क्रिकेट खेलना

मुम्बई । आईपीएल के 19 वें सत्र में 15 साल के उभरते हुए क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी छाये रहे हैं। राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए वैभव ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से कई रिकार्ड बनाने के साथ ही सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप भी हासिल की है। वैभन ने इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक 776 रन बनाकर ऑरेंज कैप हासिल करने के साथ ही कई रिकार्ड भी तोड़े। इसी कारण उन्हें ऑरेंज कैप के साथ-साथ ही मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर, इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन, सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन और सुपर सिक्सेज ऑफ द सीजन जैसे कुल 5 बड़े अवॉर्ड मिले हैं हालांकि वैभव ने इस दौरान कहा कि उनका लक्ष्य सभी प्रारुपों में खेलना है और वह केवल टी20 तक ही सीमित नहीं रहना चाहते हैं। अवॉर्ड समारोह के बाद वैभव ने अपने भविष्य की योजनाओं का खुलासा किया। जब उनसे उनकी योजनाओं को लेकर पूछा गया तो उन्होंने टेस्ट क्रिकेट खेलने की इच्छा जतायी और कहा कि वह लाल गेंद के प्रारुप के लिए गंभीरता से अभ्यास कर रहे हैं।

ये कहा जाता है कि वैभव एक आक्रामक बल्लेबाज हैं और वह वह सीमित ओवरों के प्रारुप के लिए ही ठीक है। इस धारणा को लेकर वैभव ने कहा, मेरा खेल स्वाभाविक तौर पर आक्रामक है, इसलिए हर किसी को लगता है कि मैं हर गेंद पर शॉट खेलने का प्रयास करता हूं पर मेरा लक्ष्य टेस्ट क्रिकेट भी खेलना है। इसका कारण ये है कि मेरे पिता का मानना है कि टेस्ट क्रिकेट ही असली क्रिकेट है। वैभव ने कहा, मेरे पिता ने मुझसे हमेशा कहा है कि टेस्ट क्रिकेट ही इस खेल का सबसे शुद्ध रूप है। इस बात से साफ है कि वह केवल सफेद गेंद तक ही सीमित नहीं रहना चाहते हैं और टेस्ट प्रारुप में भी अपना प्रभाव दिखाना चाहते हैं और इसके लिए अवसर की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

ऑरेंज कैप सहित कई अवार्ड जीतने वाले वैभव का लक्ष्य है टेस्ट क्रिकेट खेलना

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर केप्लर वेसल्स के नाम एक ऐसा अनौखा रिकार्ड है जो किसी अन्य खिलाड़ी के नाम नहीं है। वेसल्स एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं तो 100 एकदिवसीय मैच खेलने के बाद भी कभी शून्य पर आउट नहीं हुए। एक एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने का अनचाहा रिकॉर्ड सनथ जयसूर्या के नाम दर्ज है, जो 34 बार शून्य पर आउट हुए। इस सूची में शाहिद अफरीदी और महेला जयवर्धने जैसे कई बड़े खिलाड़ी भी शामिल हैं पर वेसल्स हमेशा ही नाबाद रहे।

साल 1983 से 1994 के बीच खेले गए अपने एकदिवसीय करियर में वेसल्स ने 109 मैचों में हिस्सा लिया और 105 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए कुल 3367 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने एक शानदार शतक और 26 अर्धशतक भी बनाये, जो उनकी निरंतरता और स्कोर करने की क्षमता का प्रमाण है। वेसल्स उस दौर में खेले, जब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मैल्कम मार्शल, रिचर्ड हैडली, इमरान खान और कपिल देव जैसे कई घातक गेंदबाज खेलते थे। इन खतरनाक गेंदबाजों के बावजूद कोई भी इस बल्लेबाज को कभी शून्य पर आउट नहीं कर सका। यही रिकार्ड वेसल्स को बेहद खास बनाता है।

केप्लर वेसल्स का करियर सिर्फ इस अनूठे रिकॉर्ड के लिए ही नहीं, बल्कि कई अन्य कारणों से भी विशेष है। दक्षिण अफ्रीका में जन्मे वेसल्स ने

रंगभेद नीति के कारण देश पर लगे प्रतिबंध के चलते अपने करियर की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया के लिए की थी। उन्होंने 1982 में ऑस्ट्रेलिया के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया और अपने पहले ही टेस्ट मैच में शतक लगाकर सबकों हैरान कर दिया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 24 टेस्ट मैच खेले और सलामी बल्लेबाज के रूप में पहचान बनाई।

वहीं जब 1991 में दक्षिण अफ्रीका पर लगा प्रतिबंध हटा, तो वेसल्स अपने देश लौट आए और उन्हें नई दक्षिण अफ्रीकी टीम की कप्तानी सौंपी गई। उन्होंने 1992 के विश्व कप में टीम का नेतृत्व किया और उन्हें सेमीफाइनल तक पहुँचाया। वह दोनों देशों के लिए टेस्ट शतक बनाने वाले पहले खिलाड़ी भी बने और दक्षिण अफ्रीका के पहले एकदिवसीय कप्तान के रूप में भी रिकार्ड बनाया। इस क्रिकेटर ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 40 टेस्ट मैचों में 2788 रन बनाए, जिसमें 6 शतक और 15 अर्धशतक शामिल हैं। एकदिवसीय में 3367 रन के अलावा उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 24 हजार से ज्यादा रन और 66 शतक लगाये हैं। , जबकि लिस्ट-ए क्रिकेट में भी उनके नाम 12 हजार से अधिक रन दर्ज हैं।

भारत-नेपाल सीमा पर सख्ती बढ़ी, अब वैध पहचान पत्र के बिना नहीं मिलेगा नेपाल में प्रवेश

- सीमा पर पहचान और दस्तावेजों की होगी कड़ी जांच

किशनगंज। भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के लिए प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों ने निगरानी बढ़ा दी है। नए निर्देशों के तहत अब बिना वोटर आईडी कार्ड, पासपोर्ट या किसी अन्य वैध सरकारी पहचान पत्र के नेपाल सीमा में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस संबंध में भारत-नेपाल सीमा पर स्थित गलगलिया बॉर्डर पर तैनात सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के जवानों को सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। दरअसल भारत-नेपाल सीमा से प्रतिदिन हजारों लोगों का आवागमन होता है। इसलिए सुरक्षा कारणों और अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के उद्देश्य से सीमा जांच प्रक्रिया को और सख्त कर दिया गया है। अब सीमा पार करने वाले प्रत्येक व्यक्ति के पहचान पत्र और यात्रा संबंधी दस्तावेजों की गहन जांच की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियों ने स्पष्ट किया है कि बिना वैध दस्तावेजों के किसी भी व्यक्ति को सीमा पार करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

केवल आधार कार्ड से नहीं मिलेगी अनुमति

अधिकारियों के मुताबिक, अब केवल आधार कार्ड दिखाकर नेपाल जाने या वहां से भारत आने की अनुमति नहीं होगी। यात्रियों के पास वोटर आईडी कार्ड, पासपोर्ट या अन्य मान्य सरकारी पहचान पत्र होना अनिवार्य है। यदि किसी व्यक्ति के पास आवश्यक दस्तावेज नहीं पाए जाते हैं, तो उसे सीमा पार करने से रोक दिया जाएगा।

संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर

सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि हाल के दिनों में बढ़ती सुरक्षा चुनौतियों और संदिग्ध गतिविधियों को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। जांच के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों और गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। इसके अलावा सीमा क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी गई है और सुरक्षा बलों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी भी प्रकार की अवैध घुसपैठ, तस्करी या अन्य गैरकानूनी गतिविधियों को रोका जा सके।

यात्रियों और व्यापारियों से की गई अपील

प्रशासन ने आम नागरिकों, व्यापारियों, पर्यटकों और सीमा क्षेत्र के निवासियों से अपील की है कि नेपाल की यात्रा के दौरान अपने साथ वैध पहचान पत्र अवश्य रखें। इससे जांच के समय किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी और यात्रा सुगम बनी रहेगी।

नियमों के उल्लंघन पर होगी कार्रवाई

अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि नए दिशा-निर्देशों का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि यह नई व्यवस्था भारत-नेपाल सीमा की सुरक्षा को और मजबूत करने के साथ-साथ अवैध आवागमन पर प्रभावी रोक लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बहरहाल सीमा पर बढ़ाई गई सख्ती के बाद यात्रियों को सलाह दी गई है कि यात्रा से पहले अपने सभी आवश्यक दस्तावेजों की जांच कर लें, ताकि उन्हें सीमा पर किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

देश के गरीबों की रोटी पर मंडराया संकट...!

महंगाई का टार्चर- पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस की कीमतों में बढ़ात्तरी से घर-घर प्रभावित

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट की टेंशन और होमुर्ज स्ट्रेट बंद होने की वजह से लगातार फ्यूल और एलपीजी की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। यही कारण है कि 19 किलो के सिलेंडर के दाम में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। मौजूदा साल में लगातार 7वीं बार इजाफा देखने को मिला है। खास बात तो ये है कि 19 किलो के सिलेंडर के दाम में 6 महीने में 97 फीसदी महंगा हो चुका है। खास बात तो ये है कि मई के महीने में 993 रुपए की बढ़ोतरी देखने को मिली थी। जिसकी वजह से 19 किलो के एलपीजी के दाम 3000 रुपए के लेवल को पार कर गए थे। वहीं दूसरी ओर छोटू सिलेंडर के दाम में भी बढ़ोतरी देखी गई है। पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस की कीमतों में बढ़ात्तरी से घर-घर प्रभावित हो रहा है। खासकर देश के बहुसंख्यक गरीबों की रोटी पर संकट मंडराने लगा है।

कमर्शियल एलपीजी और छोटू सिलेंडर के दाम बढ़ने का असर सबसे अधिक असर गरीबों पर पड़ा है। भारत का गरीब वर्ग छोटू गैस का उपयोग करता है। उसके महंगा होने से गरीब की रोटी भी महंगी हो गई है। वहीं गरीब अपने कार्यस्थल के पास के ठेलों और छोटी दुकानों पर नास्ता या खाना खाता है। इसलिए कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में वृद्धि का असर भी उस पर पड़ रहा है। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर यानी 19 किलोग्राम वाले सिलेंडर के दाम में देश की राजधानी दिल्ली में 6 महीनों में लगातार 7वीं बार इजाफा देखने को मिला है। आंकड़ों को देखें तो जून के महीने में 19 किलोग्राम के सिलेंडर के दाम में दिल्ली में 42 रुपए की बढ़ोतरी देखने को मिली है। जिसके बाद दाम 3,113.50 रुपए हो गए हैं। जबकि कोलकाता में 19 किलो के एलपीजी के दाम में 53.50 रुपए की बढ़ोतरी देखी गई थी। जिसके बाद यहां पर कीमतें 3,255.50 रुपए प्रति गैस सिलेंडर हो गई है। खास बात तो ये है कि दिल्ली में इन 6 महीनों में कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में 1,533 रुपए यानी 97 फीसदी का इजाफा देखने को मिल चुका है। जोकि इससे पहले कभी नहीं देखा गया है।

छोटू सिलेंडर भी हुआ महंगा

वहीं दूसरी ओर छोटू सिलेंडर यानी 5 किलो वाले सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिली है। एएनआई के एक्स पर किए पोस्ट के अनुसार दिल्ली में छोटू सिलेंडर के दाम में 11 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। जिसके बाद यहां पर छोटू सिलेंडर की कीमत यानी फ्री ट्रेड एलपीजी के दाम 821.50 रुपए हो गए हैं। ये कीमतें 1 जून यानी आज से लागू हो गई हैं। हालांकि घरेलू गैस सिलेंडर होल्डर्स को बड़ी राहत मिली है। रिपोर्ट के अनुसार घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। जिसकी वजह से देश की राजधानी दिल्ली में घरेलू एलपीजी की कीमत 913 रुपए, कोलकाता में 939 रुपए, मुंबई में 912.50 रुपए और चेन्नई में 928.50 रुपए हैं। घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में आखिरी बार 7 मार्च को बदलाव किया गया था। तब देश में घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में 60 रुपए का इजाफा हुआ था।

अभिषेक बनर्जी पर हमले के बाद टीएमसी का कड़ा रुख- स्पीकर और कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी पर दक्षिण 24 परगना जिले में हुए हमले के बाद पार्टी ने कड़ा रुख अपनाया है। टीएमसी ने घोषणा की कि वे मामले में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सूचित करेगी और अदालत का दरवाजा खटखटाएगी। सोनारपुर में चुनाव के बाद हुई हिंसा से प्रभावित परिवारों से मिलने के दौरान अभिषेक बनर्जी को ईंटों, पत्थरों और अंडों से निशाना बनाया गया था। इस हमले में उनकी आंख में चोट आई है। टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया है कि यह हमला भाजपा प्रायोजित था और उनकी जान लेने की कोशिश की गई। उन्होंने पुलिस पर भी पर्याप्त सुरक्षा मुहैया न कराने का आरोप लगाया। उन्होंने सत्तारूढ़ दल पर सवाल उठाने वाले राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाने का आरोप लगाया।

पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट को मिले नए मुख्य न्यायाधीश जस्टिस मिश्रा

चंडीगढ़। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट को जस्टिस अश्वनी कुमार मिश्रा के रूप में अपना नया मुख्य न्यायाधीश मिला है। केंद्र सरकार के विधि एवं न्याय मंत्रालय ने अधिसूचना जारी कर जस्टिस मिश्रा को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की जानकारी दी। यह महत्वपूर्ण नियुक्ति तब हुई है जब निवर्तमान मुख्य न्यायाधीश जस्टिस शील नागू को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया है, इसके बाद यह पद रिक्त हुआ था। मंत्रालय के जारी आदेश के अनुसार, भारत के संविधान के अनुच्छेद 223 के तहत राष्ट्रपति ने जस्टिस अश्वनी कुमार मिश्रा को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश पद के कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए अधिकृत किया है। अधिसूचना जारी होते ही उनकी नियुक्ति तत्काल प्रभाव से प्रभावी हुई है, जिससे हाईकोर्ट के नियमित कामकाज और प्रशासनिक व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने में मदद मिलेगी। मुख्य न्यायाधीश के रूप में जस्टिस मिश्रा के पास कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां होंगी। वे हाईकोर्ट की विभिन्न पीठों का गठन करने, मामलों का आवंटन तय करने और अदालत के प्रशासनिक कार्यों की निगरानी करने वाले हैं। इसके अतिरिक्त, न्यायिक व्यवस्था से जुड़े अहम फैसले लेने और न्यायिक कार्यों के बेहतर संचालन की जिम्मेदारी भी उन्हीं के कंधों पर रहेगी।

हाईकोर्ट की कार्यप्रणाली को प्रभावी बनाए रखने में मुख्य न्यायाधीश की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है। इसतरह जस्टिस मिश्रा की यह नियुक्ति न्यायिक व्यवस्था के लिए एक अहम प्रशासनिक कदम माना जा रहा है। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि मुख्य न्यायाधीश के रूप में जस्टिस मिश्रा का व्यापक अनुभव हाईकोर्ट के कामकाज को और अधिक मजबूती देगा। उनकी नियुक्ति से पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ से जुड़े मामलों की सुनवाई तथा न्यायिक प्रशासन को प्रभावी नेतृत्व मिलने की उम्मीद है, जिससे न्याय प्रक्रिया में तेजी आएगी और दक्षता बढ़ेगी।

आशीष दुबे / 01 जून 2026

समाज को सशक्त बनाने की दिशा मे सामाजिक लोगों ने प्रारंभ की कारगर पहल

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। तहसील मुख्यालय ग्राम पंचायत किरनापुर मे सामाजिक लोगों द्वारा एक अनूठी एवं कारगर पहल को अमलीजामा पहनाने विशेष मुहिम चलाई जा रही है। जिसके तहत सामाजिक लोगों ने एक विशेष बैठक बुलाकर विभिन्न बिन्दुओं पर विचार विमर्श करते हुए समाज को सामाजिक और आर्थिक रूप से मजबूती प्रदान किए जाने हेतु किरनापुर ब्लॉक में स्थानीय स्तर पर प्रबुद्ध कार्यकर्ताओं ने एक मीटिंग का आयोजन किया। इस मीटिंग में आकस्मिक रूप से पहुंचे राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक और महार बौद्ध समाज के प्रांतीय संयोजक सुनील मेश्राम ने बताया कि 31 मई 1936 को डॉक्टर बाबा साहेब आंबेडकर ने मुंबई के दादर स्थित नायगांव में क्षेत्र महार परिषद (बांबे महार सोसायटी) एक विशाल सभा को सम्बोधित किया था जिसका उद्देश्य अपने जातिय समाज के दबे, पिछड़े, वंचित और शोषित लोगों को समानता का अधिकार दिलवाना था। 31 मई 1920 को मूक नायक पाक्षिक पत्रिका का प्रारंभ किया था। श्री मेश्राम जी ने बाबा साहेब आंबेडकर द्वारा किए गए कार्य की महत्ता को इस तारीख से जोड़कर सामाजिक-आर्थिक उत्थान और विकास कार्य हेतु निर्मित की जाने वाली समिति के लिए प्रशासनिक और सामाजिक स्तर पर सामान्य नियम बताकर मार्गदर्शन और सुझाव प्रस्तुत किए।जिसमें समाज में आज तक किसी भी प्रकार का आर्थिक फन्ड नहीं होने पर प्रथम बार इसकी मुहिम चलाई गयी जिसके तहत प्रथम बैठक ग्राम पंचायत किरनापुर में 31/05/2026 को ली गई एवं सदस्यों द्वारा सहर्ष स्वीकार करते हुए इस ऐतिहासिक कार्य की नींव डाली गई।इस कार्य मे समाज के ही अन्य लोग सहयोगी बन सकते हैं। अपने सम्पूर्ण जीवन काल में सिर्फ 1 बार आपको सदस्य बनना है एवं जीवन भर एवं आपके बाद आपके नामिनी भी इस पुनीत कार्य का हिस्सा बनेंगे। उक्त कार्य को पारदर्शी बनाने हेतु एक समिति संगम कल्याण समिति किरनापुर का निर्माण किया गया है। जिसमें सर्व सम्मति से अध्यक्ष एन आर खांडेकर, उपाध्यक्ष एम आर बागड़े, रमाशंकर हिरकने, सचिव दुर्गेश भीमटे, कोषाध्यक्ष रोहिदास मेश्राम, सहसचिव हरीश चौरे, राकेश बोरकर, संरक्षक जे पी रामटेके, व्ही एन मेश्राम, सलाहकार एस सी वैद्य, बी आर डोंगरे, मार्गदर्शक गौतम भीमटे, लोकेश गेडाम, एस आर पटले, एवं वरिष्ठ सदस्यों ने राजेश बंजारी, जे के गेडाम, आशिक मेश्राम, संदीप नागवंशी, सरोज डोंगरे सहित अन्य लोग शामिल हैं।समिति की बैठक प्रत्येक माह के दूसरे रविवार को आयोजित होगी जिसमें समिति के आय -व्यय पर चर्चा, एवं समिति की आवश्यक रणनीति पर विचार किया जाएगा आपके सुझावों को इसमें शामिल किया जाएगा।समिति का मूल उद्देश्य चार बिन्दुओं पर होगा। जिसमें 1- शिक्षा ,2- स्वास्थ्य 3 स्वरोजगार ,4- आकस्मिक सहायता। वही समिति की सदस्यता राशि जीवनकाल में एक बार देय होगी। सदस्यता राशि जमा होने पर समिति के सदस्य जिन्हें भी आवश्यकता हो वे इस राशि का उपयोग कर अपने व्यापार को मजबूत कर सकते हैं अपनी जरूरत को पूरा कर सकते हैं। तथा 6 माह के भीतर राशि वापस जमा करना अनिवार्य होगा। समिति राशि से उपरोक्त 4 बिन्दुओं पर कार्य करेगी।इसे और भी विस्तार से समझने हेतु समिति से जुड़कर हमे अपनी सहमति प्रदान कर सकते हैं।

पीपरटोला से 28 वर्षीय महिला रहस्यमय ढंग से लापता

दुकान जाने की कहकर निकली थी घर से, पुलिस ने शुरू की तलाश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा थाना क्षेत्र के ग्राम पीपरटोला से एक महिला रहस्यमय ढंग से लापता हो गई है। 28 वर्षीय अनूपा पति रामेश्वर गेरवे 31 मई की दोपहर से घर नहीं लौटी है। बिरसा पुलिस ने गुम इंसान क्रमांक 16/2026 दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक रामेश्वर गेरवे खेती किसानी करते हैं। 31 मई की सुबह 8:00 बजे वे मजदूरी के लिए गांव में चले गए थे। घर पर पत्नी अनूपा, 7 वर्षीय बेटा रूद्र और मां मीना गेरवे थी। दोपहर करीब 2:00 बजे जब रामेश्वर घर लौटे तो पत्नी घर पर नहीं मिली। मां मीना ने बताया कि अनूपा बेटे रूद्र को छोड़कर दुकान जाती हूं न कहकर निकली थी। लेकिन वापस नहीं लौटी।इसके बाद रामेश्वर ने पड़ोस, मोहल्ले और रिश्तेदारी के गांव पोंगार, बड़गांव, बहेराभाटा में पत्नी की तलाश की, पर कोई पता नहीं चला। परेशान होकर 1 जून को उन्होंने बिरसा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। लापता महिला अनुपात का हुलिया रंग सांवला, कद 4 फीट 6 इंच वह हरे रंग की साड़ी-ब्लाउज पहन कर घर से निकली है जिसके गले में सोने का मंगलसूत्र, पैरों में चांदी की पायल, कान-नाक में बाजारू लौंग व बाली है।थाना प्रभारी शिवलाल परते ने जिलेवासियों से सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा कि यदि किसी को अनूपा कहीं दिखे तो तुरंत संबंधित पुलिस थाना या बिरसा पुलिस थाने को सूचना दें।

मेहदुली में अवैध रेत भंडारण पर छापामार कार्रवाई, 50 ट्रॉली रेत जब्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सोमवार 01 जून 2026 को वारासिवनी तहसील के ग्राम मेहदुली में राजस्व, खनिज एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने छापामार कार्रवाई कर बड़ी मात्रा में अवैध रूप से भंडारित रेत जब्त की है। उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि तहसीलदार वारासिवनी, राजस्व अमले, जिला खनिज विभाग बालाघाट, थाना रामपायली एवं पुलिस बल द्वारा संयुक्त रूप से ग्राम मेहदुली में खनिज रेत के अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण की जांच की गई। कार्रवाई के दौरान ग्राम मेहदुली स्थित खसरा क्रमांक 242 की निजी भूमि पर लगभग 50 ट्रॉली खनिज रेत धान के पैरा-पुआल के नीचे छिपाकर रखी हुई पाई गई। उक्त भूमि भू-स्वामी विद्या प्रकाश, ओम प्रकाश, ज्ञान प्रकाश एवं वेद प्रकाश पिता हरिकुमार निवासी मेहदुली की बताई गई है। जांच के दौरान यह रेत ज्ञान प्रकाश उर्फ पप्पू पटेल पिता हरिओम पटेल निवासी मेहदुली द्वारा भंडारित की गई पाई गई। मौके पर रेत भंडारण संबंधी कोई वैधानिक अनुमति अथवा आदेश प्रस्तुत नहीं किए जाने पर अधिकारियों ने नियमानुसार रेत को जब्त कर लिया। जब्त रेत को ग्राम कोटवार की सुपुर्दगी में सुरक्षित रखवाया गया है। खनिज विभाग द्वारा बताया गया कि मामले में मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के तहत आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की इस कार्रवाई से अवैध रेत कारोबार में संलिप्त लोगों में हड़कंप की स्थिति देखी गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनिज गतिविधियों के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

वर्षा पूर्व नाला सफाई कार्य का एसडीएम ने किया निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए नगर में जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए किए जा रहे नाला एवं नाली सफाई कार्यों का सोमवार 1 जून को एसडीएम गोपाल सोनी ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर सफाई कार्य की प्रगति असंतोषजनक पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रति नाराजगी व्यक्त की गई। एसडीएम श्री सोनी ने नगर पालिका बालाघाट क्षेत्र के हनुमान चौक, रेलवे स्टेशन देवटोला, गड्डा मोहल्ला तथा वार्ड क्रमांक 3 से होकर प्रवाहित होने वाले प्रमुख नालों का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर नालों की सफाई कार्य अपेक्षित स्तर का नहीं पाया गया। कार्य की गुणवत्ता एवं प्रगति से असंतुष्ट एसडीएम ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी के माध्यम से संबंधित कर्मचारियों एवं जिम्मेदार व्यक्तियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही नगर पालिका प्रशासन को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि नगर के सभी नालों एवं नालियों की सफाई का कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए। एसडीएम श्री सोनी ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को निर्देशित किया कि एक सप्ताह के भीतर नगर क्षेत्र के समस्त नालों और नालियों की सफाई सुनिश्चित कराई जाए, ताकि वर्षा के दौरान जलभराव, गंदगी और नागरिकों को होने वाली परेशानियों से बचा जा सके। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कहा कि मानसून से पूर्व नाला सफाई कार्य समय पर पूरा होना अत्यंत आवश्यक है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा कार्य में उदासीनता बरतने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की इस सख्ती से नगर में वर्षा पूर्व सफाई व्यवस्था को लेकर सक्रियता बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है।

राहुल गांधी के बयान से राजस्थान की राजनीति में हलचल, डोटासरा ने दिया धन्यवाद

जयपुर। सोमवार को राजस्थान दौरे पर पहुंचे लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान ने राज्य की सियासत में हलचल पैदा कर दी। जयपुर एयरपोर्ट पर स्वागत के दौरान राहुल गांधी ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली की तारीफ कर कहा, पीसीसी और सीएलपी मिलकर अच्छा काम कर रहे हैं। बाकी राज्यों के लिए भी अच्छे उदाहरण हो आप। इस मुलाकात के वक्त पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी मौजूद थे। राहुल गांधी के इन प्रशंसा भरे शब्दों से उत्साहित डोटासरा ने तुरंत इसका वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर कर राहुल गांधी का आभार व्यक्त किया।

पीएम स्वनिधि योजना का दायरा बढ़ा

नई दिल्ली। आत्मनिर्भर भारत की ओर कदम बढ़ाते हुए मोदी सरकार ने प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि स्कीम को मार्च 2030 तक बढ़ाने का फैसला किया है। आपको बता दें सरकार ने इस स्कीम की शुरुआत कोविड महामारी के दौरान रेहड़ी-पटरी और ठेला वाले छोटे कारोबारियों के लिए शुरू किया था, जो सरकार की ओर से मिली आर्थिक मदद से अपना खुदका रोजगार कर सकें। आइए जानते हैं प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि स्कीम के बारे में विस्तार से सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, अब तक देशभर में 75.5 लाख से अधिक स्ट्रीट वेंडर्स इस योजना का लाभ उठा चुके हैं। इनके लिए 112 लाख से ज्यादा ऋण स्वीकृत किए गए हैं। योजना के तहत कुल 17,800 करोड़ रुपये से अधिक की राशि वितरित की जा चुकी है। इसके अलावा लाभार्थियों को लगभग 800 करोड़ रुपये ब्याज सब्सिडी और डिजिटल लेनदेन प्रोत्साहन के रूप में दिए गए हैं। पीएम स्वनिधि योजना के तहत स्ट्रीट वेंडर्स को बिना किसी गारंटी के चरणबद्ध तरीके से ऋण दिया जाता है। पहली बार 15,000 रुपये, दूसरी बार 25,000 रुपये और तीसरी बार 50,000 रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जाता है। समय पर ऋण चुकाने वाले लाभार्थियों को 7 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सब्सिडी भी मिलती है।

आंधी-तूफान में जानलेवा बन रही सड़क किनारे खड़े पुराने पेड़ों की झूलती शाखाएं

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पर्यावरण संरक्षण और हरियाली के लिए पेड़ों का महत्व किसी से छिपा नहीं है। लेकिन जब इन पेड़ों का उचित रखरखाव नहीं किया जाता तो यही पेड़ लोगों की जान के लिए खतरा भी बन सकते हैं। बालाघाट नगर के मुख्य मार्गों पर वर्षों से खड़े पुराने फलदार एवं छायादार वृक्षों की झूलती और कमजोर शाखाएं इन दिनों राहगीरों, वाहन चालकों और आसपास के व्यापारियों के लिए चिंता का विषय बनी हुई हैं। हाल ही में आए तेज आंधी-तूफान के बाद यह समस्या और गंभीर रूप से सामने आई है। नगर के विभिन्न क्षेत्रों में ऐसे कई पेड़ हैं जो लगभग 50 वर्ष या उससे अधिक पुराने बताए जाते हैं। इन पेड़ों की जड़ें और मुख्य तना तो मजबूत स्थिति में हैं।लेकिन उनकी कई बड़ी शाखाएं सड़क के ऊपर तक फैल चुकी हैं और नीचे की ओर झुक गई हैं। तेज हवा चलने या आंधी-तूफान आने पर इनके टूटकर गिरने का खतरा लगातार बना रहता है। यदि समय रहते इन शाखाओं की छंटाई नहीं कराई गई तो किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। पुलिस लाइन, रानी दुर्गावती चौक से सिविल लाइन रोड चौक तक लगे आम के पेड़ और बस स्टैंड समीप सड़क किनारे लगे पीपल के पे? की शाखाएं सड़क के ऊपर तक फैली हुई हैं। सिविल लाइन में पे?ों की शाखाएं इतनी नीचे झुक चुकी हैं। बारिश और तेज हवा के दौरान दुर्घटना की आशंका कई गुना बढ़ जाती है।30 मई को आए तेज आंधी-तूफान ने इस खतरे की वास्तविकता को उजागर कर दिया। जनपद पंचायत कार्यालय के सामने एक बड़ा पेड़ विद्युत पोल पर गिर गया। जिससे पोल बुरी तरह झुक गया और क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई। घटना के समय वहा से गुजर रहे कुछ लोग बाल-बाल बच गए। यदि उस समय यातायात अधिक होता तो बड़ा हादसा हो सकता था।इसी प्रकार विश्राम गृह के सामने भी पेड़ों की शाखाएं टूटने और झुकने के कारण फुटकर व्यवसायियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। आम विक्रेताओ को अपनी सामग्री सुरक्षित स्थानों पर हटानी पड़ी। वहीं रानी दुर्गावती चौक से सिविल लाइन मार्ग के बीच भी सड़क पर झुकी शाखाओं के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।यह मानना जरूरी है कि पेड़ पर्यावरण की अमूल्य धरोहर हैं और इन्हें काटना किसी समस्या का समाधान नहीं है। विशेष रूप से पीपल जैसे वृक्ष धार्मिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण माने जाते हैं। लेकिन सड़क के ऊपर तक फैली और कमजोर हो चुकी शाखाओं की छंटाई कर उन्हें व्यवस्थित किया जाना आवश्यक है। ताकि पेड़ों का संरक्षण भी बना रहे और आमजन की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सके। पुराने वृक्षों का समय-समय पर निरीक्षण और छंटाई करना आवश्यक होता है। इससे पेड़ों की आयु बढ़ती है। दुर्घटनाओं की संभावना कम होती है और यातायात भी सुरक्षित बना रहता है। प्रशासन को किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार करने के बजाय पहले से ही आवश्यक कदम उठाने चाहिए।ताकि जनहानि और संपत्ति के नुकसान की संभावना को रोका जा सके।

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

पंचेरा के जंगल में मृत मिला तेंदुआ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट तहसील के ग्राम पंचेरा स्थित वन क्षेत्र में सोमवार 01 जून 2026 की सुबह एक तेंदुआ मृत अवस्था में पाया गया। वन विभाग के बीट गार्ड एवं चौकीदार के नियमित भ्रमण के दौरान सुबह करीब 7 बजे तेंदुए का शव जंगल में देखा गया, जिसके बाद वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी सूचना दी गई। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ की गई। इसके बाद पशु चिकित्सकों की टीम द्वारा मृत तेंदुए का पोस्टमार्टम

किया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार तेंदुए की मृत्यु भूख, प्यास एवं अत्यधिक गर्मी (हीट स्ट्रोक) के कारण होना पाई गई। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में क्षेत्र में भीषण गर्मी का प्रभाव बना हुआ है, जिसके चलते वन्यजीवों को भोजन और पानी की उपलब्धता में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। प्रारंभिक जांच में किसी प्रकार की शिकार अथवा अन्य संदिग्ध गतिविधि के संकेत नहीं मिले हैं। पोस्टमार्टम के उपरांत वन विभाग एवं राजस्व विभाग की संयुक्त उपस्थिति में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार तेंदुए के शव का अंतिम संस्कार (शवदाह) किया गया। इस दौरान तहसीलदार मंजूला महोबिया सहित वन एवं राजस्व विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि वन्यजीवों की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए क्षेत्र में लगातार निगरानी की जा रही है तथा गर्मी के मौसम में वन क्षेत्रों के जलस्रोतों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि वन्य प्राणियों को पेयजल उपलब्ध कराया जा सके।

नपा कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल आज से, विभिन्न मांगों को लेकर भारतीय मजदूर संघ ने दी चेतावनी

सुबह 6 बजे से काम बंद आंदोलन, नगर की सफाई एवं अन्य व्यवस्थाएं हो सकती हैं प्रभावित

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

नगर पालिका में कार्यरत कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर भारतीय मजदूर संघ के नेतृत्व में 2 जून से अनिश्चितकालीन काम बंद एवं कलम बंद हड़ताल शुरू होने जा रही है। संगठन द्वारा जारी हड़ताल संबंधी पत्र बीते कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके बाद नगर पालिका कर्मचारियों के साथ-साथ आम नागरिकों के बीच भी इस आंदोलन को लेकर चर्चा का माहौल बना हुआ है। भारतीय मजदूर संघ द्वारा जारी पत्र के अनुसार नगर पालिका के कर्मचारी 2 जून की सुबह 6 बजे से नगर पालिका कार्यालय के मुख्य द्वार पर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन और हड़ताल पर बैठेंगे। संगठन ने स्पष्ट किया है कि जब तक कर्मचारियों की प्रमुख मांगों पर उचित निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। साथ ही संगठन ने चेतावनी दी है कि हड़ताल के दौरान यदि नगर में सफाई व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति अथवा अन्य नगर पालिका सेवाओं में किसी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न होती है तो उसकी संपूर्ण जिम्मेदारी नगर पालिका प्रशासन और प्रबंधन की होगी।

इस संबंध में भारतीय मजदूर संघ बालाघाट के पदाधिकारी योगेश यादव ने बताया कि नगर पालिका कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर कई बार नगरीय प्रशासन और प्रबंधन का ध्यान आकर्षित कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकल सका है। कर्मचारियों को बार-बार आश्वासन तो मिले, लेकिन उनकी मांगों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने के कारण अब आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि संगठन की प्रमुख मांगों में 1 अप्रैल 2026 से मध्यप्रदेश शासन द्वारा लागू न्यूनतम वेतनमान (मिनिमम वेजेस) का

लाभ सभी पात्र कर्मचारियों को तत्काल दिए जाने की मांग शामिल है। इसके साथ ही पुराने वेतनमान और नए न्यूनतम वेतनमान के बीच की अंतर राशि (डिफरेंस एरियर) का एकमुश्त भुगतान किए जाने की मांग भी की गई है। संगठन ने कर्मचारियों को समय पर वेतन भुगतान सुनिश्चित करने की मांग उठाते हुए कहा है कि पेमेंट ऑफ वेजेस एक्ट के प्रावधानों के अनुसार प्रत्येक माह की 10 तारीख से पहले कर्मचारियों के खाते में वेतन जमा किया जाए। संगठन का कहना है कि वेतन भुगतान में होने वाली देरी के कारण कर्मचारियों और उनके परिवारों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। भारतीय मजदूर संघ ने यह भी मांग की है कि वेतन भुगतान से पहले प्रत्येक कर्मचारी को वेतन पर्ची अथवा वाउचर उपलब्ध कराया जाए, जिसमें कर्मचारी की उपस्थिति, भुगतान की गई राशि तथा भविष्य निधि (पीएफ) कटौती सहित अन्य जानकारियां स्पष्ट रूप से दर्ज हों। इससे भुगतान प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहेगी और कर्मचारियों को अपने अधिकारों की जानकारी मिल सकेगी। संगठन ने कर्मचारियों की सुरक्षा व्यवस्था को भी महत्वपूर्ण मुद्दा बताया है। मांगपत्र में कहा गया है कि सफाई कर्मचारियों को कार्य के दौरान सुरक्षा उपकरण, जूते, दस्ताने एवं अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जाए। वहीं विद्युत शाखा में कार्यरत कर्मचारियों को उच्च स्तरीय सुरक्षा किट और सुरक्षा उपकरण दिए जाएं ताकि दुर्घटनाओं की संभावना को कम किया जा सके। महिला कर्मचारियों के लिए मातृत्व अवकाश की सुविधा लागू करने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई है। इसके अलावा पांच वर्ष की सेवा पूर्ण कर चुके दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को नियमित किए जाने तथा दस वर्ष की सेवा पूरी कर चुके कर्मचारियों को प्रतिमाह दो हजार रुपये वरिष्ठता भत्ता दिए जाने की मांग भी संगठन ने रखी है। योगेश यादव ने बताया कि आंदोलन की तैयारी पूरी कर ली गई है और 2 जून की सुबह लगभग 5 बजे से ही नगर पालिका कार्यालय के सामने टेंट लगाकर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया जाएगा। इसके बाद कर्मचारी काम बंद और कलम बंद आंदोलन में शामिल होंगे।

चर्चा कर समाधान निकालने का प्रयास किया जा रहा हैं-सूर्यप्रकाश

इधर प्रस्तावित हड़ताल को लेकर जब नगर पालिका के प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश उके से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि उन्हें हड़ताल की जानकारी प्राप्त हो चुकी है। प्रशासन द्वारा कर्मचारियों से लगातार संवाद स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है ताकि हड़ताल की स्थिति को टाला जा सके। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों की कुछ स्थानीय मांगों को लेकर पूर्व में भी चर्चा की जा चुकी है तथा जो मांगें नगर पालिका स्तर पर पूरी की जा सकती हैं, उन्हें पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि नगर पालिका प्रशासन नहीं चाहता कि कर्मचारी हड़ताल पर जाएं, क्योंकि इससे आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। प्रभारी सीएमओ ने बताया कि कर्मचारियों के प्रतिनिधियों से पुनः चर्चा कर समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा। इसके साथ ही नगर की आवश्यक सेवाएं प्रभावित न हों, इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्थाओं पर भी विचार किया जा रहा है। अब सभी की नजर 2 जून से शुरू होने वाले इस आंदोलन पर टिकी हुई है। यदि समय रहते कर्मचारियों और प्रशासन के बीच सहमति नहीं बनती है तो नगर की सफाई व्यवस्था, कार्यालयीन कार्य और अन्य आवश्यक सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

छत से गिरने से घायल महिला की मौत

जिला अस्पताल पहुंचने से पहले तोड़ा दम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। एक दर्दनाक हादसे में मकान की छत से गिरकर गंभीर रूप से घायल हुई एक महिला की जिला अस्पताल लाते समय रास्ते में मौत हो गई। मृतिका साया बाई उर्फ सुमित्रा तिलेश्वर 55 वर्ष जतरी टोला ग्राम सकरी थाना उगली जिला सिवनी निवासी है। शाम हो जाने के कारण शव का पोस्टमार्टम नहीं हो सका। जिला अस्पताल पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिया है। पोस्टमार्टम 2 जून को किया जाएगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुमित्रा बाई खेती मजदूरी करती थी और वह अपने घर में अकेली रहती थीं। उनके पति घनश्याम तिलेश्वर का पहले ही निधन हो चुका है। परिवार में सौतन की दो बेटियां हैं। जिनकी शादी हो चुकी है। गांव में उनके अन्य रिश्तेदार रहते हैं। जो समय-समय पर उनका हालचाल लेते थे।बताया गया कि 1 जून की दोपहर सुमित्रा बाई अपने कच्चे मकान की छत पर सीढ़ी लगाकर मरम्मत का कार्य कर रही थीं। इसी दौरान अचानक उनका संतुलन बिगड़ गया और वह छत से नीचे गिर गईं। गिरने से उन्हें गंभीर चोटें आईं और वह घर के पास घायल अवस्था में पड़ी रहीं।कुछ समय बाद उनकी रिश्तेदार श्यामा बाई साहू केवलारी निवासीउनसे मिलने पहुंचीं। वहां पहुंचने पर उन्होंने सुमित्रा बाई को गंभीर रूप से घायल अवस्था में देखी इसके बाद उसने अन्य परिजनों को घटना की जानकारी दी। सभी ने मिलकर सुमित्रा बाई को तत्काल एक निजी वाहन से जिला अस्पताल बालाघाट के लिए रवाना किये लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई।जिला अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर जिला अस्पताल पुलिस चौकी के प्रधान आरक्षक बरेलाल पांचे ने प्रारंभिक कार्रवाई करते हुए शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम तक उसे अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिया 2 जून को पोस्टमार्टम किया जायेगा।

दीवार गिर जाने से मृत महिला के परिवार को 01 लाख रुपए सहायता राशि मिलेगी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बालाघाट श्री गोपाल सोनी ने राजस्व पुस्तक परिपत्र 06-04 के प्रावधानों के तहत पुराने मकान की दीवार गिर जाने से उसकी चपेट में आयी सन्नुबाई उर्फ अंजनी लिल्हारे की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान 03 मई 2026 को मृत्यु हो जाने के कारण उसके वारिस राजाराम लिल्हारे को 01 लाख रुपए की सहायता राशि मंजूर की है। बालाघाट तहसील के ग्राम कोसमी में रेखलाल बसेने के घर पर वास्तु कार्यक्रम मे खाना बनाने के लिए सन्नुबाई गई थी। इस दौरान तेज आंधी तूफान में रेखलाल बसेने के पुराने मकान की दीवार गिर जानें से सन्नुबाई उसकी चपेट में आ गई थी, जिसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय बालाघाट भर्ती कराया गया था, जहाँ 03 मई 2026 को उसकी मृत्यु हो गई।

आवश्यकता है
कम्प्युटर ऑपरेटर की आवश्यकता है
संपर्क करें-पद्मेश सिटी केबल
काली पुतली चौक, बालाघाट

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बद्ध
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ
इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक
JOB SAHI
• कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
• माईनिंग इंजीनियरिंग
• सिविल इंजीनियरिंग
• मैकेनिकल इंजीनियरिंग
• इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
ADMISSION OPEN
नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट
6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट